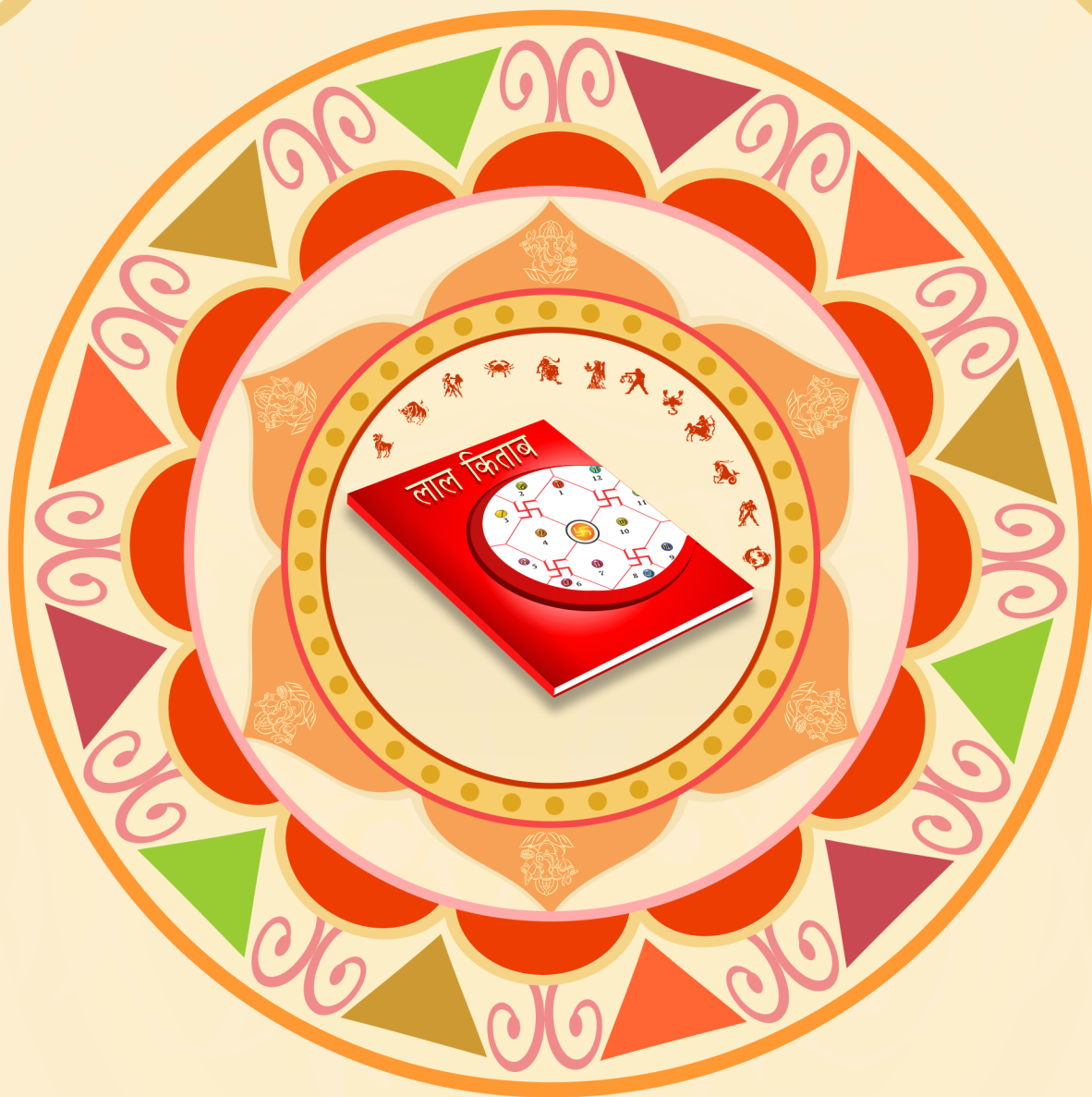
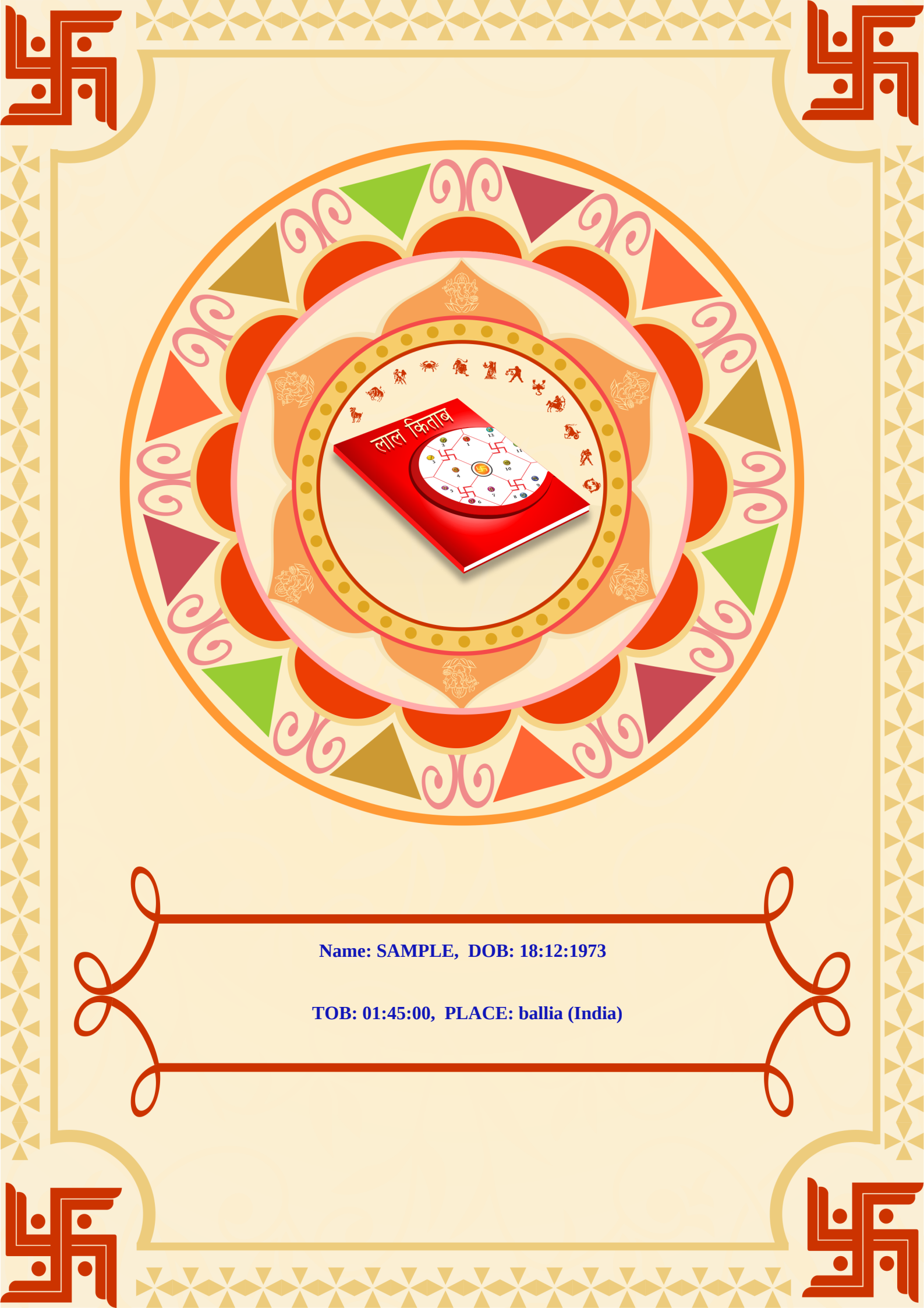




Name: SAMPLE, DOB: 18:12:1973

TOB: 01:45:00, PLACE: ballia (India)

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ॥

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काशपेयं महाद्युतिम् । तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम् । नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् । कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥
प्रियंगुलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् । सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम् । बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् । सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् । सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् । रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्रिसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ॥

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरूप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूँ। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूँ। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूँ। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूँ। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूँ। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूँ। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूँ। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री-पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

जन्म दिनांक	18:12:1973(मंगलवार)
जन्म समय	01:45:00
जन्म स्थान	ballia
अक्षांश	025:45:00N
रेखांश	084:10:00E
यु./ग्रीष्म समय संस्कार	-00:00
जी. एम. टी. समय	020:15:00
स्थानीय समय	001:51:40 hrs
सांपातिक काल	007:36:54 hrs
स्थानीय समय संस्कार	000:06:40
अयनांश	N.C.Lahiri(023:29:36)
सूर्योदय	06:37:05AM
सूर्यास्त	05:03:04PM
विक्रम संवत	2030
शक संवत	1895
संवत्सर	प्रमादी
संवत्सर अधिपति	इन्द्राग्नि

अवकहड़ा चक्र

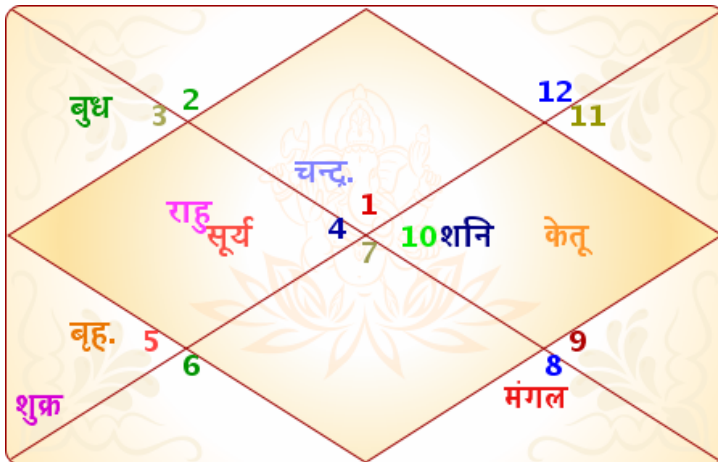
लग्न	कन्या
लग्नाधिपति	बुध
राशि (चन्द्रमा)	कन्या
राशिपति	बुध
नक्षत्र	हस्ता
नक्षत्रपति	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण	2
ऋतु	बसन्त
मास	चैत्र
पक्ष	कृष्ण
तिथि	नवमी
तिथि श्रेणी	रिक्ता
तिथि पति	सूर्य
करण	गरिज
करण श्रेणी	चर
करणपति	वासुदेव
गण	देव
योनि	हस्त (स्त्री)
वर्ण	वैश्य
सूर्य सिद्धान्त योग	सौभाग्य
रज्जु	कंठ
वश्य	द्विपद
तत्व	अग्नि
विहग	वायस
तत्वाधिपति	मंगल
नाड़ी	आदि
नाड़ी पद	मध्य
वेध	शतभिषा
आद्याक्षर	Shaa
पाया	स्वर्ण

घात चक्र

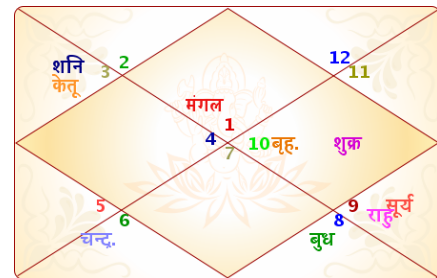
राशि (सूर्य)	कुम्भ
मास	फाल्गुन
तिथि	5, 10, 15
वार	शुक्रवार
नक्षत्र	अश्लेषा
प्रहर	4
लग्न	सिंह
सूर्य सिद्धान्त योग	वज्र
करण	चतुष्पद

ग्रहों की स्थिति (लाल किताब)

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



संशोधित कुण्डली



लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	4	5	ग्रह			चन्द्रमा				शुभ भाव
चन्द्रमा	1	4	ग्रह			सूर्य	हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	8	1, 8	ग्रह	हाँ					हाँ	अशुभ भाव
बुध	3	3, 6	ग्रह		हाँ				हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	5	9, 12	ग्रह	हाँ					हाँ	शुभ भाव
शुक्र	5	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	10	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ					शुभ भाव
राहु	4		राशि					हाँ		शुभ भाव
केतु	10		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब कुण्डली से भाव स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	चन्द्रमा	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बुध	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	सूर्य, राहु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बृहस्पति, शुक्र	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध, केतु	हाँ	बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	मंगल	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	शनि, केतु	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब लग्न कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

सामान्य दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य							100		100
चन्द्र									
मंगल									
बुध									
बृह									
शुक									
शनि									
राहु							100		100
राहु									

ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य							✓		✓
चन्द्र									
मंगल				✓					
बुध									
बृह		✓							
शुक									
शनि	✓							✓	
राहु			✓				✓		✓
राहु	✓							✓	

टक्कर की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य							✓		✓
चन्द्र									
मंगल				✓					
बुध									
बृह		✓							
शुक									
शनि	✓							✓	
राहु			✓				✓		✓
राहु	✓							✓	

पाये की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य									
चन्द्र									
मंगल	✓							✓	
बुध									
बृह		✓							
शुक		✓							
शनि									
राहु									
राहु									

विश्वासघात की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य		✓							
चन्द्र							✓		✓
मंगल					✓	✓			
बुध									
बृह									
शुक									
शनि									
राहु		✓							
राहु									

सहचरी दिवार की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य				✓	✓	✓			
चन्द्र	✓						✓	✓	✓
मंगल									
बुध									
बृह									
शुक									
शनि									
राहु				✓	✓	✓			
राहु									

अचानक प्रहार की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य							✓		✓
चन्द्र				✓					
मंगल							✓		✓
बुध		✓							
बृह									
शुक									
शनि	✓		✓					✓	
राहु							✓		✓
राहु	✓		✓					✓	

परस्पर सहयोग की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	राहु
सूर्य			✓						
चन्द्र					✓	✓			
मंगल									
बुध									
बृह									
शुक									
शनि									
राहु			✓						
राहु									

लाल किताब 35 वर्षीय चक्र

दशारम्भ का ग्रह : शनि दशारम्भ दिनांक : 18:12:1973

प्रथम चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18/12/1973	मंगल	18/12/1979	शनि	18/12/1985
मंगल	18/12/1975	केतु	18/12/1981	राहु	18/12/1986
शनि	18/12/1977	राहु	18/12/1983	केतु	18/12/1987
बृहस्पति दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18/12/1988	सूर्य	18/12/1994	बृहस्पति	18/12/1996
बृहस्पति	18/12/1990	चन्द्रमा	18/08/1995	सूर्य	18/04/1997
सूर्य	18/12/1992	मंगल	18/04/1996	चन्द्रमा	18/08/1997
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	18/12/1997	मंगल	18/12/2000	चन्द्रमा	18/12/2006
शुक्र	18/12/1998	शनि	18/12/2002	मंगल	18/08/2007
बुध	18/12/1999	शुक्र	18/12/2004	बृहस्पति	18/04/2008

द्वितीय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18/12/2008	मंगल	18/12/2014	शनि	18/12/2020
मंगल	18/12/2010	केतु	18/12/2016	राहु	18/12/2021
शनि	18/12/2012	राहु	18/12/2018	केतु	18/12/2022
बृहस्पति दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18/12/2023	सूर्य	18/12/2029	बृहस्पति	18/12/2031
बृहस्पति	18/12/2025	चन्द्रमा	18/08/2030	सूर्य	18/04/2032
सूर्य	18/12/2027	मंगल	18/04/2031	चन्द्रमा	18/08/2032
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	18/12/2032	मंगल	18/12/2035	चन्द्रमा	18/12/2041
शुक्र	18/12/2033	शनि	18/12/2037	मंगल	18/08/2042
बुध	18/12/2034	शुक्र	18/12/2039	बृहस्पति	18/04/2043

तृतीय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18/12/2043	मंगल	18/12/2049	शनि	18/12/2055
मंगल	18/12/2045	केतु	18/12/2051	राहु	18/12/2056
शनि	18/12/2047	राहु	18/12/2053	केतु	18/12/2057
बृहस्पति दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18/12/2058	सूर्य	18/12/2064	बृहस्पति	18/12/2066
बृहस्पति	18/12/2060	चन्द्रमा	18/08/2065	सूर्य	18/04/2067
सूर्य	18/12/2062	मंगल	18/04/2066	चन्द्रमा	18/08/2067
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	18/12/2067	मंगल	18/12/2070	चन्द्रमा	18/12/2076
शुक्र	18/12/2068	शनि	18/12/2072	मंगल	18/08/2077
बुध	18/12/2069	शुक्र	18/12/2074	बृहस्पति	18/04/2078

लाल किताब 35 वर्षीय चक्र

दशारम्भ जन्म समय का ग्रह : शनि दशारम्भ दिनांक : 18:12:1973

प्रथम चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18/12/1973	मंगल	18/12/1979	शनि	18/12/1985
मंगल	18/12/1975	केतु	18/12/1981	राहु	18/12/1986
शनि	18/12/1977	राहु	18/12/1983	केतु	18/12/1987
बृहस्पति दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18/12/1988	सूर्य	18/12/1994	बृहस्पति	18/12/1996
बृहस्पति	18/12/1990	चन्द्रमा	18/08/1995	सूर्य	18/04/1997
सूर्य	18/12/1992	मंगल	18/04/1996	चन्द्रमा	18/08/1997
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	18/12/1997	मंगल	18/12/2000	चन्द्रमा	18/12/2006
शुक्र	18/12/1998	शनि	18/12/2002	मंगल	18/08/2007
बुध	18/12/1999	शुक्र	18/12/2004	बृहस्पति	18/04/2008

द्वितीय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18/12/2008	मंगल	18/12/2014	शनि	18/12/2020
मंगल	18/12/2010	केतु	18/12/2016	राहु	18/12/2021
शनि	18/12/2012	राहु	18/12/2018	केतु	18/12/2022
बृहस्पति दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18/12/2023	सूर्य	18/12/2029	बृहस्पति	18/12/2031
बृहस्पति	18/12/2025	चन्द्रमा	18/08/2030	सूर्य	18/04/2032
सूर्य	18/12/2027	मंगल	18/04/2031	चन्द्रमा	18/08/2032
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	18/12/2032	मंगल	18/12/2035	चन्द्रमा	18/12/2041
शुक्र	18/12/2033	शनि	18/12/2037	मंगल	18/08/2042
बुध	18/12/2034	शुक्र	18/12/2039	बृहस्पति	18/04/2043

तृतीय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18/12/2043	मंगल	18/12/2049	शनि	18/12/2055
मंगल	18/12/2045	केतु	18/12/2051	राहु	18/12/2056
शनि	18/12/2047	राहु	18/12/2053	केतु	18/12/2057
बृहस्पति दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18/12/2058	सूर्य	18/12/2064	बृहस्पति	18/12/2066
बृहस्पति	18/12/2060	चन्द्रमा	18/08/2065	सूर्य	18/04/2067
सूर्य	18/12/2062	मंगल	18/04/2066	चन्द्रमा	18/08/2067
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	18/12/2067	मंगल	18/12/2070	चन्द्रमा	18/12/2076
शुक्र	18/12/2068	शनि	18/12/2072	मंगल	18/08/2077
बुध	18/12/2069	शुक्र	18/12/2074	बृहस्पति	18/04/2078

गोचर शनि

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत्॥

(गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चंद्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।)

प्रथम चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम द्वैय्या	सिंह	07/09/1977	04/11/1979	2.0 y.1.0 m.28 d.	ताम्र
प्रथम द्वैय्या	सिंह	15/03/1980	27/07/1980	0.0 y.4.0 m.12 d.	ताम्र
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	04/11/1979	15/03/1980	0.0 y.4.0 m.10 d.	स्वर्ण
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	27/07/1980	06/10/1982	2.0 y.2.0 m.10 d.	रजत
तृतीय द्वैय्या	तुला	06/10/1982	21/12/1984	2.0 y.2.0 m.15 d.	ताम्र
तृतीय द्वैय्या	तुला	01/06/1985	17/09/1985	0.0 y.3.0 m.17 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	धनु	17/12/1987	21/03/1990	2.0 y.3.0 m.3 d.	ताम्र
कंटक शनि	धनु	20/06/1990	15/12/1990	0.0 y.5.0 m.26 d.	लौह
अष्टम शनि	मेष	17/04/1998	07/06/2000	2.0 y.1.0 m.21 d.	रजत

द्वितीय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम द्वैय्या	सिंह	01/11/2006	10/01/2007	0.0 y.2.0 m.10 d.	ताम्र
प्रथम द्वैय्या	सिंह	16/07/2007	10/09/2009	2.0 y.1.0 m.26 d.	रजत
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	10/09/2009	15/11/2011	2.0 y.2.0 m.6 d.	स्वर्ण
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	16/05/2012	04/08/2012	0.0 y.2.0 m.19 d.	ताम्र
तृतीय द्वैय्या	तुला	15/11/2011	16/05/2012	0.0 y.6.0 m.1 d.	रजत
तृतीय द्वैय्या	तुला	04/08/2012	02/11/2014	2.0 y.2.0 m.29 d.	रजत
कंटक शनि	धनु	26/01/2017	21/06/2017	0.0 y.4.0 m.24 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	धनु	26/10/2017	24/01/2020	2.0 y.2.0 m.29 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	मेष	03/06/2027	20/10/2027	0.0 y.4.0 m.18 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	मेष	23/02/2028	08/08/2029	1.0 y.5.0 m.14 d.	लौह
अष्टम शनि	मेष	05/10/2029	17/04/2030	0.0 y.6.0 m.12 d.	रजत

तृतीय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम द्वैय्या	सिंह	27/08/2036	22/10/2038	2.0 y.1.0 m.25 d.	स्वर्ण
प्रथम द्वैय्या	सिंह	05/04/2039	13/07/2039	0.0 y.3.0 m.8 d.	स्वर्ण
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	22/10/2038	05/04/2039	0.0 y.5.0 m.13 d.	ताम्र
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	13/07/2039	28/01/2041	1.0 y.6.0 m.17 d.	ताम्र
द्वितीय द्वैय्या	कन्या	06/02/2041	26/09/2041	0.0 y.7.0 m.19 d.	स्वर्ण
तृतीय द्वैय्या	तुला	28/01/2041	06/02/2041	0.0 y.0.0 m.9 d.	लौह
तृतीय द्वैय्या	तुला	26/09/2041	11/12/2043	2.0 y.2.0 m.15 d.	रजत
तृतीय द्वैय्या	तुला	23/06/2044	30/08/2044	0.0 y.2.0 m.7 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	धनु	08/12/2046	06/03/2049	2.0 y.2.0 m.27 d.	ताम्र
कंटक शनि	धनु	10/07/2049	04/12/2049	0.0 y.4.0 m.25 d.	ताम्र
अष्टम शनि	मेष	07/04/2057	27/05/2059	2.0 y.1.0 m.20 d.	स्वर्ण

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (अयनाश : 023:29:36) चन्द्रमा 5.0 व.5.0 म.26 द.

क्र० सं०	ग्रह दशा	अवधि	से
1	चन्द्रमा	5.0 y.5.0 m.26 d.	18:12:1973
2	मंगल	7.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1979
3	राहु	18.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1986
4	बृहस्पति	16.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2004
5	शनि	19.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2020
6	बुध	17.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2039
7	केतु	7.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2056
8	शुक्र	20.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2063
9	सूर्य	6.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2083

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	18:12:1973
बुध	14:04:1975
केतु	13:09:1976
शुक्र	14:04:1977
सूर्य	13:12:1978

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	14:06:1979
राहु	10:11:1979
बृहस्पति	28:11:1980
शनि	04:11:1981
बुध	13:12:1982
केतु	10:12:1983
शुक्र	08:05:1984
सूर्य	08:07:1985
चन्द्रमा	13:11:1985

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	14:06:1986
बृहस्पति	24:02:1989
शनि	20:07:1991
बुध	26:05:1994
केतु	13:12:1996
शुक्र	31:12:1997
सूर्य	31:12:2000
चन्द्रमा	25:11:2001
मंगल	26:05:2003

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	13:06:2004
शनि	01:08:2006
बुध	12:02:2009
केतु	20:05:2011
शुक्र	25:04:2012
सूर्य	25:12:2014
चन्द्रमा	13:10:2015
मंगल	12:02:2017
राहु	19:01:2018

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	13:06:2020
बुध	17:06:2023
केतु	24:02:2026
शुक्र	05:04:2027
सूर्य	05:06:2030
चन्द्रमा	17:05:2031
मंगल	16:12:2032
राहु	25:01:2034
बृहस्पति	01:12:2036

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	14:06:2039
केतु	10:11:2041
शुक्र	07:11:2042
सूर्य	07:09:2045
चन्द्रमा	14:07:2046
मंगल	13:12:2047
राहु	10:12:2048
बृहस्पति	29:06:2051
शनि	04:10:2053

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	13:06:2056
शुक्र	10:11:2056
सूर्य	10:01:2058
चन्द्रमा	17:05:2058
मंगल	16:12:2058
राहु	14:05:2059
बृहस्पति	01:06:2060
शनि	08:05:2061
बुध	17:06:2062

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	14:06:2063
सूर्य	13:10:2066
चन्द्रमा	13:10:2067
मंगल	14:06:2069
राहु	14:08:2070
बृहस्पति	14:08:2073
शनि	13:04:2076
बुध	14:06:2079
केतु	14:04:2082

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	14:06:2083
चन्द्रमा	01:10:2083
मंगल	01:04:2084
राहु	07:08:2084
बृहस्पति	02:07:2085
शनि	20:04:2086
बुध	02:04:2087
केतु	06:02:2088
शुक्र	13:06:2088

बृहस्पति ग्रह दशा

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	13:06:2004
शनि	25:09:2004
बुध	27:01:2005
केतु	17:05:2005
शुक्र	02:07:2005
सूर्य	08:11:2005
चन्द्रमा	17:12:2005
मंगल	20:02:2006
राहु	07:04:2006

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	01:08:2006
बुध	26:12:2006
केतु	06:05:2007
शुक्र	29:06:2007
सूर्य	30:11:2007
चन्द्रमा	15:01:2008
मंगल	01:04:2008
राहु	25:05:2008
बृहस्पति	12:10:2008

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	12:02:2009
केतु	09:06:2009
शुक्र	27:07:2009
सूर्य	12:12:2009
चन्द्रमा	23:01:2010
मंगल	02:04:2010
राहु	20:05:2010
बृहस्पति	21:09:2010
शनि	09:01:2011

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	20:05:2011
शुक्र	09:06:2011
सूर्य	05:08:2011
चन्द्रमा	22:08:2011
मंगल	19:09:2011
राहु	09:10:2011
बृहस्पति	29:11:2011
शनि	14:01:2012
बुध	08:03:2012

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	25:04:2012
सूर्य	05:10:2012
चन्द्रमा	23:11:2012
मंगल	12:02:2013
राहु	10:04:2013
बृहस्पति	03:09:2013
शनि	11:01:2014
बुध	14:06:2014
केतु	30:10:2014

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	25:12:2014
चन्द्रमा	09:01:2015
मंगल	02:02:2015
राहु	19:02:2015
बृहस्पति	04:04:2015
शनि	13:05:2015
बुध	28:06:2015
केतु	09:08:2015
शुक्र	26:08:2015

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	13:10:2015
मंगल	23:11:2015
राहु	21:12:2015
बृहस्पति	03:03:2016
शनि	08:05:2016
बुध	24:07:2016
केतु	01:10:2016
शुक्र	29:10:2016
सूर्य	19:01:2017

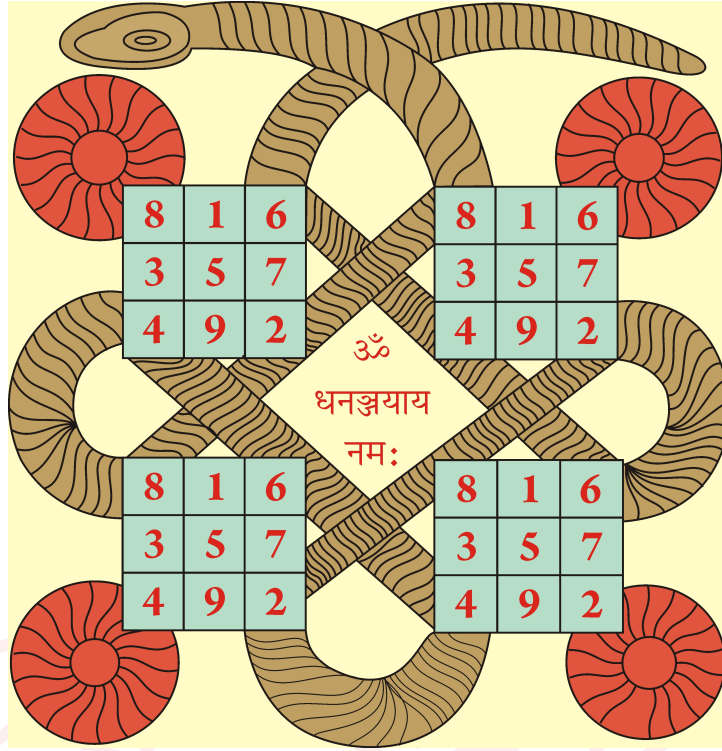
मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	12:02:2017
राहु	04:03:2017
बृहस्पति	24:04:2017
शनि	08:06:2017
बुध	01:08:2017
केतु	19:09:2017
शुक्र	08:10:2017
सूर्य	04:12:2017
चन्द्रमा	21:12:2017

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	19:01:2018
बृहस्पति	30:05:2018
शनि	24:09:2018
बुध	10:02:2019
केतु	14:06:2019
शुक्र	04:08:2019
सूर्य	28:12:2019
चन्द्रमा	10:02:2020
मंगल	23:04:2020

क्या है कालसर्प योग ?



जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशों के बीच में आ जाते हैं, तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशों के बाहर रह जाता है, तो पूर्ण कालसर्प योग नहीं माना जाएगा। हालांकि, सारे ग्रह केतू और राहु के अंशों के बीच में आ जायें, तो भी आंशिक कालसर्प योग माना जाएगा।

- 1— कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव—
 - 2— किसी भी शुभ और महत्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना।
 - 3— मानसिक तनाव।
 - 4— आत्मविश्वास में कमी।
 - 5— स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां।
 - 6— गरीबी और धन की कमी।
 - 7— व्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी।
 - 8— उत्तेजना और बेकार की चिंताएं।
 - 9— मित्रों और शुभचिन्तकों से मनमुटाव।
 - 10— मित्रों और शुभचिन्तकों की तरफ से विश्वासघात।
 - 11— मित्रों, शुभचिन्तकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त होना।
- आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजूद है।

आपकी कुण्डली में चतुर्थ भाव में राहु और दशम भाव में केतु की उपस्थिति से शंखपाल नामक कालसर्प योग का निर्माण हो रहा है। ऐसा जातक विद्यार्जन नहीं कर पाता, विश्वासघात का भय बना रहता है। भूमि, माता, वाहन, नौकरों से परेशानी बनी रहती है। किसी भी सुख का उपभोग करना दिवास्वप्न सा होता है। गृहस्थ जीवन असंतोषजनक तथा कलहमय रहता है एवं माता का स्वास्थ्य खराब रहता है, परस्पर मतभेद रहते हैं और माता का सुख कम ही प्राप्त होता है। नौकरी-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव देखने पड़ते हैं। जहां जातक का घर होता है, वह भूमि दूषित होती है।

कालसर्प योग एक अशुभ योग है। कभी-कभी प्रथम नजर में जातक की कुण्डली में कालसर्प योग दिखाई देता है, परन्तु सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाय तो उसमें कालसर्प भंग योग होता है जो प्रतिकूल प्रभाव नहीं दिखाता परन्तु फिर भी समस्त कालसर्प योग से प्रभावित व्यक्तियों को पूजा-पाठ व घर में कालसर्प योग शान्ति यंत्र स्थापति करना चाहिए।

कालसर्प योग शान्ति के उपाय

कालसर्प योग शांति के लिए निम्न उपाय हैं—

- 1— ताजी मूली का दान करें।
- 2— रसोई में बैठ कर ही भोजन करें।
- 3— भाद्रपद में सोलह श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करें।
- 4— एक नारियल समुद्र में प्रवाहित करें।
- 5— नागपंचमी पर नागों के स्वरूप चांदी के नाग की पूजा करें। पितरों का आह्वान करें। पितरों की सद्गति प्राप्त हो ऐसा इस नाग से प्रार्थना करें। फिर नदी या समुद्र में नाग समेत पूजा में प्रयुक्त समस्त सामग्री प्रवाहित कर दें।
- 6— घर के प्रवेश द्वार की चौखट पर चांदी का स्वास्तिक लगायें।
- 7— कालसर्प योग के कारण वैवाहिक जीवन में बाधा आती है, तो पत्नी से दुबारा विवाह करें।
- 8— राहु हमेशा मंत्र से वशीभूत होता है, इसलिए उपासना को अधिक महत्व दें।
- 9— रात को सोते समय जौ के दाने सिरहाने पर रख दें। पौ फटते ही उन्हें पक्षियों को खिला दें।
- 10— वर्ष में एक दो बार आयु से अधिक की संख्या में जिन्दा मछलियां नदी में प्रवाहित कर दें।
- 11— भगवान गणेश का नित्य पूजन करें तथा ॐ गणपतये नमः मंत्र का नित्य जाप करें।
- 12— प्रत्येक बुधवार को श्री गणेश जी की पूजा करें तथा बूंदी के लड्डुओं का भोग लगायें। गणेशचतुर्थी को गणपति का पूजन अवश्य करें।
- 13— शनिवार को पीपल को स्पर्श करें तथा मीठा जल अर्पित करें।
- 14— शयन कक्ष में मोर पंख लगायें।
- 15— प्रतिदिन पक्षियों को बाजरा इत्यादि डालें।
- 16— एक नारियल के गोले में छेद करके उसमें काले तिल, जौ, बूरा, देसी घी तथा मेवा आदि डालकर जहां

चीटियां हों, वहां पर दबा दें। यह प्रयोग शनिवार को करें।

17—एक मुट्ठी हरी मूंग राहु के मंत्र से अभिमंत्रित कर दान दें।

18—चांदी की सर्पाकृति की अंगूठी बुधवार को मध्यमा अंगुली में मंत्र से अभिमंत्रित करवाकर धारण करें।



सामान्य भविष्यफल

आप बहुत विनम्र स्वभाव वाले होंगे। आप अपनी बात उग्र तरीके से नहीं कह सकते हैं। साधारणतया, बात करते हुए आपके चेहरे पर मुस्कुराहट होगी। आपकी आवाज में हलकापन या धीमापन हो सकता है। आप श्रृंगार के शौकीन होंगे। इत्र आपको काफी पसंद होगा तथा बालों में क्रीम या कोई कीमती तेल का उपयोग कर सकते हैं। आप अपने शरीर पर विशेष ध्यान देंगे तथा अपने पहनावे का भी खास ख्याल रखेंगे।

आप मितभाषी होंगे। पहले आप दूसरों की बात को ध्यान से सुनेंगे और जब मौका मिलेगा तो अपनी बात कहेंगे। लेकिन आप जिस विषय पर भी बात करेंगे, उसके बारे में विस्तार से बतायेंगे।

गणित में आपकी विशेष रुचि होगी। यदि आपकी कुण्डली में बुध ठीक स्थिति में है, तो गणित में विद्वान होंगे। लेकिन गणित का प्रयोग आप अपनी पढ़ाई में करने की जगह छोटी-छोटी बातों का हिसाब-किताब रखने में कर सकते हैं। आप गंभीर स्वभाव के होंगे। आप अपने दुख या मन की बात बहुत जल्द दूसरों से नहीं कहेंगे। लेकिन कभी मुश्किल पड़ने पर अपने मन की बात दूसरों से नहीं कहने के कारण आपको दुख अन्दर ही अन्दर झेलना पड़ सकता है, जिससे आपका शरीर प्रभावित हो सकता है, तथा आपको दिमाग तथा पेट संबंधी बीमारियों से पीड़ित होना पड़ सकता है।

किसी दूसरे व्यक्ति की बीमारी के समय उसकी सेवा करने में आपको बहुत खुशी मिल सकती है। आप उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का ख्याल रखेंगे और अपने आराम की परवाह किये बगैर उसकी सेवा करेंगे। आप अपना जन्म-स्थान छोड़कर किसी दूसरी जगह पर रह सकते हैं, जो कि आपके भाग्योदय में काफी मददगार होगा। आप कुछ लंबी यात्रायें भी करेंगे और इनसे लाभ प्राप्त करेंगे। आप काफी मिलनसार स्वभाव के होंगे। किसी के साथ दोस्ती करने में आपको कोई दिक्कत नहीं होगी।

आप शांत स्वभाव वाले एवं श्रृंगार में रुचि रखने वाले होंगे। आपमें एक विशेष समझ एवं ज्ञान होगा। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग आम जीवन के कामों में अधिक करेंगे।

आपके जीवन में कई तरह के परिवर्तन हो सकते हैं और आप यात्राओं की तरफ आकर्षित होंगे। आपमें किसी चीज को गहराई से जानने की अभिलाषा होगी। किसी भी चीज की छोटी से छोटी बातों का गहराई से अध्ययन करेंगे। आप किसी भी काम को अपने ढंग से करेंगे। आप तकनीक का काफी प्रयोग करेंगे। आप निरीक्षक, आयकर अधिकारी या गणित के अध्यापक के रूप में काफी सफल हो सकते हैं।

आप अपने संचित धन को सही तरीके से खर्च करेंगे। आप अपने जीवन में सुन्दरता एवं सफाई पर काफी ध्यान देंगे। आप अपने घर की सजावट का भी विशेष ख्याल रखेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। अपने खान-पान का आप काफी ख्याल रखेंगे। किसी तरह की परेशानी होने पर थोड़ा-बहुत असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आपको किसी काम को अपने विचार से करना चाहिए। दूसरों से सलाह लेने के चक्कर में काम उलझ सकता है।

आप अपने घर पर अपने जीवनसाथी के काम-काज में हाथ बंटाने वाले होंगे। आप घर की हर चीज को दूसरों की तुलना में ठीक ढंग से रख सकते हैं।

अपनी मर्जी से शादी करने में आपके चयन में कोई कमी रह सकती है। आपका वैवाहिक जीवन ठीक रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के साथ ठीक ढंग से निर्वाह करने की कोशिश करेंगे।

आपकी कुण्डली के तीसरे भाव में बुध होने की वजह से आप थोड़े-बहुत पाखंडी एवं धोखेबाज हो सकते हैं तथा अंतिम अवस्था में सन्यास प्राप्त कर सकते हैं। व्यवसाय के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी। आपके व्यवसाय का संबंध क्रय-विक्रय से हो सकता है।

आपकी कुण्डली के तीसरे भाव में बुध होने की वजह से आप व्यापारी लोगों से मित्रता कर व्यापार के छुपे हुए भेद जानने की कोशिश कर सकते हैं। आप दूसरों से जानकारी प्राप्त कर अपने व्यापार में प्रयोग करेंगे, जिससे आपको व्यापार में सफलता प्राप्त होगी तथा काफी धन अर्जित करेंगे। आपके व्यापार में चारों तरफ से बरकत होगी।

आपकी कुण्डली के तीसरे भाव में बुध होने की वजह से यदि आप चिकित्सक या न्यायाधीश हैं, तो आपको काफी सफलता प्राप्त होगी। इसके अलावा, लेखन, प्रकाशन, कम्प्यूटर, टेलीविजन आदि से भी आपका संबंध हो सकता है।

आपकी कुण्डली के तीसरे भाव में बुध होने की वजह से आप शुद्ध हृदय तथा उत्तम चरित्र वाले नहीं हो सकते हैं, जिसकी वजह से आपके परिजन या मित्र आपको छोड़ सकते हैं। परन्तु आप काफी चतुर होंगे। आप अपनी बुद्धि का सदुपयोग नहीं कर सकते हैं। आप कभी-कभी चालाकी भी कर सकते हैं। आप चंचल स्वभाव के होंगे। आपको उत्तम संगति प्राप्त नहीं होगी तथा आपके जीवन का कुछ हिस्सा बुरी संगति में बर्बाद हो सकता है। अपने भाइयों के साथ आपके संबंध ठीक रहेंगे। आप अपने भाइयों को जरूरत पड़ने पर अपनी क्षमतानुसार हर संभव मदद करेंगे।

आपकी कुण्डली के तीसरे भाव में बुध होने की वजह से आप अपनी वृद्धावस्था में पहले की बुरी चीजों को भुलाने के ख्याल से सन्यास प्राप्त कर सकते हैं। आप धनोपार्जन के लिए गलत तरीकों का भी सहारा ले सकते हैं। सन्यासी होने के बाद भी आपके मन में आध्यात्मिकता की गहराई नहीं आ सकती है। आप साहसी एवं हिम्मती

होंगे, लेकिन थोड़े-बहुत आलसी भी हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली के तीसरे भाव में बुध होने की वजह से आपकी कुण्डली में मंगल अशुभ है, आपको अपने भाई-बन्धुओं से हानि हो सकती है। इस अशुभ फल को दूर करने के लिए आपको सूर्य को जल चढ़ाना या बकरी का दान करना या रात में मूंग भिगोकर सुबह पक्षियों को खिलाना चाहिए।



ग्रहफल (लाल किताब)

सूर्य चौथे भाव मे



आपकी लाल किताब कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है। आप धन संग्रह करते रहेंगे और अन्य लोग इससे लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी संतान करोड़पति होगी। आप किसी नई चीज का अविष्कार करेंगे और इस नयी खोज से आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको नये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अपने पैतृक व्यवसाय के अलावा कोई अन्य कार्य करेंगे तो आपको उसमें अधिक लाभ प्राप्त होगा। आप अपने देश को छोड़ कर विदेश में निवास कर सकते हैं। अपने पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त होगी। यदि आप अपने घर पर नल लगवाते हैं या कुँआ बनवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको मन की शान्ति प्राप्त होगी। आपको अपनी 25 से 50 साल की आयु में बहुत लाभ प्राप्त होगा। पानी, कपड़े और दूध का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा और आप इससे बहुत लाभ कमायेंगे। विशेषकर कपड़े का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा। आप फल देने वाले वृक्ष लगायेंगे।

यदि आप रात में काम करेंगे तो आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। आपको घर संबंधित कोई समस्या नहीं आयेगी। आप समुद्री यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे। आपको सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आपके लिये भाग्यशाली साबित होगी। आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। उन्हें अपने काम में उन्नति प्राप्त होगी। यदि आप वाहन से संबंधित कोई व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

यदि आपमें चोरी करने की आदत हुई, आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े, किसी स्त्री के साथ गलत व्यवहार किया या पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखे तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसी कारण से कमजोर हो जाता है तो इसका बुरा असर आपके बच्चों पर पड़ सकता है। आपकी माता और बहन को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बिना किसी कारण के दुःखी रह सकते हैं। आपकी माता चिन्तित रह सकती हैं और उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रह सकता है। आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े तो आपको अपने कार्य में बाधाओं का

सामना करना पड़ सकता है और आपको रक्तचाप की समस्या हो सकती है। आपके माता-पिता के सुख में कमी आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1– आपको चोरी से दूर रहना चाहिये।
- 2– महिलाओं के झगड़े से दूर रहें।

उपाय : –

- 1– अन्धों को भोजन दें।
- 2– शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्रमा पहले भाव मे



आपकी लाल किताब कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आपमें सबको आकर्षित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा। आप सुंदर होंगे। आप विद्वान होंगे और आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह 28 साल की आयु में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनी हो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधित शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवाना चाहिये। आपकी वृद्धावस्था सुख से पूर्ण होगी।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनी आया से झगड़ा करते हैं या गाय को कश्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप पानी में डूब सकते हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। आपको दिल और आँख से सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1– अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें।
- 2– आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये।

उपाय : –

- 1– चांदी के गिलास में पानी या दूध पियें।
- 2– पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ायें।

मंगल आठवे भाव मे



आपकी लाल किताब कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार आप मांगलिक हैं। आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आप निडर और उत्साही होंगे। परिणामों की परवाह किये बिना आप चुनौतियों का मुकाबला करेंगे। आप न्याय पाने के लिये लड़ाई करने से नहीं हिचकिचायेंगे। आप अपने काम में गहरी रुचि लेंगे और उसे पूरे मन से करेंगे। भगवान आपका जीवन बुरी घटनाओं से बचायेगा। आप बाधाओं का मुकाबला चिन्तित हुये बिना करेंगे। आपको अपने ससुराल वालों से सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे।

यदि आप विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करेंगे, हर समय अपने पास चाकू रखेंगे, लोगों के साथ झगड़ा करेंगे,

आपके घर पर जमीन के नीचे कोई भट्ठी हुई तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके छोटे भाई को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। उसके कारण झगड़ा हो सकता है। आपका भाई आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। किसी अचानक दुर्घटना के कारण आपको कोई रक्त संबंधी विकार हो सकता है या कोई नाखून संबंधी रोग हो सकता है। किसी व्यक्ति पर बिना किसी कारण क्रोध करना आपके लिये पश्चाताप का कारण बन सकता है। आपको हानि भी हो सकती है। कोई आप पर आक्रमण कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1— अपने घर पर जमीन के नीचे कोई भट्ठी न रखें।
- 2— तोता न पालें।

उपाय : –

- 1— विधवा का आशीर्वाद लें।
- 2— तन्दूर में मीठी रोटी पकाकर कुत्ते को खिलायें।

बुध तिसरे भाव में



आपकी लाल किताब कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। आप सदैव यात्रा करेंगे। आपको चिकित्सा व्यवसाय में यश प्राप्त होगा। आपके मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेंगे। आपको कुछ खराब परिणामों के साथ उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप दूसरों के लिये भाग्यशाली साबित होंगे। जो भी आपसे मिलेगा, उसे लाभ प्राप्त होगा। आपको आय के उत्तम साधन प्राप्त होते रहेंगे। यदि आप फल, खेती, कांसे के बर्तन, पशुपालन से सम्बन्धित व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने मामा और संतानों के लिये लाभकारी होंगे। आपको दमा का उपचार करना आता होगा। आप अपने व्यापार में प्रगति करेंगे। आप निडर होंगे, लेकिन झगड़ों से दूर रहेंगे। आपको बुरे कार्यों से घृणा होगी। किसी नये कार्य को आरम्भ करते समय आपके दिमाग में कई विचार आयेंगे और आप जिन पर विश्वास करेंगे, उनसे परामर्श करेंगे। आप अपने दिमाग से भी सोचेंगे।

यदि आप अपनी बुआ, बहन, पुत्री के धन का प्रयोग करेंगे, चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष लगायेंगे, दक्षिणमुखी घर में रहेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका जीवन बहुत अच्छा नहीं हो सकता है। आपको भाइ-बहनों का सुख नहीं मिल सकता है। आपका उनसे झगड़ा हो सकता है। आपका भाग्य देर से उदय हो सकता है। आपको संतान सुख देर से प्राप्त हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1– मामा और बुआ से न लड़ें।
- 2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।
- 1– मामा और बुआ से न लड़ें।
- 2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।
- 3– बुआ से झगड़ा न करें।
- 4– विधवा या अविवाहित महिला से अनैतिक संबंध न रखें।

उपाय : –

- 1– कन्याओं की सेवा करें या दुर्गा पूजा करें।
- 2– तोता पालें।

बृहस्पति पाचवें भाव में



आपकी लाल किताब कुण्डली में बृहस्पति पाँचवें भाव में स्थित है। आपकी संतान प्रगति करेगी। अपनी आयु बढ़ने के साथ-साथ आप भी प्रगति करेंगे। आपकी 16वें साल की आयु के दौरान आपका भाग्य चमकेगा। आप संतान की तरफ से सुखी रहेंगे। आपको 60 साल की आयु तक उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको अपनी संतान के जन्म के बाद अपने दादा या पिता से मदद प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान, जिसका जन्म बृहस्पतिवार को होगा, के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपको आध्यात्म का परम ज्ञान होगा और आप यश प्राप्त

करेंगे। आप व्यापार या लेखन के द्वारा धन कमायेंगे। आप दूसरों की मदद करेंगे। आप धन संग्रह करेंगे और खुश रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में लोग आपको एक प्रधान की तरह मानेंगे।

यदि आप धर्म के विरुद्ध सोचेंगे, धर्म के नाम पर एकत्र किये गये दान का प्रयोग करेंगे, साधुओं से झगड़ा करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप और अधिक क्रोध कर सकते हैं। यदि आप पराई महिलाओं के साथ संबंध रखेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अधिकारियों के साथ बैर भाव रखेंगे या बिना मोल दिये कोई सामान लेंगे तो आपको हानि हो सकती है। यदि आप मांसाहारी भोजन करेंगे या आलस्य करेंगे तो आपको हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : -

- 1- ईश्वर में आस्था रखें।
- 2- नाव से किसी तरह का कोई संबंध न रखें।

उपाय : -

- 1- 1-साधुओं की सेवा करें।
- 2- 2-धर्मशाला या धार्मिक स्थान को साफ करें।

शुक्र पाचवें भाव में



आपकी लाल किताब कुण्डली में शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। आप विद्वान होंगे। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। अपनी पत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आपकी पत्नी वफादार होंगी। आपको सफेद रंग की वस्तुओं से लाभ प्राप्त होगा। आप अपने समुदाय से प्रेम करेंगे। आपके विवाह के 5 साल बाद आपको धन और नौकरों का बहुत सुख प्राप्त होगा। आपको अपने व्यवसाय में उन्नति प्राप्त होगी। जब तक आपकी पत्नी जीवित हैं, आपको किसी प्रकार का अभाव

नहीं होगा। आपका धन बढ़ेगा। आप अपने परिवार और देश से प्रेम करेंगे। आप अपने भाई के लिये अनुकूल होंगे। आप जीवन में बाधाओं का सामना नहीं करेंगे। आपका जीवन आनन्द और शांति से पूर्ण होगा।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह किया तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप कामुक हो सकते हैं और इस कारण से आपके सुख में बाधा पहुँच सकती है। यदि आपकी संगति बुरी हुई या आप प्रेम प्रसंग में पड़े तो भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आपके कारण आपके मित्रों को परेशानी हो सकती है। आप दोहरी प्रकृति वाले व्यक्ति होंगे। आपकी पत्नी का गर्भपात हो सकता है या आपको संतान प्राप्ति में देरी हो सकती है। यदि आप प्रेम विवाह करते हैं तो आपको पुत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपकी बहन या बुआ के धन का नाश हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1— महिलाओं के लिये दीवाने न हों।
- 2— अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें।
- 3— प्रेम या अन्तर्जातीय विवाह न करें।

उपाय : –

- 1— अपने शरीर पर दही या दूध मलकर स्नान करें।
- 2— गाय की सेवा करें।

शनि दसवें भाव में



आपकी लाल किताब कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकारी होंगे। आप धार्मिक और सद्गुणी

व्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वाँ, 21वाँ, 33वाँ, 40वाँ और 57वाँ साल आपके जीवन का बहुत लाभकारी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस-मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्र खराब करेंगे, यात्रा वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता-पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रुक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वाँ साल अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1– मांस-मदिरा का सेवन न करें।
- 2– भाग-दौड़ के काम न करें।

उपाय : –

- 1– अपने पास हथियार न रखें।
- 2– अपने मस्तक पर केसर का तिलक लगायें।

राहु चौथे भाव मे



आपकी लाल किताब कुण्डली में राहु चौथे भाव में स्थित है। आप सद्गुणी, धनी और दीर्घायु होंगे। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करेंगे। आप सज्जन होंगे और आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। आप बड़ी सम्पत्ति के मालिक होंगे। आपको अपने संबंधियों से धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप दूसरों की मदद करेंगे और लोग

आपको परोपकारी व्यक्ति मानेंगे। आप दयालु होंगे और आपको वाहन का सुख प्राप्त होगा। आप अपनी बहन और पुत्री के लिये धन खर्च करेंगे। आपको अपने ससुराल से धन और लाभ प्राप्त होते रहेंगे। आपके ससुराल वालों का धन बढ़ेगा। आप 24 साल की आयु के बाद धन संग्रह करेंगे। आपके पिता और संतान को उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे, परन्तु आपकी माता के साथ ऐसा नहीं हो सकता है। आपको भूमि, भवन, वाहन और जीवन के अन्य सुख प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप अपने विभाग में एक उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको बन्दूक या पिस्तौल रखने का शौक होगा।

यदि आपने पूजा का स्थान बदला, लकड़ी का कोयला अपने घर की छत पर रखा, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनायी, अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ संबंध रखा तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको 34 साल की आयु के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को भी परेशानी हो सकती है। आपके ससुराल और ननिहाल वालों को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप अपनी रखैल पर धन बर्बाद करने के बाद अपना जीवन बर्बाद कर सकते हैं। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आप शेखचिल्ली की तरह दिन में सपने देख सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

- 1— अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध न रखें।
- 2— गंगा स्नान करें।

उपाय : –

- 1— 1—घर पर गंगा जल से स्नान करें।
- 2— 2—पानी में सूखा धनिया प्रवाहित करें।

केतु दसवें भाव मे



आपकी लाल किताब कुंडली में केतु दसवें घर में स्थित है। आप धनवान होंगे और हर तरह की सुख-सुविधाओं

से परिपूर्ण होंगे। आपका जीवन खुशहाल होगा और आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। आपको पुत्र संतान की तुलना में कन्या संतान से अधिक सुख प्राप्त होगा। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। आप शंकालु स्वभाव वाले हो सकते हैं। आपके जीवन में 40 वर्ष की आयु तक समय मिला—जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर आपका जीवन सुखमय रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पराई स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है। यदि किसी कारण वश केतु मंदा हो गया तो आपका चाल-चलन ठीक नहीं हो सकता है। आप या तो नपुंसक हो सकते हैं या आपकी पुत्रियां अधिक हो सकती या आपको पुरुष संतान नहीं हो सकती है या संतान गोद लेने की नौबत आ सकती है। इसकी वजह से आपको बहुत परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आपके भाई आपको बर्बाद कर सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग कर सकते हैं। पराई औरत के साथ संबंध आपके दाम्पत्य सुख में बाधा पहुंचा सकता है। यह आपके जीवन के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। आपको 48 वर्ष की आयु के आस-पास या माता की मौत के बाद पुत्र सुख मिल सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : —

- 1— चाल-चलन ठीक रखें।
- 2— कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय : —

- 1— मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
- 2— घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

आपकी कुण्डली में लागू होने वाले ऋण

पितृ ऋण

आपकी कुण्डली में सूर्य न तो पहले भाव में और न ही ग्यारहवें भाव में है और शुक्र पांचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी कुण्डली में पितृ ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए। यह पितृ ऋण सूर्य से सम्बन्धित है। आपको सूर्य से सम्बन्धित लाल किताब के उपाय करने चाहिए।

पितृ ऋण के कारण

यदि कुल पुरोहित को अपने किसी निजी कारण से बदला गया या घर के आस-पास का कोई धार्मिक स्थल नष्ट कर दिया गया हो या घर के आस-पास में कोई पीपल या बड़गद का पेड़ नष्ट कर दिया गया हो या पीपल के पेड़ के नीचे शौच कर्म किया गया तो पितृ ऋण लागू होगा।

पितृ ऋण के लक्षण और प्रभाव

लाल किताब के अनुसार, आपके बाल में जब सफेदी आने लगेगी तो घर की धन-सम्पत्ति अपने आप नष्ट होनी शुरू हो जायेगी और आप विभिन्न समस्याओं से घिर सकते हैं तथा सिर पर चोटी के स्थान से बाल गायब हो जाते हैं और आप गले में माला या कंठी पहनना शुरू कर सकते हैं। आपके बारे में गलत अफवाहें उड़नी शुरू हो सकती हैं। आपको बिना गलती ही जेल जाना पड़ सकता है। परिवार में व्यर्थ के तनाव रह सकते हैं। बने-बनाये काम आखिरी वक्त पर बिगड़ सकते हैं, परिवार में व्यर्थ के कलह शुरू हो जायेंगे, परिवार में किसी की बीमारी का पता नहीं चल सकता है तथा आपकी मेहनत का फल देरी से प्राप्त हो सकता है। शुभ कामों में देरी हो सकती है, अच्छी आमदनी होते हुए भी बचत नहीं होगी, अपने पिता से आपका मनमुटाव हो सकता है, आपके शरीर में अक्सर दर्द रह सकता है। आपके रोजगार में निरंतर गिरावट हो सकती है एवं आप आर्थिक रूप से बर्बाद हो सकते हैं।

पितृ ऋण के उपाय

स्वयं का ऋण

आपकी कुण्डली में शुक्र पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी कुण्डली में लागू हो रहे स्वयं के ऋण का परिचायक है।

स्वयं का ऋण के कारण

आप पूर्व जन्म में नास्तिक होंगे एवं परंपराओं का अपमान किया होगा या धर्म विरोधी कार्यों में संलग्न होंगे या अपने कुल की मर्यादा का उलंघन किया होगा, इसलिए आप पर स्व ऋण लागू होगा।

स्वयं का ऋण के लक्षण और प्रभाव

आपके घर में तन्दूर या भट्ठी हो सकती है। आपके घर की छत के किसी सुराख से रोशनी आ रही होगी या हृदय रोग के लक्षण होंगे। आप अपने जीवन में उन्नति करेंगे और धन इकट्ठा करेंगे। आप समाज में बहुत

सम्मानित भी हो सकते हैं, परन्तु आपका पुत्र ग्यारह महीने या ग्यारह साल का होता है तो आपके सम्मान और धन पर ग्रहण लग सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। यहां तक कि आप अपना शरीर भी नहीं हिला सकते हैं। निर्दोष होते हुए भी दण्ड भोगना पड़े या जीवन संघर्षों से भरा हो तो स्व ऋण का लक्षण माना जाएगा।

स्वयं का ऋण के उपाय



महत्वपूर्ण जानकारी (लाल किताब)

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें, तो ऐसी कुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंशों को भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते हैं। इस ग्रह की स्थिति का जातक की मानसिक स्थिति और व्यवसायिक जीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में बृहस्पति के साथ शनि बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नहीं आ सकती है, जो कि जीवन में उथल-पुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कर्ष— यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) नहीं है।

ग्रहफल और उपाय – लाल किताब

पाँचवें भाव में स्थित बृहस्पति का फल

पाँचवां भाव बृहस्पति का अपना पक्का भाव है। लाल किताब में बृहस्पति को इज्जत-आबरू वाला व्यक्ति और ब्रह्म ज्ञानी कहा गया है। परन्तु काल-पुरुष कुण्डली के अनुसार, पाँचवें भाव में सूर्य की राशि होने के कारण ऐसा व्यक्ति बहुत ही जल्द गुस्सा हो जाता है।

यदि आपकी संतान बृहस्पतिवार के दिन पैदा होती है, तो आप जीवन में बहुत ज्यादा उन्नति करेंगे।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति और शुक्र पाँचवें भाव में एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आप अपनी शिक्षा और प्रतिभा से धन कमायेंगे। आपकी संतान की कमाई पर भी इसका शुभ प्रभाव पड़ेगा। आपको विवाहित स्त्रियों से अनैतिक संबंध नहीं रखना चाहिए, अन्यथा आपके धन पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

पाँचवें भाव में स्थित बृहस्पति के उपाय और सावधानियाँ

1. कुत्ता पालें।
2. गणेश जी की पूजा करें।
3. स्कूल अध्यापक की सेवा करें।
4. नाग और केसर जल में प्रवाहित करें।
5. कोई भी दान और उपहार न लें।
6. पुजारियों और साधुओं की सेवा करें।
7. मंदिर से प्रसाद न लें।
8. चोटी रखें।
9. माँस-मदिरा का सेवन न करें।
10. अपना चरित्र ठीक रखें।
11. पूजा स्थल की नियमित सफाई करें।
12. बृहस्पतिवार का व्रत रखें।
13. पीपल के पेड़ की सेवा करें।
14. विष्णु भगवान की पूजा करें।
15. पुखराज पहनें, पुखराज के अभाव में हल्दी लगायें।
16. अपने घर में गेंदा या सूर्यमुखी का पौधा लगायें।

चौथे भाव में स्थित सूर्य का फल

सन् 1942 के लाल किताब के चौथे भाव में स्थित सूर्य को “बुआ का लड़का” कह कर पुकारा गया है। आप

दूसरों के लिए धन जोड़ेंगे, परन्तु इसका खुद उपयोग नहीं कर सकते हैं। आपकी संतान धनवान होगी। आप कोई नया अविष्कार कर सकते हैं।

लाल किताब के अनुसार, सूर्य के चौथे भाव में होने से आपकी माता और बहन के सुख में कमी आ सकती है और आपको घर छोड़कर विदेश में रहना पड़ सकता है। आप वो कार्य कर सकते हैं, जो कि आपके पूर्वजों ने नहीं किया होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु चौथे भाव में एक साथ बैठे हुए हैं। यह एक शुभ स्थिति नहीं है।

चौथे भाव में स्थित सूर्य के उपाय और सावधानियाँ

1. पैतृक मकान में अंधो को रोटी खिलाना शुभ फल देता है।
2. बुआ के लड़के की सेवा करें।
3. लोहे अथवा लकड़ी की वस्तुओं का व्यापार न करें।
4. सोने, चाँदी अथवा कपड़ों का व्यापार उत्तम होगा।
5. माँस—मदिरा का सेवन न करें।
6. मछली का शिकार न करें अथवा न खायें।
7. खाकी रंग के धागे में ताँबे का सिक्का डालकर पहनें।
8. सोना पहनें।
9. बन्दर को गुड़ खिलायें।
10. सरकारी कर्मचारियों से बैर न करें।
11. बुरे धंधों से बचें।

पहले भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

आपकी कुण्डली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। आपकी माता जब तक जीवित हैं, तब तक आपको धन की कोई नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे, एवं आपको व्यवसाय नौकरी आदि में कभी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यदि आप अपनी मर्जी से अपने किसी रिश्तेदारी में 28 वर्ष या 28 वर्ष से पहले विवाह करते हैं, तो आपकी होने वाली संतान पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आपको 24 वर्ष या 24 वर्ष से पहले कोई संतान होती है, अथवा आप अपने पैसे से मकान बनवाते हैं, तो आपकी संतान पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आप 24वें वर्ष में विवाह करते हैं, तो यह चंद्रमा के शुभ प्रभाव को पूरी तरह से नष्ट कर देता है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति से बचने के लिए आपको चाँदी के गिलास में दूध पीना चाहिए। आपको ये भी

ध्यान रखना चाहिए, कि उस गिलास में कोई गर्दन या टोटी ना हो, अन्यथा आपके माता के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आप 100 दिन से अधिक की यात्रा पर जा रहे हैं, तो आपको किसी नदी में या समुद्र में तांबे का सिक्का फेंकना चाहिए।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। आपको चंद्रमा से संबंधित वस्तुओं जैसे चाँदी के बर्तन, और दूध का व्यापार करने से बचना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो यह चंद्रमा की शुभता को पूरी तरह से नष्ट कर देगा और आपके ऊपर भी इसका बहुत ही बुरा प्रभाव हो सकता है। इसी तरह से आपको दूध दान करने से बचना चाहिए।

यदि आपको रात में नींद नहीं आती है या आपको चैन नहीं मिलता है, तो आपको अपने बिस्तर के चारों पावों के नीचे तांबे के नाखून दबाने चाहिए। इसके अलावा, आपको किसी बरगद के पेड़ में पानी देना चाहिए। यदि आप अपनी माता की सेवा करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं, तो यह आपकी उम्र के लिए बहुत ही लाभप्रद है। इससे आपके व्यापार और नौकरी पर भी शुभ प्रभाव होगा। यदि आप अपनी माता से चाँदी अथवा चावल का दान लेते हैं, तो यह आपका भाग्योदय करने में सहायक होगा। आपकी माता की मृत्यु के बाद आपका भाग्योदय होने की संभावना कम ही है।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। आप जब भी किसी यात्रा पर जायें, लौटते समय अपनी माता के चरण को स्पर्श अवश्य करें। यह आपकी माता के उम्र के लिए लाभप्रद है। यदि आप अपनी माता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित हैं, तो आपको लाल रंग के पत्थर का गुटका या गुड़ को जमीन में दबाना चाहिए।

यदि आप अपने किसी रिश्तेदार के साथ साझे में व्यापार करते हैं, तो आपको बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आप किसी व्यक्ति से बिना पैसे दिये कोई वस्तु लेते हैं, तो यह चंद्रमा की शुभता को कम करता है और इसका बुरा प्रभाव आपके जीवनसाथी पर पड़ सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको बूढ़ी स्त्रियों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा के मित्र ग्रह सातवें या आठवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपमें मिट्टी से सोना बनाने की कला होगी।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा शुभ है। लाल किताब के अनुसार, आपको बड़ी मात्रा में पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी।

कभी—कभी दूसरे व्यक्ति भी अपना कीमती सामान आपके पास रखकर जायेंगे, जो कि बाद में आपका हो जायेगा।

आपकी कुण्डली में सातवें भाव में कोई भी ग्रह स्थित नहीं है। लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली में चंद्रमा सोया हुआ है, जिसे अपनी उम्र के 24वर्ष से पहले आपको जगाना पड़ेगा। लाल किताब के अनुसार, आपको एक गाय पालनी चाहिए या आपको अपने घर में एक नौकरानी रखनी चाहिए अथवा 24 वर्ष से पहले विवाह कर लेना चाहिए, जिससे चंद्रमा सक्रिय हो जायेगा, अन्यथा चंद्रमा 25वें वर्ष में दुष्ट ग्रह के रूप में सक्रिय हो जायेगा। आपको मंगल की वस्तुओं जैसे शहद, सौंफ इत्यादि का दान करना चाहिए।

पहले भाव में स्थित चन्द्रमा के उपाय और सावधानियाँ

1. अपने पास लाल रुमाल रखें।
2. चारपाई के पायों में ताँबे की कील गाड़ें।
3. बरगद के पेड़ की जड़ में पानी दें।
4. यदि आप पुत्र के साथ यात्रा कर रहे हैं, तो नदी इत्यादि में ताँबे का पैसा डालें।
5. घर में यदि कुआं है, तो उस पर छत न डलवायें।
6. अपनी उम्र के 24 से 27 वर्ष के बीच विवाह न करें और अपने पैसे से मकान भी न बनवायें।
7. हरे रंग और साली से बचें।
8. अपने घर में चाँदी के ऐसे बर्तन जिसमें टोंटी लगे हों, न रखें।
9. अपने घर में चाँदी की थाली रखें।
10. पानी अथवा दूध पीने के लिए चाँदी के बर्तन का इस्तेमाल करें।
11. शीशे के बर्तनों का प्रयोग न करें।
12. अपनी माता का आशीर्वाद लें और उनके द्वारा दिये हुए चावल और चाँदी का दान अपने पास रखें।

पाँचवें भाव में स्थित शुक्र का फल

लाल किताब में पाँचवें भाव में स्थित शुक्र को “संतान से भरा हुआ घर— परिवार” कहा गया है।

आपकी पत्नी जब तक जीवित रहेंगी, तब तक आपके काम—काज में बहुत बड़ी रुकावट नहीं आयेंगी। यदि आप भले स्वभाव के हैं, तो शुक्र का फल और भी शुभ हो जायेगा। आपको गंदे प्रेम संबंधों से बचना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि आप प्रेम विवाह अथवा माता—पिता की मर्जी के बगैर विवाह करते हैं, तो आपकी संतान पर इसका बहुत ही बुरा असर हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, आपको अपने चरित्र पर विशेष ध्यान देना चाहिए, अन्यथा बर्बादी निश्चित है। आपके

लिए ईंट के भट्ठों का कारोबार उत्तम होगा।

आपकी कुण्डली में शुक्र की दृष्टि में कोई ग्रह नहीं है। लाल किताब के अनुसार, इस युति का आपके जीवनसाथी पर बुरा प्रभाव पड़ेगा और यदि आप इत्र या खुशबुदार वस्तुओं का कारोबार करते हैं, तो आप उसमें सफल नहीं हो सकते हैं।

पांचवें भाव में स्थित शुक्र के उपाय और सावधानियाँ

1. अपना चरित्र ठीक रखें।
2. गाय की सेवा करें।
3. आर्थिक सम्पन्नता के लिए अपने गुप्तांग दूध या दही से धोयें।
4. अपने माता-पिता की मर्जी के बगैर विवाह न करें।
5. बुढ़ी औरतों की सेवा करें।
6. हीरा पहनें।
7. पत्नी का कहना मानें और उनसे झगड़ा न करें।
8. अपने पहनावे पर ध्यान दें।

आठवें भाव में स्थित मंगल का फल

लाल किताब में आठवें भाव में मंगल को “मौत का फंदा” कहा गया है। आमतौर पर आठवें भाव में बैठा हुआ मंगल शुभ फल नहीं देता है। आप बहुत हिम्मत वाले होंगे। नतीजा हार हो या जीत, आप मुकाबला जरूर करेंगे।

यदि कोई विधवा स्त्री आपको श्राप देती है या बददुआ देती है, तो आपका भाग्य पूरी तरह नष्ट हो सकता है। आपको किसी विधवा स्त्री का आशीर्वाद लेते रहना चाहिए।

यदि आपका छोटा भाई आपसे चार या आठ साल छोटा है, तो यह मंगल के अशुभ होने की निशानी है। लाल किताब के अनुसार, आपका छोटा भाई आपकी मदद नहीं कर सकता है।

यदि आपके घर के अन्दर जमीन खोदकर कोई भट्ठी (शादी-विवाह के अवसर पर) बनाई गई हो, तो यह आपके लिए अशुभ फलदायक हो सकता है। आपको तंदूर में मीठी रोटी बनाकर 43 दिनों तक कुत्तों को खिलाना चाहिए।

आठवें भाव में बैठा हुआ मंगल आपके पिता के लिए शुभ नहीं हो सकता है। आपकी आँखों में खराबी एवं जोड़ों में दर्द हो सकता है। आपके मित्र शत्रु बन सकते हैं। 28 से 36 वर्ष तक की उम्र में आपके छोटे भाई आपके लिए कई प्रकार की परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आपको अपने घर में तंदूर नहीं बनाना चाहिए।

आपकी कुण्डली में दूसरा भाव खाली है या उसमें चंद्रमा या बृहस्पति स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में मंगल का फल शुभ होगा।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले, तीसरे, चौथे, आठवें या नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में अगर मंगल अशुभ भी है, तो उसका असर अशुभ नहीं होगा।

आपकी कुण्डली में मंगल मेष या वृश्चिक राशि में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको गृहस्थी का सुख प्राप्त होगा।

आठवें भाव में स्थित मंगल के उपाय और सावधानियाँ

1. 8 मीठी और तंदूर में सिंकी रोटियां कुत्तों को डालें।
2. तीन धातु की अंगुठी पहनें।
3. गले में हमेशा चाँदी की चेन पहनें।
4. मृगछाला का प्रयोग करें।
5. 4 किलो रेवड़ी या बताशे बहते पानी में बहायें।
6. अपनी दादी से चाँदी लेकर अपने गले में पहनें।
7. मंगल के दिन पति-पत्नी स्नान करें, फिर लाल वस्त्र पहन कर ताँबे का पात्र चावलों से भरकर उस पर लाल चंदन का तिलक लगाकर रखें। एक माला गायत्री मंत्र का जाप करके वह पात्र हनुमान मंदिर में देकर आएं। सात मंगल यह उपाय करने से हनुमान जी प्रसन्न हो जाते हैं। जातक किसी भी विधवा स्त्री की सेवा करें।
8. जब मंगल का प्रभाव अधिक नीच हो रहा हो, तो मिट्टी के पात्र में शहद भरकर ढककर बाहर विराने में दबायें, यह उपाय तभी करें, जब भाव संख्या तीन/तीसरे भाव में बृहस्पति या चंद्रमा स्थित हो।
9. मंगल का सबसे बड़ा शत्रु बुध है। जब मंगल के साथ मिल जाये तो जातक के ननिहाल को बर्बाद कर देता है। यदि मामा घर छोड़कर कहीं बाहर चले जायें, तो केवल वहीं ठीक रहते हैं। तब नाक छेदन आवश्यक है। 100 दिन तक नाक में चाँदी डालकर रखने से बुध का दोष शांत हो जाता है।
10. विधवा स्त्रियों का आशीर्वाद लें।
11. रसोई घर में बैठकर भोजन करें।
12. अपने घर में एक अंधेरी कोठरी बनवायें।
13. धार्मिक स्थान में चावल, गुड़ और चने की दाल दान करें।
14. मिट्टी के बर्तन में गुड़ भरकर उसे श्मशान में दबायें।
15. रोटि पकाने से पहले तवे पर पानी का छींटा मारें।
16. महागायत्री का पाठ करें।
17. भाई की सेवा करें।

तीसरे भाव में स्थित बुध का फल

लाल किताब में तीसरे भाव में स्थित बुध को बहुत अधिक शुभ नहीं माना गया है, परन्तु अपने भाई—बन्धुओं और संबंधियों पर इसका प्रभाव शुभ ही होता है। अन्य कोई आपके संपर्क में आये तो आपसे लाभ नहीं उठा पायेगा। आपकी धन—संपत्ति के लिए भी बुध शुभ प्रभाव देगा।

तीसरे भाव में स्थित बुध के समय पुश्तैनी जायदाद, आमदनी, मन की शांति आदि पर बुरा असर होगा। यहां पर बुध के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए साबुत मूंग रात में भिगोकर सुबह पक्षियों को डालना चाहिए और यह उपाय लगातार 43 दिन तक करना चाहिए। इस उपाय से व्यापार में भी प्रगति होगी।

यदि आपके घर का दरवाजा दक्षिण की तरफ है, तो लाल किताब के अनुसार, आपके जीवनसाथी, संपत्ति और आपके ससुराल पक्ष पर इसका बहुत बुरा असर हो सकता है।

आपकी कुण्डली में नौवां और ग्यारहवां भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, सभी स्थितियों में बुध का फल उत्तम होगा।

आपकी कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह एक शुभ स्थिति है।

तीसरे भाव में स्थित बुध के उपाय और सावधानियाँ

1. फिटकरी से दाँत साफ करें।
2. देवी पर चाँदी का छत्र चढ़ायें।
3. माणिक पहनें।
4. भतीजी की सेवा करें।
5. नाक छेदवायें।
6. बुधवार के दिन बकरी का दान करें।
7. यदि आपकी संतान कष्ट में है, तो कुत्ता पालें।
8. पीले रंग की कौड़ियों को जलाकर उसकी राख नदी में बहायें।
9. चौड़े पत्तों वाले पौधे घर में न लगायें।
10. दक्षिणमुखी घर में ना रहें।
11. मां दुर्गा की पूजा करें और कुआँरी कन्याओं का आशीर्वाद लें।
12. तोता पालें।
13. ढाक के पत्तों को धोकर विराने में पत्थर से दबायें।
14. दमा की दवाई मुत में दें।
15. लड़की, बहन, बुआ, मौसी अथवा साली की सेवा करें और उनका आशीर्वाद लें।

16. हिजड़ों को हरी चूड़ियां, हरे रंग के कपड़े आदि दान करें।

दसवें भाव में स्थित शनि का फल

लाल किताब में दसवें भाव में स्थित शनि को “किस्मत को जगाने वाला” कहा गया है। आप अपना भाग्य खुद बनायेंगे। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता कम से कम आपकी उम्र के 48 वर्ष तक आपका साथ जरूर देंगे। आपको 15वें, 21वें, 33वें, 45वें और 57वें साल में खूब इज्जत और शोहरत मिलेगी।

दसवें भाव में शनि के होते हुए यदि आप दूसरों की भलाई करें, दिल से धर्मात्मा हों या रहमदिल हों, तो यहां बैठा हुआ शनि आपको बर्बाद कर सकता है।

लाल किताब के अनुसार, आपकी हर तरफ इज्जत होगी। यदि आप शराब ना पीयें तो शनि का फल और भी शुभ हो जायेगा। आपको अपना मकान 48 वर्ष की उम्र के बाद बनाना चाहिए, नहीं तो आपका धन बर्बाद हो सकता है।

यदि आपको किसी भी तरीके से शनि का अशुभ फल मिल रहा है, तो घर में पीतल के बर्तन में गंगाजल डालकर रखना चाहिए।

आपको एक जगह बैठकर काम करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में दूसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में शनि का फल और भी अशुभ हो जायेगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य या चंद्रमा चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको जीव हत्या नहीं करनी चाहिए, नहीं तो आपकी आर्थिक स्थिति पर इसका बुरा असर होगा।

दसवें भाव में स्थित शनि के उपाय और सावधानियाँ

1. पीतल के बर्तन में गंगाजल डालकर घर में रखें।
2. दूसरों का सम्मान करें।
3. माँस-मदिरा का सेवन न करें।
4. चाचा की सेवा करें।
5. 43 दिन तक लगातार चने की दाल बहते हुए पानी में बहायें।
6. धार्मिक स्थानों की यात्रा करें।
7. दस अंधों को खाना खिलायें।

8. 48 वर्ष से पहने मकान न बनवायें।
9. जीव हत्या न करें।
10. अपने पास हथियार न रखें।
11. भाग-दौड़ वाले काम न करें।
12. भैरों मंदिर में शराब का दान न करें।
13. रोटी पर सरसों का तेल लगाकर कौओं और कुत्तों को खिलायें।
14. मजदूरों का पैसा अपने पास न रखें।

चौथे भाव में स्थित राहु का फल

आपकी कुण्डली में राहु चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली (टेवा) धर्मी टेवा कहलायेगी। आपके घर में बहुत ज्यादा खर्च होगा, परन्तु ये सारा खर्च केवल शुभ कार्यों पर होगा। आप अपने परिवार का काफी ख्याल रखेंगे और बड़ी मात्रा में धन अर्जित करेंगे।

चौथे भाव में राहु सामान्यतः शुभ फल देता है, परन्तु यदि आप जमीन के नीचे पानी जमा होने वाली टंकी, घर के अन्दर भट्ठी, कोयला की बोरियों का अम्बार लगाना या आप अपनी छत बदलवाते हैं, तो राहु का शुभ फल नहीं रह जाता है।

चौथे भाव में राहु से पिता और पुत्र पर शुभ असर होता है, परन्तु माता पर राहु का असर शुभ नहीं रहता है।

48 वर्ष के बाद बृहस्पति का फल शुभ हो जायेगा।

आपका ननिहाल पक्ष भले ही ठीक हालत में हों, परन्तु आपकी उम्र के 24वें वर्ष के बाद स्थितियां शुभ नहीं रह सकती हैं।

आपकी 12, 24 या 48 वर्ष की आयु में या पुत्र की उत्पत्ति के बाद आपके माता-पिता की स्थिति में सुधार होगा।

आपकी कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है। लाल किताब के अनुसार, विवाह के ऊपरान्त आपके ससुराल में धन ठीक मात्रा में आने लगेगा, जिससे आपको फायदा होगा।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आप काफी धनवान होंगे और अपनी बहन एवं बुआ की मदद करेंगे।

चौथे भाव में स्थित राहु के उपाय और सावधानियाँ

1. 400 ग्राम या एक किलो धनियां बहते पानी में सात बुधवार तक बहायें।
2. हरिद्वार में गंगा स्नान करें।
3. कैसा भी गंदा पानी आपके घर के चाहरदीवारी के अन्दर नहीं जमा होना चाहिए।
4. सीढ़ियों के नीचे रसोई घर नहीं होना चाहिए।
5. एक साथ पूरा घर बनवायें।
6. घर की छत पर कोयला इत्यादि ईंधन न रखें।
7. सरस्वती जी की पूजा अर्चना करें।
8. गोमेद धारण करें।
9. तम्बाकू का सेवन न करें।
10. घर में या आंगन में धुआं न करें।
11. झूठी गवाही न दें।

दसवें भाव में स्थित केतु का फल

लाल किताब के अनुसार, आपको अपने भाई का हर तरह से ख्याल रखना चाहिए। यदि वो कोई गलती भी करता है, तो उसे क्षमा कर देना चाहिए। इससे केतु का फल शुभ हो जायेगा और आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो आप बर्बाद हो सकते हैं।

यदि आपकी संतान पर केतु का अशुभ प्रभाव पड़ रहा है, तो घड़े की शक्ल के चाँदी के बर्तन में शहद भरकर रखने से औलाद पर शुभ प्रभाव होगा। यदि फिर भी केतु का अशुभ प्रभाव कम नहीं होता है, तो उस बर्तन को किसी सुनसान जगह पर मिट्टी के अन्दर दबायें। 48 वर्ष की उम्र के बाद घर में कुत्ता पालना भी केतु के अशुभ असर को दूर कर सकता है।

आपकी कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में उपस्थित है। लाल किताब के अनुसार, आप मिट्टी को सोना बना सकते हैं और आपकी संतान भी योग्य होगी।

दसवें भाव में स्थित केतु के उपाय और सावधानियाँ

1. मकान की नींव में शहद और दूध दबायें।
2. चाँदी के बर्तन में शहद भरकर घर में रखें।
3. अपना चाल-चलन ठीक रखें।
4. 48 वर्ष की आयु के बाद अपने घर में कुत्ता पालें।
5. गणेश जी की पूजा करें।

6. 9 वर्ष से छोटे लड़कों को भोजन करायें।
7. काले और सफेद तिल को नाले में प्रवाहित करें।



लाल किताब से जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित कारण और उपाय

शिक्षा से संबंधित भविष्यफल और उपाय

यदि आप परीक्षा में लाल रंग का पेन जिसका कैप सुनहरा हो, जिसमें किसी भी रंग की स्याही भरी हो, उसका इस्तेमाल करेंगे, तो परीक्षा में अवश्य उत्तीर्ण होंगे।

जेहि पर कृपा करहि जनु जानी। कबि उर अजिर नचावहि बानी।
मोरि सुधारिहि सो सब भांती। जासु कृपा नहिं कृपा अघाती।

इस चौपाई का 108 बार प्रतिदिन प्रातः काल जप करें।

ऊँ माँनिसाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतोः समाः।
यत् क्रौञ्चमिथुना देकमवधीः काममोहितम्।

इस मंत्र का प्रतिदिन प्रातःकाल जागते ही बिना किसी से बोले तीन बार जप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

जनक सुता जग जननी जानकी।
अजिसय प्रिय करुनानिधान की।
ताके जुग पद कमल मनावउँ।
जासु कृपा निर्मल मति पावउँ।

श्री जानकी अथवा श्री सीता राम जी के चित्रपट का पूजन करके इस मंत्र का 108 बार प्रतिदिन जाप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

बुद्धिहीन तनु जानि के, सुमिरौ पवन कुमार।
बल बुद्धि विद्यादेहु मोहिं हरहु कलेस विकार॥

श्री हनुमान जी की पूजा करके उपयुक्त दोहे का एक माला (108 बार) प्रतिदिन जाप करें। इससे बुद्धि एवं स्मरण शक्ति में वृद्धि होगी।

गुरु गृह गये पढ़न रघुराई।

अल्प काल विद्या सब आई।।

इस चौपाई का प्रतिदिन एक माला (108 बार) जाप करके विद्यालय जाने से निश्चय ही परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी।

लाल किताब के अनुसार, जो बच्चे पढ़ने में कमजोर हैं, उन्हें हरे रंग की तुरमली चाँदी की अंगुठी या नेकलेस में पहनने से लाभ हो सकता है।

बृहस्पतिवार को पीले कपड़े में 7 हल्दी की गांठें और बेसन के लड्डू बांधकर नदी में प्रवाहित करने से परीक्षा में अवश्य सफलता प्राप्त होगी।

‘ऊँ नमः शिवाय’ का जाप करके लाल धागे में दो पाँच मुखी रुद्राक्ष के बीच में एक छेद मुखी रुद्राक्ष को शिवलिंग से स्पर्श कराके धारण करें।

‘ऊँ गंग गणपतेः नमः’ नामक मंत्र को ग्यारह बार परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व जाप करें, परिणाम आपके पक्ष में होगा।

परीक्षा देने जाते समय किसी धार्मिक स्थान में आधा लीटर दूध दान करना उपयोगी साबित हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी संतान पढ़ने में कतरा रहा हो, या स्कूल ना जाने के लिए बहाने बनाती हो, या हठ करती हो, तो तांबे का एक चौकोर टुकड़ा सफेद धागे में बांधकर उसके गले में पहनायें।

‘श्री कृष्ण प्रसंग’ नामक मंत्र को पूष्य नक्षत्र या किसी शुभ दिन को लाल कलम से 17 बार सफेद पन्ने पर लिखकर परीक्षा के दौरान अपने जेब में रखें।

स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आपको कोई गंभीर बीमारी होती है, तो आपको निम्न उपाय करना चाहिए— बुध से संबंधित वस्तुओं का प्रयोग ना करें। नौवें और ग्यारहवें भावों में स्थित ग्रहों के रंग के अनुसार, पत्थर जमीन में दबायें। सूर्य की वस्तुएं अपने पूर्वी दरवाजे पर ना लगायें।

आपकी कुण्डली में शुक्र पाँचवें या छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी पत्नी बीमार

रहती हैं, तो उन्हें अपने बालों में सोने का हेयर पिन लगाना चाहिए।

आपकी कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको रतौंधी होने की संभावना ज्यादा होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको चर्म-रोग हो सकते हैं। गाय या बकरी का दान करें।

आपकी कुण्डली में शुक्र पाँचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आपका स्वास्थ्य बहुत ज्यादा खराब होता है, तो 43 दिन तक लगातार शुक्रवार से शुरू करके अपने गुप्तांग को दही या दूध से धोयें।

यदि आपके घर में कोई ना कोई हमेशा रोग ग्रस्त रह रहा है, बीमारी जाने का नाम नहीं ले रहा है, तो आपके घर में जितनी रोटी बनती है, उसमें चार मीठी रोटी जोड़कर महीने में एक बार अमावस्या या संक्रांति के दिन काले कौए, काली गाय या कुत्ते को खिलाना चाहिए, अथवा महीने में एक बार अन्दर से खोखले कद्दू को किसी धार्मिक स्थल पर दान करना चाहिए, अथवा रात को रोगी के सिरहाने एक, दो या पाँच रुपये का सिक्का रखकर प्रातः काल सफाई कर्मचारी को दान करें, अथवा यदि आप श्मशान से गुजर रहे हैं, तो एक या दो रुपये के सिक्के वहाँ जरूर फेंके।

धन, व्यापार और रोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में बैठा हुआ है, लाल किताब के अनुसार, आपको दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार बिल्कुल नहीं करना चाहिए, धन और आयु पर इसका बुरा प्रभाव हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको बृहस्पति से संबंधित वस्तुओं के कारोबार से लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में, शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको सौन्दर्य प्रसाधन से संबंधित कार्य में घाटा पहुंच सकता है।

आपकी कुण्डली में, सूर्य राहु, केतु अथवा शनि के साथ स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने जीवन में धन की कमी महसूस होगी।

आपकी कुण्डली में, बुध आठवें, नौवें, ग्यारहवें या बारहवें भाव को छोड़कर अकेले किसी भी भाव में बैठा हुआ है

और उस पर उसके शत्रु ग्रहों की दृष्टि नहीं पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार, आप व्यापार में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब में इसको दिखावे का धन की संज्ञा दी गई है।

आपकी कुण्डली में, राहु-सूर्य, राहु-चंद्रमा, केतु-सूर्य या केतु-चंद्रमा एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको नौकरी और आर्थिक मामलों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में, शुक्र दूसरे, पाँचवें, नौवें या बारहवें भाव में बृहस्पति के साथ बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके जीवनसाथी या जीवनसाथी के रिश्तेदार आपके लिए धन हानि का कारण बनेंगे।

आपकी कुण्डली में, सूर्य चौथे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको सोने, चाँदी के व्यापार से लाभ प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में, चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको दूध द्वारा बनी हुई वस्तुएं या दूध के व्यापार से हानि हो सकती है।

आपकी कुण्डली में शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप सरकारी अधिकारी हैं, कांसे के बर्तनों का व्यापार करते हैं, अथवा ईट का भट्ठा चलाते हैं, तो लाभ की स्थिति में रहेंगे।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप शनि से संबंधित वस्तुओं जैसे— लोहा, कोयला आदि का कार्य करते हैं, तो लाभान्वित होंगे।

मकान से संबंधित महत्वपूर्ण योग, सावधानियाँ और उपाय

आपकी कुण्डली में चंद्रमा पहले भाव में स्थित है। यदि आप अपनी उम्र के 24वें वर्ष से पहले अपना मकान बनवाते हैं, तो लाल किताब के अनुसार, आपको धन हानि हो सकती है। माता और संतान के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। उपाय के तौर पर जमीन में सौंफ दबायें।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा दक्षिण की तरफ है और मकान से बाहर निकलते समय सीधे हाथ पर रसोई और सामने स्नानघर या पानी का स्थान हो तो आपको कोई ना कोई कष्ट हो सकता है। धन हानि की भी संभावना है।

यदि आपके मकान पर किसी पेड़ की छाया पड़ रही है, तो यह मंगल के शुभ प्रभाव को नष्ट कर देता है।

यदि आपके मकान की दीवार के पास कटा और सूखा पीपल का पेड़ है, तो आपके परिवार और धन संपत्ति पर इसका बुरा असर पड़ेगा। मंगल का प्रभाव अशुभ हो जायेगा।

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप दक्षिणमुखी घर में रह रहे हैं, तो यह आपके लिए हर प्रकार से नुकसानदायक होगा।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपनी उम्र के 48वें वर्ष से पहले मकान बनवाते या खरीदते हैं, तो मकान के मूल्य के बराबर धन हानि होगी, और आगे से धन में बढ़ोत्तर भी नहीं होगी।

आपकी कुण्डली में राहु चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने मकान की मरम्मत बहुत सोच-समझकर करवाना चाहिए। भूल से भी मकान की छत ना बदलें, शौचालय के दरवाजा या शीट बदलवाने से भी धन हानि हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपके पास मकान होगा, परन्तु धन की कमी रहेगी। बृहस्पति या केतु का उपाय करें।

यदि आपका मकान बंद गली के अन्तिम सिरे पर स्थित है, और उसमें हवा सीधे आती है, तो आपके संतान पर इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। ऐसे मकान में कभी ना रहें।

यदि आपके मकान पर किसी धार्मिक स्थल आदि की छाया पड़ रही है, तो घर में बीमारियां परेशान करती रहेंगी।

रसोई घर में खाना बनाने का चुल्हा और बर्तन धोने का स्थान एक ही प्लेटफार्म पर नहीं होना चाहिए, अन्यथा घर में कलह होती रहेगी। उपाय के तौर पर इन दोनों स्थानों के मध्य पंचमुखी हनुमान का चित्र लगायें।

घर के अन्दर यदि लोहे की चारपाई हो, तो पूर्व-दक्षिण दिशा में बिछायें।

घर के मालिक को दक्षिण-पश्चिम के कोने में सोना चाहिए।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, स्त्रियों के लिए हानिकारक होगा। ऐसे मकान में केवल विधुर पुरुष ही सुखपूर्वक रह सकते हैं। यदि आप मुख्य द्वार पर तांबे की कील गाड़े, तो स्थिति सुखद हो सकती है। चाँदी की चौड़ी पत्ती दरवाजा के एक कोने से दूसरे कोने तक बिछा सकते हैं। घर पर मिट्टी का बंदर रखें, जिसका मुंह दक्षिण दिशा की ओर हो। बकरी का दान करें। दिन के दो बजे के बाद साबूत मूंग की दाल किसी धार्मिक स्थल पर दान करें।

यदि आपके मकान में कोई मिट्टी वाला स्थान नहीं है, तो यह परिवार की स्त्रियों के लिए हानिकारक हो सकता है और धन सम्पत्ति पर भी बुरा असर हो सकता है। निम्न उपाय करने से स्थिति सुखद हो सकती है। मिट्टी की बनी हुई औरत की मूर्ति घर में रखें। सफेद रुमाल में कपूर की टिकिया, देशी घी और रुई बांधकर रखें। घर में छोटे-मोटे कार्य करने के लिए नौकरानी रखें।

यदि आपके मकान में धन रखने के लिए तिजोरी, आला या तहखाना बना हुआ है, तो उसे बिल्कुल खाली ना रखें। बादाम अथवा छुआरे रख सकते हैं।

यदि आपके मकान में कोई अंधेरी कोठरी है, तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान ना खोलें।

यदि आपको अपने घर की छत बदलनी है, तो पहले एक अस्थाई छत पुरानी छत के ऊपर बनायें।

आपकी कुण्डली में, मंगल आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको विवाह इत्यादि समारोहों के लिए घर से बाहर वाले हिस्से में भट्ठी नहीं बनवानी चाहिए। यदि मजबूरीवश ऐसा करना पड़े, तो भट्ठी से जली हुई मिट्टी निकालकर नदी में प्रवाहित करें, और भट्ठी में नई मिट्टी डालें।

लाल किताब के अनुसार, घर के मुख्य द्वार से बाहर निकलते समय सीधे हाथ की तरफ पानी का स्थान और उलटे हाथ की तरफ या पीठ की तरफ रसोई होना उत्तम होता है।

यदि आपके मकान पर पीपल इत्यादि की छाया पड़ रही है, तो यह आपके तरक्की के लिए नुकसानदायक हैं। आपको उस पीपल की जड़ में जल चढ़ाना चाहिए।

यदि आपके मकान के आस-पास कुआं है, तो उसमें भूलकर भी कुड़ा-करकट ना डालें। प्रतिदिन उसमें दूध डालने से आपकी उन्नति होगी।

घर के अन्दर किकर का पेड़ ना लगायें।

मकान या प्लाट का मुख्य द्वार उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

आपकी चंद्र राशि— वृष, कन्या या मकर है। आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में भी हो, तो आपको कोई हानि नहीं होगी।

लाल किताब के अनुसार, सफेद रंग या पेन्ट का प्रयोग मकान में सभी जगह किया जा सकता है। नीले रंग या पेन्ट का प्रयोग शयन कक्ष या कान्फेंस हाल में करें।

हरे या क्रीम रंग का प्रयोग अध्ययन कक्ष में करें।

गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग भोजनालय में करें। पुलिस या मिलिट्री के स्थान पर लाल रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर है, तो उसमें सफेद रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो उसमें लाल, गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में है, तो उसमें हरे या पीले रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में है, तो उसमें नीले या हल्के रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण-पूर्व दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण-पश्चिम दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर-पश्चिम दिशा में है, तो आपको अपने मकान में सफेद रंग का प्रयोग करना चाहिए।

आपको अपने मकान का मुख्य द्वार मकान के कम चौड़ाई वाले हिस्से में रखना चाहिए। यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दो पल्लों का है, तो यह आपको अधिक लाभकारी होगा। यदि मुख्य द्वार अन्दर की तरफ खुलता है, तो यह अधिक लाभकारी होगा।

आपको अपने मकान के उत्तर और पूर्व दिशा में दक्षिण और पश्चिम दिशा से अधिक खुला स्थान रखना चाहिए।

आपको अपने मकान की दक्षिण और पश्चिम की दीवार ज्यादा मोटी और ज्यादा ऊँची रखनी चाहिए।

मकान की छत की ढलान उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व में होनी चाहिए।

अपने घर के प्रत्येक कमरे का उत्तर-पूर्व वाला कोना खाली रखें।

मकान में बरामदा और खुली छत उत्तर और पूर्व में होनी चाहिए।

मकान में बालकनी उत्तर और पूर्व में होना चाहिए। बेसमेन्ट उत्तर-पूर्वी भाग में होनी चाहिए।

यदि मकान में पत्थर की मूर्ति लगा रहे हैं, तो उसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगायें।

मकान के दक्षिण-पश्चिम वाले हिस्से में सम संख्या में वृक्ष लगायें।

मकान में तुलसी जी का पौधा पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व में लगायें।

मकान में खिड़कियों की संख्या उत्तर और पूर्व दिशा में अधिक होनी चाहिए। दरवाजे और खिड़कियों की संख्या सम होनी चाहिए, परन्तु संख्या का अन्त 10, 20 इत्यादि से नहीं होना चाहिए।

मकान में सीढ़ियां दक्षिण, पश्चिम या ईशान कोण को छोड़कर कहीं भी बनाई जा सकती हैं। सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए। सीढ़ियों का घुमाव दक्षिणावर्ती होना चाहिए।

यदि आप अपने मकान में पानी का हौज बनवा रहे हैं, तो उसे उत्तर-पूर्व में बनवायें, यह काफी लाभदायक होगा।

यदि आप छत पर पानी की टंकी रखवा रहे हैं, तो उसे उत्तर-पश्चिम दिशा में रखवायें। टंकी का रंग काला अथवा नीला हो तो बढ़िया रहेगा।

मकान में पूजा का स्थान ईशान, पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। भगवान की मूर्ति का मुख उत्तर या पूर्व की ओर रखें। पूजा घर का आकार पिरामिड जैसा रखें। पूजा घर के फर्श का रंग सफेद या हल्का पीला होना चाहिए। पूजा घर के दीवारों का रंग क्रीम, सफेद या हल्का नीला रखें।

मकान में रसोई घर दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। खाना बनाते समय अपना मुख पूर्व की ओर रखें। रसोई

घर की खिड़कियां पूर्व और दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

मकान में भोजनकक्ष पश्चिम दिशा में रखें। खाने की मेज आयताकार या वर्गाकार होनी चाहिए।

मकान में स्नानागार पूर्व, उत्तर या उत्तर-पश्चिम भाग में रखें।

मकान का शौचालय दक्षिण दिशा में होना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, शनि दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप मकान बनवाते या खरीदते हैं, तो धन की हानि निश्चित होगी।

विवाह, स्त्री और गृहस्थ-सुख से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में, चंद्रमा लग्न में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, 24वें से 27वें वर्ष के बीच में विवाह ना करें।

आपकी कुण्डली में, शुक्र पाँचवें या छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने माता-पिता के मर्जी से विवाह करना चाहिए। प्रेम विवाह हरगिज नहीं करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, सूर्य शुभ भावों में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी स्त्री सुन्दर, सुघड़ और शिक्षित होगी।

आपकी कुण्डली में शनि के ऊपर सूर्य की दृष्टि पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार, जीवनसाथी से अनबन के कारण आपका दोबारा विवाह हो सकता है।

आपकी कुण्डली में शुक्र तीसरे, चौथे, पाँचवें, छठे, नौवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी उम्र लंबी होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य-शुक्र, बृहस्पति-शुक्र, मंगल-चंद्रमा या मंगल-शुक्र की युति दूसरे भाव में है। लाल किताब के अनुसार, किसी स्त्री के कारण आपका धन नष्ट हो सकता है। शीघ्र विवाह हेतु— मंगल-पार्वती स्त्रोत का पाठ प्रतिदिन करें।

शीघ्र विवाह हेतु— स्नान के पश्चात कांसे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर मुहुर्त देखकर छाया पात्र निकालें।

शीघ्र विवाह हेतु— पीले वस्त्र में चने की दाल बांधकर बृहस्पतिवार के दिन किसी मंदिर में दान करें।

यदि विवाह में अत्यधिक विलम्ब हो रहा है, तो वाल्मिकी रामायण के बाल—काण्ड के सर्ग 73 का 43 दिन तक लगातार पाठ करें।

शीघ्र विवाह हेतु दुर्गा सप्तशती के श्लोकों का पाठ 43 दिन तक लगातार करें।

शीघ्र विवाह हेतु सात सोमवार शिवलिंग पर दूध चढ़ायें।

संतान सुख से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में, शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपना चरित्र ठीक रखते हैं, तो आप निःसंतान नहीं होंगे।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको धर्म के नाम पर चंदा या दान नहीं लेना चाहिए, अन्यथा आपका संतान पक्ष कमजोर हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता की आयु लम्बी होगी।

आपकी कुण्डली में, चंद्रमा या बृहस्पति अपने शत्रु ग्रहों के साथ स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी माता, दादी या सास की उम्र कम हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति पहले से छठे भाव के बीच स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता की आयु लम्बी होगी और उनका आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में, सूर्य और चंद्रमा एक दूसरे के पक्के भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान का सुख अवश्य ही प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में, सूर्य चौथे भाव में और शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपमें पुरुषत्व की मात्रा कुछ कम हो सकती है। आपको उपाय की जरूरत होगी।

आपकी कुण्डली में, मंगल, शुक्र या बुध पक्के भावों में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान प्राप्ति में कोई भी बाधा नहीं आ सकती है और संतान भी समय पर होगी।

यदि आप बंद गली के मकान में रहते हैं तो आपको संतान संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और नर संतान की प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। उपाय के तौर पर आपको बृहस्पतिवार से लगातार 43 दिन तक प्रतिदिन केसर का तिलक लगाना चाहिए।

यदि आप संतान संबंधी समस्या से ग्रस्त हैं, तो आपको अपने घर में हरिवंश पुराण या महाभारत का पाठ करना चाहिए।

यदि आप कुत्ते के नर संतान को अपने घर में रखते हैं, तो आपको संतान अवश्य होगी।

संतान की प्राप्ति के लिए गणेश जी की पूजा करना लाभदायक होता है।

यदि आपको संतान संबंधी कोई समस्या है, तो काले कुत्ते की सेवा करना या उसे अपने घर पर रखकर खाना खिलाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

यदि किसी स्त्री को संतान हो, परन्तु जीवित ना रहे, तो लाल किताब में ऐसी स्थिति से बचाव के लिए बहुत ही साधारण और सफल उपाय बताया गया है— स्त्री के गर्भवती होने पर उसके बाजू पर लाल धागा बांध दें और संतान होने के पश्चात उस धागे को नवजात शिशु के बाजू पर बांध दें और स्त्री को नया लाल धागा पुनः बांधें। स्त्री के बाजू पर 18 महीने तक बंधा रहना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी स्त्री का बार-बार गर्भपात होता है, तो काला धागा उसकी कमर में बांधें और संतान के जन्म के बाद यह धागा संतान के बाजू पर बांधें।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की संतान जीवित नहीं रहती है, तो संतान के जन्मदिन पर मिठाई की जगह नमकीन खाद्य पदार्थ वितरण करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, प्रसव के समय स्त्री को शारीरिक कष्ट से बचाने और नवजात शिशु के स्वास्थ्य के लिए प्रसव पीड़ा के समय दो पीतल के बर्तन लेकर एक में मीठी वस्तु और दूसरे में दूध भर के स्त्री के हाथ से स्पर्श करवाकर रखना चाहिए, और शिशु के जन्म के बाद से किसी धार्मिक स्थान में दान करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की नर संतान जीवित न रहती हो, तो उन्हें किसी धार्मिक स्थान में शिशु को जन्म देना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि संतान को कष्ट हो, तो गाय, कौए अथवा कुत्तों को अपने भोजन का एक हिस्सा दें।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपके घर में एक छत को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

लाल किताब के अनुसार, आपके घर में कुएं को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

विदेश यात्रा और भ्रमण से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में, बुध तीसरे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके जीवन में व्यापार से संबंधित यात्रायें अधिक होंगी।

लाल किताब में एक साथ बैठे ग्रहों का फल

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु एक साथ चौथे भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह अति अशुभ युति है। आपकी 42 वर्ष की आयु में राहु आपकी संतान को कष्ट पहुंचा सकता है। आपको धन की हानि हो सकती है। आपको सरकारी कार्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अशुभता को दूर करने के लिए उपाय भी करते हैं, तो राहु का समय पूर्ण होने के बाद ही सूर्य अपना पूर्ण प्रभाव देगा। सूर्य का प्रभाव आपके लिए शुभ होगा। अशुभ प्रभाव मिलने पर आपके विचार कलुषित और द्वेषपूर्ण हो सकते हैं। आपके घर में चोरी हो सकती है या आपको आर्थिक नुकसान हो सकता है, जिससे आपकी स्थिति खराब हो सकती है। ऐसा होने पर आप एक कपड़े में जौ के थोड़े दाने बांधकर घर के अंधेरे हिस्से में किसी वजनदार चीज से दबाकर रख दें। यदि आप अस्वस्थ हैं या आपको बुखार आता हो, तो आप जौ को गोमूत्र से धोकर नदी में बहा दें। राहु से संबंधित चीजें, जैसे बादाम, नारियल को बहते पानी में प्रवाहित करें। तांबे के सिक्के को रात्रि में आग में तपाकर सुबह बहते पानी में प्रवाहित करें। सिक्का प्रवाहित करने के तुरन्त बाद आपको पुत्र और नजदीकी संबंधियों के सामने नहीं जाना चाहिए— उन पर सूर्य और राहु का अशुभ प्रभाव हो सकता है।

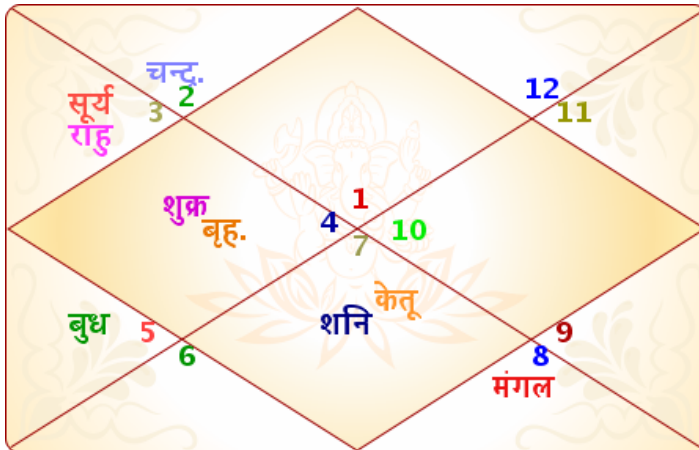
आपकी कुण्डली में बृहस्पति और शुक्र एक साथ पाँचवें भाव में स्थित हैं। यह युति रोगों और कष्टों से आपकी रक्षा करेगी। दोनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव 32 वर्ष की आयु तक रहेगा। विपरीत लिंगी व्यक्तियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आप विद्यार्जन और संतान के संबंध में सुखी होंगे। आप अपने ज्ञान से धन अर्जित करेंगे। आपको पहले बृहस्पति और बाद में शुक्र का शुभ या अशुभ फल मिलेगा। इस युति के अशुभ होने पर आपका विपरीत लिंगी व्यक्तियों की तरफ अधिक झुकाव हो सकता है और आप विलासी हो सकते हैं। आपमें संतान पैदा करने की शक्ति क्षीण हो सकती है। आपको संतान के जन्म से ही दुख प्राप्त हो सकते हैं। यदि आपने विपरीत लिंगी व्यक्तियों के साथ संबंध बनाये, तो आपको बार—बार धन—हानि हो सकती है। आपके धन की चोरी भी हो सकती है। अतः आपको अपना आचरण और व्यवहार पवित्र और ठीक रखना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, शनि और केतु एक साथ दसवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह युति शुभ परिणाम प्रदान करती है। इसमें शनि की प्रमुख भूमिका होती है। इस युति के किसी अन्य ग्रह से जुड़ने पर तीनों का प्रभाव मंद पड़ जायेगा। आपके भाग्य का निर्णय आपकी 18 वर्ष की आयु के बाद होगा। आपमें संतानोत्पत्ति की क्षमता अधिक होगी। आपको एक रंग का जानवर ही पालना चाहिए। एक से अधिक रंगों का (चितकबरा) जानवर पालने से शनि और केतु अशुभ हो जायेंगे। घोड़ा पालने से कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

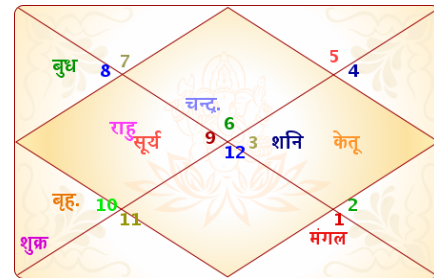
लाल किताब वर्षफल

18:12:2016--17:12:2017

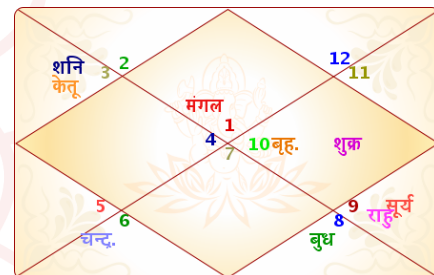
वर्षफल कुण्डली (44)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	3	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	2	4	ग्रह		हाँ	बृहस्पति	हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	8	1, 8	ग्रह	हाँ					हाँ	अशुभ भाव
बुध	5	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	4	9, 12	ग्रह			चन्द्रमा			हाँ	शुभ भाव
शुक्र	4	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शनि	7	10, 11	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	3		ग्रह						हाँ	शुभ भाव
केतु	7		राशि						हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	चन्द्रमा	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	सूर्य, राहु	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	बृहस्पति, शुक्र	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बुध	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	शनि, केतु	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	मंगल	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 44

सूर्य तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रह से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप पर गलत इल्जाम लग सकता है, जिसकी वजह से आप कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। नौकरी/कारोबार में प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न होने के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। दिन में ही आपके धन की चोरी हो सकती है। किसी निकट संबंधी से झगड़ा या विवाद हो सकता है। आपको पराई स्त्रियों से संबंध नहीं रखना चाहिए, अन्यथा बदनामी हो सकती है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— 50 ग्राम जौ लाल कपड़े में बांध कर अपने घर के किसी अंधेरी कोठरी में रखें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— सबका भला सोचें।

चन्द्रमा दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको स्त्री पक्ष से विशेष तौर पर सहयोग और सहायता की प्राप्ति होगी। वर्ष भर आपको हर्षदायक समाचारों की प्राप्ति होती रहेगी। अपने अधिकारियों से सहयोग और सहायता मिलेगी। अपने निकट सम्बन्धियों के घरों में होने वाले विवाह आदि समारोहों में जाना पड़ सकता है। धार्मिक स्थानों की यात्रा का योग है। आप तर्कपूर्ण भाषा का प्रयोग करके बहुत सारे फैसले अपने पक्ष में करवा सकते हैं।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर के मंदिर में मूर्तियों की स्थापना ना करें।
- 2— दस वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को हरे रंग का कपड़ा दान करें।
- 3— बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।

4— माता से चावल, चांदी का दान लेकर अपने पास रखें।

मंगल आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इस वर्ष कोई भी लेन—देन आपको सोच—समझ कर करना चाहिए। इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री के साथ विवाद से बचना चाहिए। इस वर्ष आपके छोटे भाइयों को कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने रसोई घर में बैठ कर भोजन ग्रहण करें।
- 2— अपने पास चांदी का चौकोर टुकड़ा रखें।
- 3— मिट्टी के बर्तन में गुड़ भरकर विराने में दबायें।
- 4— तंदूर में मीठी रोटियां पकाकर कुत्तों को खिलायें।
- 5— अपने जन्मस्थान से दूर ना रहें।
- 6— तोता या मैना अपने घर में ना पालें।

बुध पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। आप गुप्त विद्याओं और ज्योतिष जैसे विषयों में गहरी रुचि दिखायेंगे। इस वर्ष आप गंभीर होकर अपने नौकरी/कारोबार में मन लगायेंगे। आपको इस वर्ष अचानक ही धन लाभ होगा और आपकी कही भविष्यवाणियां सत्य होंगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बायें हाथ में चांदी का छल्ला पहनें।
- 2— कमर में बेल्ट का प्रयोग करें।
- 3— गले में ताँबे का पैसा पहनें।
- 4— अपने घर में पूजा का स्थान ना बदलें।

5— घर की छत पर वर्षा का जल एकत्रित करें।

बृहस्पति चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको गलत व्यसनों से इस वर्ष बच कर रहना होगा, अन्यथा शिक्षा अथवा शिक्षणेत्तर कार्यों में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपने चाल-चलन पर भी विशेष ध्यान देना होगा। अपने पिता और दादा के साथ आपके संबंधों पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी के सामने नंगे बदन ना रहें।
- 2— अपने घर में टूटे हुए खिलौने ना रहने दें।
- 3— पीपल के वृक्ष में पानी दें।
- 4— गलत संगति से बचें।
- 5— अपने कुल-पुरोहित की सेवा करें।
- 6— किसी भी धार्मिक स्थान में चार किलो चने की दाल दान करें।

शुक्र चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी पारिवारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अपने जीवनसाथी के अतिरिक्त दूसरी औरतों से भी आपके प्रेम संबंध बन सकते हैं। आपको अपने मामा अथवा मौसी से आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। भूमि और भवन के मामलों में भी आप भाग्यशाली सिद्ध होंगे। आपके रहन-सहन के स्तर में भी वृद्धि होगी। आपको स्त्रियाँ भायेंगी तथा सौन्दर्य-वर्धक और सुगंधित वस्तुओं के व्यापार में काफी सफलता प्राप्त होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आड़ू की गुठली में सूरमा भरकर जमीन में दबायें।

- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— इस वर्ष प्रेम विवाह ना करें।
- 4— घर की छत पर कीचड़ का लेप करें।

शनि सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। इस वर्ष जीवनसाथी की अस्वस्थता और वैचारिक मतभेदों की वजह से वैवाहिक जीवन अशांत हो सकता है। आपको अपने साझेदारों पर शक नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। चिकित्सा और रसायन से संबंधित व्यापार में आपको घाटा होने की संभावना है। गुस्से की मात्रा भी इस वर्ष ज्यादा ही होगी, इसलिए सावधानी के तौर पर आपको अपने पास कोई भी हथियार आदि नहीं रखना चाहिए। इस वर्ष बुरे लोगों की संगति भी आपके लिए भारी पड़ सकती है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर विराने में दबायें।
- 2— बुरे लोगों की संगति ना करें।
- 3— डॉक्टर और केमिस्ट की संगति से बचें।
- 4— काली गाय की सेवा करें।

राहु तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक मामलों में यह वर्ष भाग्यशाली होगा। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी और आपके शत्रु इस साल दबे रहेंगे। भविष्य में घटने वाली घटनाओं का आपको पूर्वाभास हो जाएगा और आपके लेखन में तलवार जैसी ताकत होगी। सट्टे, लॉटरी इत्यादि से आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। संतान पक्ष से कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। वर्ष के अन्त में भाग्योदय से संबंधित कोई विशेष घटना घटित हो सकती है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— हाथी दांत या इससे बनी हुई वस्तुओं का व्यवसाय ना करें।
- 2— हाथी की शक्ल के खिलौने अपने घर में ना रखें।
- 3— चांदी की डिब्बी में चावल डालकर अपने घर में रखें।

केतु सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल-चलन और व्यवहार काफी संयमित रखना होगा, अन्यथा हानि होने की संभावना है। दूसरों से झूठा वायदा ना करें। सत्य का पालन करें।

वर्षफल में केतु का उपाय

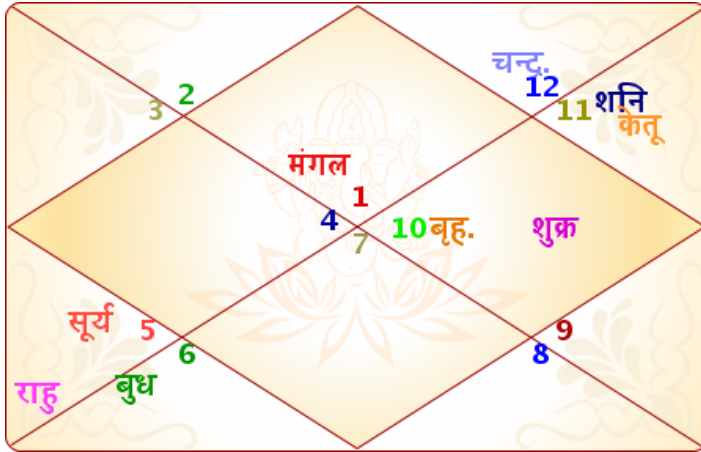
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 2— 4 केले 4 दिन बहते हुए पानी में बहायें।
- 3— 4 नींबू 4 दिन तक जल में प्रवाहित करें।

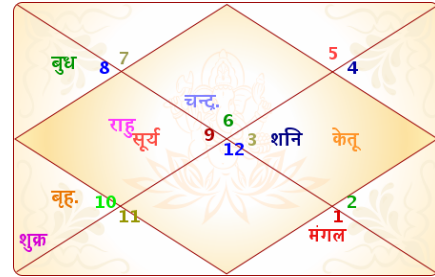
लाल किताब वर्षफल

18:12:2017--17:12:2018

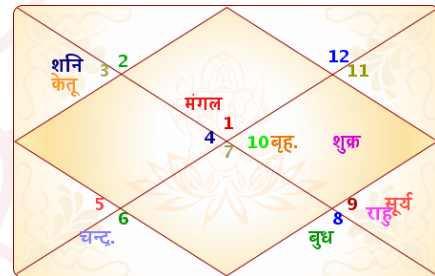
वर्षफल कुण्डली (45)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	5	5	ग्रह		हाँ				हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	12	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	1	1, 8	ग्रह		हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	6	3, 6	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	10	9, 12	राशि			शनि			हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	10	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	11	10, 11	ग्रह			बृहस्पति	हाँ	हाँ	हाँ	शुभ भाव
राहु	5		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	11		राशि						हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	मंगल	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति	हाँ	चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	सूर्य, राहु	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	बुध	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	बृहस्पति, शुक्र	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	शनि, केतु	शनि	शनि				बृहस्पति
12	चन्द्रमा	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 45

सूर्य पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मित्र भी आपसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार करेंगे। अपने जीवनसाथी से आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं या उनका स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। कुल मिलाकर, आपका दाम्पत्य जीवन इस वर्ष ठीक नहीं रह सकता है। आपको कानूनी मुकदमों से परेशानी हो सकती है और निर्णय आपके खिलाफ जा सकता है। इस वर्ष आप पर गलत इल्जाम लग सकता है तथा अपने अधिकारियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— लाल मुंह वाले बन्दर को गुड़ और चना खिलाएं।
- 2— झूठी गवाही ना दें।
- 3— 43 दिन तक लगातार सरसों के तेल की कुछ बूंदें जमीन पर गिरावें।

चन्द्रमा बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको आयात-निर्यात से संबंधित व्यापार से धन प्राप्त हो सकता है। आप सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आध्यात्मिक विषयों में भी इस वर्ष आपकी रुचि रहेगी।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बुरे कार्यों और झूठ बोलने से बचें।
- 2— रात्रि के समय दूध का सेवन ना करें।
- 3— घर में हाथी दांत से बनी हुई वस्तुएं ना ले आएँ।

मंगल पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको लोहा, लकड़ी एवं मशीनरी इत्यादि के कारोबार से लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपमें उत्साह और उत्तेजना की मात्रा ज्यादा होगी। इस वर्ष आप कोई भी कार्य भव्य तरीके से करेंगे। भाई-बन्धुओं का आपको सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बहन के लिए भी यह वर्ष शुभ फलदायी है। आपका व्यवहार बुरे लोगों के साथ भी मधुर रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बुरे कार्यों और झूठ बोलने से बचें।
- 2— अपनी उम्र के व्यक्ति के साथ साझेदारी का कारोबार करें।
- 3— मुत में कोई भी उपहार ना लें।
- 4— हाथी दांत की वस्तुएं अपने घर ना ले आयें।
- 5— द्दयदि आपके बड़े भाई हैं, तो लाल रूमाल अपने पास रखें।

बुध छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको चोरी आदि की घटनाओं से धन-हानि होने की संभावना है। आपका कोई मित्र आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी का कारण बनेगा। इस वर्ष आप चर्म रोगों से भी परेशान हो सकते हैं। अपने ननिहाल से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। आपको लड़ाई-झगड़ों और विवादों से बचना चाहिए। पारिवारिक सुख में कमी आ सकती है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बायें हाथ में चांदी की अंगुठी पहनें।
- 2— विराने में दूध से भरा बर्तन दबायें।
- 3— कोई भी शुभ कार्य अपनी बेटी या बहन के हाथों से करवायें।
- 4— अपनी बहन या बेटी की शादी उत्तर दिशा में ना करें।
- 5— अपने नौकर पर नजर रखें।

बृहस्पति दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष कई गलत अफवाहों का सामना करना पड़ सकता है। काफी संघर्ष के बाद ही सफलता आपके हाथ लगेगी। परिवार में भी लड़ाई-झगड़ों से आपको मानसिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत के बाद ही सफलता मिलेगी। इस वर्ष आपको हवाई किले बनाने से भी बचना चाहिए। यदि आप साधु-संतों का अपमान करते हैं या पीपल के पेड़ को काटते हैं, तो आपको आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है। आपके पिता और दादा का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी नाक साफ रखें।
- 2— सोना पहनें।
- 3— 43 दिन तक ताँबे का पैसा बहते हुए पानी में बहायें।
- 4— साधु-संतों और अपने गुरुजनों की सेवा करें।

शुक्र दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो आपके दाम्पत्य जीवन में दरार पड़ सकती है। आपके जीवनसाथी को खून या चमड़ी से संबंधित रोग हो सकता है। यदि आप मांस-मदिरा का सेवन करेंगे, तो आर्थिक रूप से आपको काफी क्षति पहुंच सकती है। आपको मूत्र संबंधित रोग होने की भी संभावना हो सकती है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आपकी पत्नी को अपने गुप्तांगों को दही से धोना चाहिए।
- 2— कपिला गाय का दान करना चाहिए।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखना चाहिए।
- 4— शराब, मांस और मछली का सेवन ना करें।

शनि ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मानसिक और पारिवारिक सुख में कमी आएगी। आप ऋण संबंधी चिन्ताओं से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने चाल-चलन और व्यवहार को बहुत संयमित रखना होगा। आप अपने गुस्से पर काबू रखें और लड़ाई-झगड़ों से बचें। शराब और मांस-मदिरा का सेवन बिल्कुल ना करें।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कोई भी शुभ कार्य करने से पहले घर में जल से भरा मिट्टी का घड़ा स्थापित करें।
- 2— सूर्योदय के समय मिट्टी पर शराब या सरसों का तेल गिराये।
- 3— शराब और मांस का सेवन ना करें।
- 4— घर में शुद्ध चांदी की ईंट रखें।
- 5— दूसरों को धोखा देकर धन न कमायें।

राहु पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको अपने जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाकर रखना चाहिए, अन्यथा दाम्पत्य जीवन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्रों में भी आपको बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। भाई बन्धुओं से भी मनमुटाव की संभावना है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर में चांदी का हाथी जिसका वजन कम से कम 60 ग्राम हो रखें।
- 2— दोबारा विवाह ना करें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 4— घर की दहलीज के नीचे चांदी का पत्तर दबायें।

केतु ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर आने वाले अतिथियों की संख्या अधिक होगी, जिसकी वजह से आप पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। यदि आप कोई शुभ कार्य करने जा रहे हैं, तो अपने पीछे मुड़कर ना देखें। अपनी संतान की ठीक तरह से देखभाल करें। अपना बीता हुआ कल दूसरों को ना सुनायें। क्रद्र-हो-द्रद्र-र्द्रि ह्यक्तजद्र ह्य-श्रद्र-प्रसद्र ५ जत्तहद्र-ए ह्य "बद्र जद्र ५ १द्र-जद्र-द्र-जद्रप्र७द्रक्रदे ५ ह्यैक्रद्र जप्र-द्र ५ ह्यद्रौद्रध प्रप्रह ५ "प्रह्य ह्य जद्र-जद्रप्र७द्र ५ द्र-र्द्रि ह्यद्र ह्य-क्रप्र(जद्र ५द्र-उद्रक्तद्र ५द्रक्र ५-प्रद्र-ह्य ह्य-दद्र जर् ५) तर्द्रि-त द्रि जत्त ह्यद्र-५ ५ ५ ह्य ह्य (द्रद्रद्र-५ ५ जत्त धद्र ह्यक्तजद्र ५ (०ह-द्र ५ त ह्यक्तद्र-५

वर्षफल में केतु का उपाय

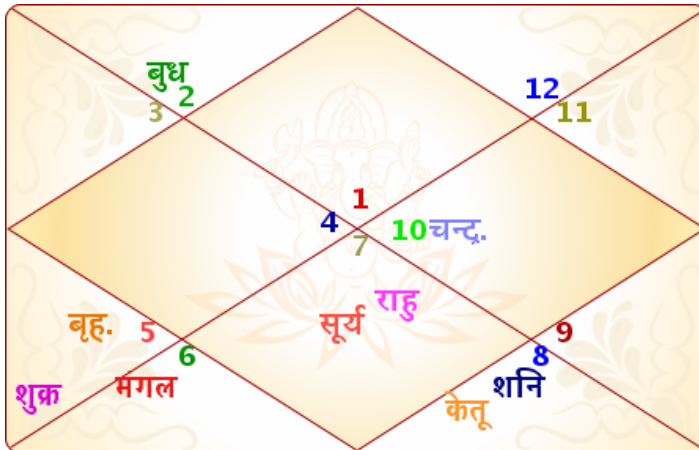
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आपकी पत्नी को चाहिए कि रात में अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें और सुबह में उसे किसी धर्म स्थान में दान करें।
- 2— काला कुत्ता पालें।
- 3— ससुराल से काला-सफेद चकला (रोटी बनाने के प्रयोग में आने वाला उपकरण) मंगा कर घर में रखें।

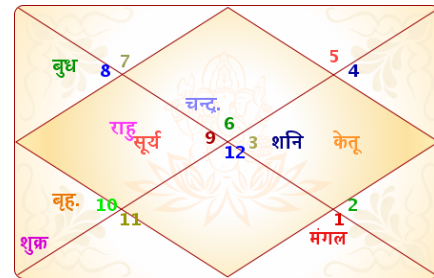
लाल किताब वर्षफल

18:12:2018--17:12:2019

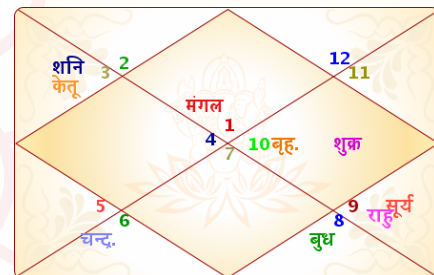
वर्षफल कुण्डली (46)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	7	5	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
चन्द्रमा	10	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	6	1, 8	राशि			केतु			हाँ	...
बुध	2	3, 6	राशि				हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	5	9, 12	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
शुक्र	5	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	8	10, 11	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
राहु	7		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	8		राशि			मंगल	हाँ			...

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	बुध	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बृहस्पति, शुक्र	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	मंगल	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	सूर्य, राहु	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	शनि, केतु	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	चन्द्रमा	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 46

सूर्य सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता लगी रहेगी। आपके घर में अग्निकांड हो सकते हैं। पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। व्यर्थ की धन हानि होने से आपकी मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं, तो आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कोई भी कार्य मीठी चीज खाकर और पानी पीकर शुरू करें।
- 2— अग्नि में आहुति दें।
- 3— नमक कम खायें।
- 4— जमीन में ताँबे के सात चौकोर टुकड़े दबायें।

चन्द्रमा दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको रक्त, दांत और कान से संबंधित रोग हो सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति नहीं बेचनी चाहिए। आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— माता का चरणस्पर्श कर आशीर्वाद लें।
- 2— रात में दूध का सेवन ना करें।
- 3— द्वयदि आप डॉक्टर हैं, तो मुत में दवाई ना दें।
- 4— अपना चाल-चलन ठीक रखें।

मंगल छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मित्रों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। धार्मिक क्रिया-कलापों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। विदेशी संबंधों से आपको लाभ प्राप्त होगा। इस वर्ष आपका ईश्वर पर विश्वास भी बढ़ेगा। लिखने-पढ़ने से संबंधित कार्यों में आपको सफलता प्राप्त होगी। पैसों के लेन-देन के कारोबार से आपको बड़ी मात्रा में धन प्राप्त होगा। आपका जीवन संतों की तरह रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीम का वृक्ष लगायें।
- 2— रात को सिरहाने पानी रखकर सुबह किसी पेड़ की जड़ में डालें।
- 3— पितरों का श्राद्ध करें।
- 4— अपने घर में 9 मन अनाज हमेशा रखें।

बुध दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके प्रकाशन और दलाली इत्यादि के कार्यों में इस वर्ष उल्लेखनीय प्रगति होगी। व्यावसायिक सफलता के लिए यह वर्ष उत्तम होगा। इस वर्ष आप शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे। पिता और दादा से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वाद-विवाद में आप अपनी राय बार-बार बदल सकते हैं। आपको इस वर्ष सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चावल और दूध किसी धार्मिक स्थान पर दान करें।
- 2— तोता ना पालें।
- 3— नाक छिदवायें और 96 घंटे तक को उसको कायम रखें।
- 4— हरे रंग का प्रयोग बिल्कुल ना करें।
- 5— दो किलो मसूर की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।

बृहस्पति पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान-सम्मान में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। यदि आपके घर में पुरुष संतान जन्म लेती है, तो आपके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत सुदृढ़ हो जाएगी। लिखाई-पढ़ाई में इस वर्ष आपको विशेष रुचि रहेगी। आप प्रकृति के रहस्य ढूँढ़ने और समझने का प्रयत्न करेंगे। परीक्षा/प्रतियोगिता में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर के आस-पास के धार्मिक स्थान की साफ-सफाई करें।
- 2— साधु-संतों की सेवा करें।
- 3— गहरे पानी से बचें।

शुक्र पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अनैतिक प्रेम-संबंधों की वजह से बदनामी हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं, तो विवाह का योग है, परन्तु आपको अपने माता-पिता की आज्ञा से ही विवाह करना चाहिए, अन्यथा संतान पक्ष से कष्ट हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष साधारण ही होगा।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में पांच दिन तक आटे का दान करें।
- 2— अपने मां-बाप की आज्ञानुसार विवाह करें।
- 3— गाय की सेवा करें।

शनि आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी, शेयर इत्यादि में पैसा नहीं लगाना चाहिए। इस वर्ष आपके मकान में तोड़-फोड़ हो सकती है। बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नंगे पैर ना नहायें।
- 2— अपने नाम पर इस वर्ष कोई मकान ना खरीदें।
- 3— चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
- 4— आठ किलो काले उड़द की दाल जल में प्रवाहित करें।

राहु सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है और स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण उनका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा हो सकता है। यदि आप बिजली विभाग या यातायात विभाग से संबंधित या उनके साथ मिलकर कोई कार्य करने वाले हैं, तो आपको घाटा हो सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं, तो अपने साझेदार से आपका विवाद हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सात नारियल बहते पानी में बहायें।
- 2— चांदी की ईंट अपने घर में रखें।
- 3— वाहन चालक के रूप में कोई कार्य ना करें।
- 4— प्लास्टिक के डिब्बों में गंगाजल भरकर और उसमें चांदी के चौकोर टुकड़े डालकर अपने पास रखें।

केतु आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप अपनी मेहनत से धन अर्जित करेंगे। इस वर्ष आपको अपना चाल चलन ठीक रखना होगा, अन्यथा आप

घाटे में पड़ सकते हैं। इस वर्ष आपकी पदोन्नति होने की संभावना है।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने कुत्ते को छत पर ना ले जायें।
- 2— जुआ, लॉटरी पर अपना धन व्यर्थ न करें।
- 3— चितकबरा कम्बल धर्म स्थान में दान करें।



लाल किताब वर्षफल – 47

सूर्य दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका भाग्य ठीक नहीं होगा। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचा सकते हैं। अपने पिता से आपका मतभेद हो सकता है एवं पिता के सुख में कमी भी आ सकती है। मशीनरी, तेल, लोहा और लकड़ी इत्यादि के व्यवसाय में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपका स्वभाव वहमी हो सकता है और आप अकारण ही क्रोधित हो सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— 43 दिन ताँबे के पैसे जल में प्रवाहित करें।
- 2— मांस—मछली और मदिरा का सेवन ना करें।
- 3— अपना सिर सफेद कपड़ों से ढक कर रखें।
- 4— भूरी भैंस की सेवा करें।

चन्द्रमा आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आमतौर पर यह वर्ष आपके लिए संघर्षमय हो सकता है। आध्यात्म और योग में आपकी रुचि हो सकती है। आपके ससुराल के लिए यह वर्ष सुखमय होगा। किसी का छोड़ा हुआ धन आपको मिल सकता है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— धार्मिक स्थान में गुड़, केसर और सौंफ दान करें।
- 2— पितरों का श्राद्ध करें।
- 3— बुढ़ी स्त्रियों का आशीर्वाद लें।
- 4— शमशान से पानी लेकर उसे अपने घर में रखें।

5— सट्टे, लॉटरी इत्यादि से दूर रहें।

मंगल नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके लिए यह वर्ष नये कार्यों को आरम्भ करने तथा आर्थिक दृष्टि से शुभ है। आपके लिए इस वर्ष होटल इत्यादि के कारोबार शुभ फलदायी होंगे। इस वर्ष आपके माता-पिता के तीर्थयात्रा का योग भी बन रहा है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम है। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने पास लाल रंग का रुमाल सदैव रखें।
- 2— धार्मिक स्थान में चावल, दूध और गुड़ का दान करें।
- 3— अपनी भाभी की सेवा करें।
- 4— अपने भाईयों से झगड़ा ना करें।
- 5— चितकबरे कुत्ते की सेवा करें।

बुध बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने गुस्से पर काबू रखना चाहिए, अन्यथा बनी हुई बात बिगड़ सकती है। आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे व्यसनो से भी दूर रहने की आवश्यकता होगी। आपकी संदेह और अनभिज्ञता से व्यापार में घाटा उठाना पड़ सकता है। अपने मित्रों से आपका अचानक बिगाड़ हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— केसर का तिलक लगायें।
- 2— मिट्टी का घड़ा बहते हुए पानी में बहायें।
- 3— गुस्सा ना करें और अशुद्ध भाषा का प्रयोग ना करें।
- 4— बायें हाथ की बीच वाली अंगुली में स्टील का बिना जोड़ का छल्ला पहनें।

बृहस्पति सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवन में कई सारे शुभ बदलाव दृष्टिगोचर होंगे। यदि आपका विवाह नहीं हुआ है, तो विवाह का प्रबल योग है। यदि आपका विवाह हो चुका है, तो आपके ससुराल से धन की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप साझेदारी में व्यापार कर रहे हैं, तो आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपको ज्योतिष जैसे विषयों में विशेष रुचि हो सकती है। धार्मिक क्रिया-कलापों में आप सक्रिय होंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर के मंदिर में मूर्तियों की पूजा बिल्कुल ना करें। चित्रों की पूजा कर सकते हैं।
- 2— साधु-संतों की संगति ना करें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 4— पीले कपड़े में सोना बांधकर अपने पास रखें।

शुक्र सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष साझेदारी के व्यापार में आपको काफी आय प्राप्त होगी। किसी स्त्री या अपने जीवनसाथी के सहयोग से आप कारोबार/नौकरी में प्रगति करेंगे। आप वैवाहिक सामग्री के व्यापार से आर्थिक लाभ प्राप्त करेंगे। आपके जीवनसाथी और माता के बीच का संबंध काफी मधुर रहेगा। आप अपने पैतृक निवास की यात्रा कर सकते हैं। इस वर्ष आपको धन कमाने के लिए अधिक मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आपके जीवनसाथी का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सफेद गाय की सेवा ना करें।
- 2— अपने ससुराल से मधुर संबंध बनायें।
- 3— कांसे के बर्तन का इस्तेमाल करें।
- 4— मुत में या दान में कोई भी वस्तु ना लें।

शनि पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, अपने खास मित्रों से आपका मनमुटाव हो सकता है। यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो नौकरी/कारोबार में रुकावट या कई प्रकार की बाधाओं की संभावना हो सकती है। आपके स्वास्थ्य पर भी इस वर्ष बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आप विशेषतः पेट की गड़बड़ी से परेशान हो सकते हैं। शिक्षा अथवा शिक्षा से संबंधी कार्यों में भी बाधाएँ आने की संभावना है। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर में किसी के जन्मदिन पर संगीतमय आयोजन ना करें।
- 2— बरगद के पेड़ की जड़ में मीठा दूध डालकर उसकी गिली मिट्टी का तिलक करें।
- 3— मांस-मदिरा से दूर रहें।
- 4— काला सूरमा जमीन में दबायें।

राहु दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। राजनैतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपकी पदोन्नति हो सकती है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने सिर को ढक कर रखें।
- 2— अपने अधिकारियों से मधुर संबंध रखें।
- 3— सफेद या शरबती रंग की टोपी या पगड़ी का इस्तेमाल करें।
- 4— अंधों को मीठा भोजन करायें।
- 5— 4 किलो गुड़/खाण्ड मंगलवार को जल में प्रवाहित करें।

केतु पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष कमर या नेत्र संबंधी रोगों से आपको कष्ट हो सकता है। पूर्व नियोजित यात्रा स्थगित हो जाएगी और यदि आपका तबादला होने वाला है, तो वह भी टल जाएगा। इस वर्ष स्त्री के रूप में आपके परिवार में कोई नया सदस्य जुड़ सकता है। यदि आप किसी विदेश यात्रा पर जा रहे हैं, तो 100 दिन के अन्दर ही वापस आ सकते हैं।

वर्षफल में केतु का उपाय

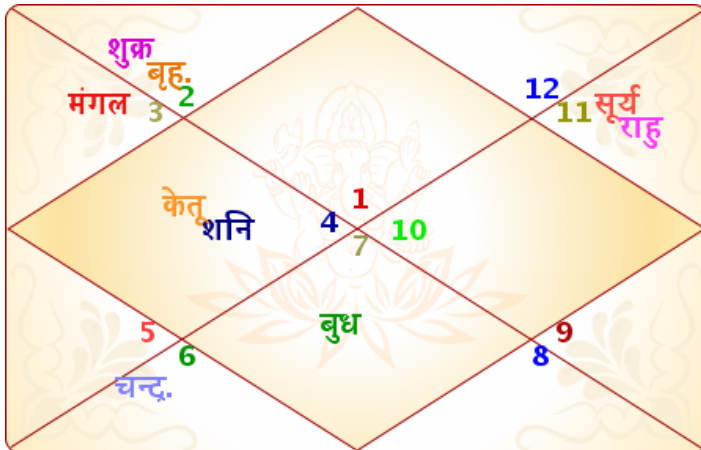
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चितकबरा कुत्ता पालें।
- 2— लाल रुमाल अपने पास रखें।
- 3— कोने के मकान में न रहें।

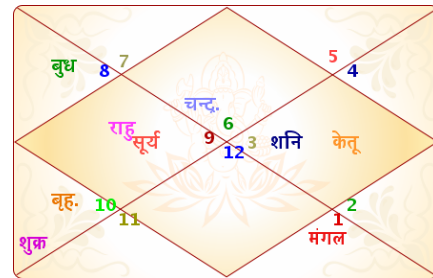
लाल किताब वर्षफल

18:12:2020--17:12:2021

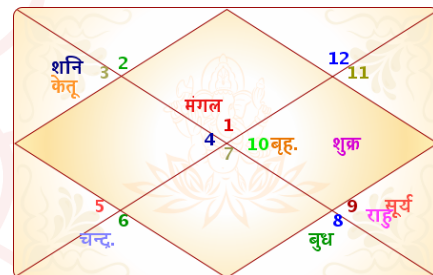
वर्षफल कुण्डली (48)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	11	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	6	4	ग्रह			केतु			हाँ	अशुभ भाव
मंगल	3	1, 8	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बुध	7	3, 6	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	2	9, 12	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
शुक्र	2	2, 7	ग्रह				हाँ			शुभ भाव
शनि	4	10, 11	राशि						हाँ	अशुभ भाव
राहु	11		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	4		ग्रह			चन्द्रमा	हाँ	हाँ	हाँ	

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	बृहस्पति, शुक	शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	मंगल	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	शनि, केतु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	चन्द्रमा	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक, केतु	केतु
7	बुध	शुक	शुक, बुध		शनि		शुक
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	सूर्य, राहु	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 48

सूर्य ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत है, अन्यथा दुर्घटना हो सकती है। आपके साले का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। आपके रिश्तेदार आपके धन का अपव्यय कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं हो सकता है। अपने पिता से आपके संबंध पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। पदोन्नति में बाधाएं आ सकती हैं। सरकारी कार्यों में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— 43 दिन तक रेत पर बिस्तर बिछाकर सोयें।
- 2— मांस-मछली का सेवन ना करें।
- 3— रात को अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें।
- 4— झूठ ना बोलें।

चन्द्रमा छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको विदेशी सम्बन्धों से लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रुओं की पराजय होगी और आपके भाई-बन्धु और मित्र आपकी सहायता करेंगे।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
- 2— अपने भेद दूसरों को ना बतायें।
- 3— खरगोश पालें।
- 4— रात में दूध का सेवन ना करें।

5— मुत में पानी का दान ना करें।

मंगल तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। माता—पिता तथा भाई—बन्धुओं से आपका मनमुटाव हो सकता है। आपके भाई या चाचा का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। गलत प्रेम—संबंधों के उजागर होने से भी आपको बदनामी का सामना करना पड़ सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप पैसों का लेन—देन बिना लिखित विवरण के करते हैं, तो यह ठीक नहीं है। आपको खून से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी अंगुली में हाथी दांत का छल्ला पहनें।
- 2— अपने क्रोध पर काबू रखें।
- 3— अपने भाईयों की सहायता करें।
- 4— खाने—पीने पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा पेट से सम्बन्धित बीमारी हो सकती है।
- 5— हाथी दांत से बनी वस्तुएं अपने घर में ना रखें।

बुध सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको अपने क्रोध पर काबू रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा आपका अनुचित व्यवहार आपकी मान—प्रतिष्ठा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि आप अपना व्यापार साझेदारी में करते हैं, तो इस वर्ष आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपके भाई अथवा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
- 2— हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।

3— घर में हरी घास रोपें।

बृहस्पति दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता को सोने, चांदी के व्यापार में घाटा हो सकता है। उनको कम पूंजी वाले व्यापार में हाथ आजमाना चाहिए। इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको घाटा हो सकता है। आपको इस वर्ष अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर के सामने के गड्ढों को मिट्टी से भरवायें।
- 2— सोने चांदी से सम्बन्धित व्यापार ना करें।
- 3— हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
- 4— अपने घर का एक हिस्सा अधूरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
- 5— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 6— नवविवाहिता लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

शुक्र दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप अपनी कड़ी मेहनत से सफलता प्राप्त करेंगे। यदि आप विवाहित हैं, तो अपने जीवनसाथी का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक प्रवृत्ति भी प्रबल होगी। प्रेम संबंधों में धोखे की वजह से आप इस वर्ष ऐसे किसी भी संबंध से दूर ही रहेंगे। यदि आप अविवाहित हैं, तो विवाह का योग भी बन सकता है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आलू और दही का दान करें।
- 2— जानवरों से घृणा ना करें।
- 3— कपिला गाय की सेवा करें।

शनि चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष मछली का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए और शराब इत्यादि मादक पदार्थों से दूर रहना चाहिए। आपको हृदय से संबंधित परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है। पिता से आपके संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है। यदि आप राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं, तो आपके प्रयास विफल हो सकते हैं।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कुएं में दूध गिरायें।
- 2— अपने भोजन में से एक हिस्सा मछलियों, कौओं या भैंस को खिलायें।
- 3— इस वर्ष काले कपड़े ना पहनें।
- 4— हरे रंग से बचें।
- 5— 4 पैक शराब जल में प्रवाहित करें।

राहु ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता से आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है और उनका स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। इस वर्ष आपको किसी भी प्रकार के विवाद से बचना चाहिए अन्यथा आप चोटग्रस्त हो सकते हैं। इस वर्ष लाल या नीला कपड़ा पहनना खतरनाक हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और ना ही अपने पास रखना है।
- 2— घर में बिजली के खराब उपकरण ना रखें।
- 3— सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढक कर रखें।

केतु चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, अन्यथा आपको मधुमेह संबंधी रोग होने की भी संभावना बन सकती है। इस वर्ष अपने कुल पुरोहित से अपना संबंध मधुर बनाकर रखना चाहिए। कुत्ते के काटने की भी संभावना हो सकती है, अतः आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

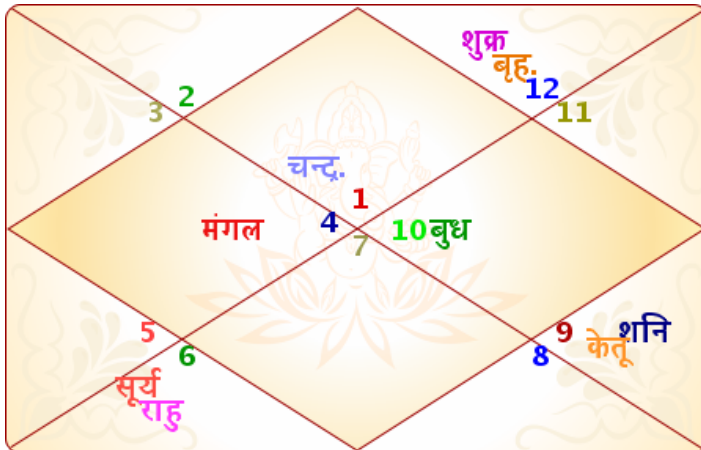
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में हल्दी, केसर या चने की दाल दान करें।
- 2— कुत्तों को ना मारें।
- 3— कुल-पुरोहित की सेवा करें।

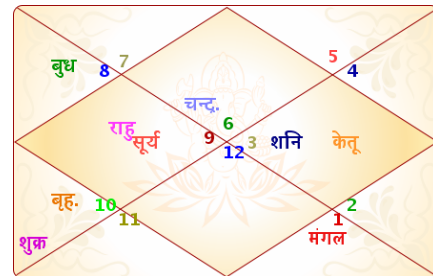
लाल किताब वर्षफल

18:12:2021--17:12:2022

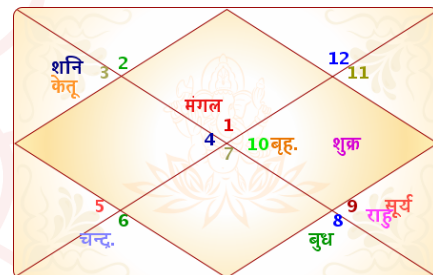
वर्षफल कुण्डली (49)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	6	5	राशि							अशुभ भाव
चन्द्रमा	1	4	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	4	1, 8	ग्रह							अशुभ भाव
बुध	10	3, 6	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	12	9, 12	ग्रह						हाँ	शुभ भाव
शुक्र	12	2, 7	ग्रह						हाँ	शुभ भाव
शनि	9	10, 11	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	6		ग्रह		हाँ					शुभ भाव
केतु	9		ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	चन्द्रमा	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक	बृहस्पति	हाँ	चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4	मंगल	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	सूर्य, राहु	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक, केतु	केतु
7		शुक	शुक, बुध		शनि		शुक
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	शनि, केतु	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	बुध	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12	बृहस्पति, शुक	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 49

सूर्य छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपका स्वास्थ्य इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय होगा। आपको रक्तचाप से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं। धार्मिक कार्यों में विघ्न पड़ सकता है। यात्राओं से प्रायः हानि की संभावना होगी। आपके पिता का स्वास्थ्य भी इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपके अधिकारी आपको अकारण परेशान कर सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— भूरे रंग की चीटियों को सतनाजा डालें।
- 2— अपने घर में चांदी के बर्तन में गंगाजल रखें।
- 3— अपनी माता की सेवा करें।
- 4— किसी धार्मिक स्थान में दान की हुई वस्तुओं को अपने घर में ले आकर रखें।

चन्द्रमा पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शत्रु ग्रहों के साथ युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आलस्य और कामचोरी की वजह से आपके कार्य पूर्ण होने में बाधाएँ आ सकती हैं। आपके मन में निराशा और अवसाद की भावना पैदा हो सकती है। अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों के साथ आपके अनैतिक संबंध स्थापित हो सकते हैं। पत्नी या माता का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। पूरे वर्ष आप सर्दी-जुकाम से परेशान रह सकते हैं। जमीन-जायदाद सम्बन्धी विवादों से भी आपको परेशानी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दूध और दूध से बनी वस्तुओं का व्यापार ना करें।
- 2— अपनी माता की सेवा करें।

- 3— चांदी के बर्तन का उपयोग करें।
- 4— नदी पार करते समय उसमें पैसा बहाएं।

मंगल चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान-सम्मान और आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पारिवारिक और मानसिक सुख प्राप्त होगा। इस वर्ष आपको अनेक शुभ समाचारों की प्राप्ति हो सकती है। आपके उत्साह में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। आपको अपनी माता या दादी से धन की प्राप्ति हो सकती है। इस वर्ष आपके घर में मेहमानों का तांता लगा रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आपको चीनी या शहद से सम्बन्धित कारोबार से बचना चाहिए।
- 2— अपने पास चांदी का एक चौकोर टुकड़ा रखें।
- 3— चीनी के खाली बोरे अपनी छत पर रखें।
- 4— दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।
- 5— सुबह उठते ही अपना दांत साफ पानी से धोयें।
- 6— अपनी माता की सेवा करें।

बुध दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको किसी विदेशी स्रोत से लाभ प्राप्त होगा। आपके नौकरी/व्यापार में अड़चनें आयेंगी, परन्तु आप अपनी मेहनत से उन अड़चनों पर विजय प्राप्त करेंगे। आपकी बहन, बुआ अथवा बेटी की तरफ से भी इस वर्ष आपको शुभ समाचार प्राप्त होंगे। इस वर्ष आपको आध्यात्म और ज्योतिष संबंधी विषयों में भी रुचि होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर में तुलसी, मनीप्लांट इत्यादि चौड़े पत्तों वाले पौधे नहीं लगायें।
- 2— मांस-मदिरा इत्यादि के सेवन से बचें।
- 3— सूखा नारियल मंदिर में चढ़ायें।

- 4— बचा हुआ भोजन मछलियों को खिलायें।
- 5— मजदूरों की सेवा एवं सहायता करें।

बृहस्पति बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप धार्मिक क्रिया—कलाओं में अपना धन खर्च करेंगे तथा वर्ष—पर्यन्त धार्मिक प्रवृत्ति बनी रहेगी। धन के संबंध में इस वर्ष आप अधिक सोच—विचार नहीं करेंगे। आपका दिया हुआ आशीर्वाद फलीभूत होगा। धर्म, योग इत्यादि विषयों में वर्ष पर्यन्त आपका मन रमा रहेगा।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— पीपल के वृक्ष की सेवा करें।
- 2— केसर का तिलक लगायें।
- 3— दूसरों को धोखा ना दें।
- 4— गले में माला इत्यादि ना पहनें।
- 5— अपनी नाक साफ रखें।
- 6— साधु—संतों और बुजुर्गों की सेवा करें।

शुक्र बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपना चाल—चलन ठीक रखना चाहिए और परस्त्रीगमन से बिल्कुल ही बचना होगा, अन्यथा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर होगा। आपके जीवनसाथी के गिरते स्वास्थ्य की वजह से दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। आपका कोई मित्र या संबंधी आपके बारे में गलत अफवाहें फैला सकता है। इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में भी रुचि नहीं होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीले रंग का फूल अपनी पत्नी के हाथों जमीन में दबवायें।

- 2— अपना चाल—चलन ठीक रखें।
- 3— अपनी पत्नी की देखभाल करें।
- 4— घी के दिये जलायें।
- 5— बछड़े सहित गाय का दान करें।

शनि नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी या अनुमान पर आधारित क्षेत्रों में पैसा नहीं लगाना चाहिए। लोहा, तेल, मशीनरी इत्यादि के व्यापार में आपको घाटा हो सकता है। आपको धार्मिक क्रिया—कलापों में मन लगाना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर की छत पर ईंधन ना रखें।
- 2— नौ दिन लगातार गंगा में स्नान करें।
- 3— दूसरों की अचल सम्पत्ति पर बुरी नजर ना डालें।
- 4— माथे पर केसर का तिलक लगायें।

राहु छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको व्यर्थ के लड़ाई—झगड़ों से बचना चाहिए। अपने पास आग्नेय हथियार नहीं रखना चाहिए। यदि आप अपने चाचा या मामा से झगड़ते हैं, तो आपको धन हानि हो सकती है। वाहन चलाते समय आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता होगी। पैसों के लेन—देन में कागजी कार्यवाई अवश्य करें, अन्यथा धोखा खा सकते हैं। बुरे लोगों की संगति से बचें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— काला कुत्ता पालें।
- 2— अपने भाई—बन्धु से लड़ाई—झगड़ा ना करें।

- 3— शीशे की 6 गोलियां अपने पास रखें।
- 4— काले शीशे का गोल टुकड़ा अपने पास रखें।

केतु नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष की हुई यात्रा अधिक लाभदायक नहीं होगी। यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो संतान को कष्ट हो सकता है। आपका किसी दूरस्थ स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है और यदि पदोन्नति की संभावना बन रही है, तो किसी कारणवश उसमें बाधा आ सकती है। जायदाद के मामले में भी आपकी चिन्ता बनी रहेगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

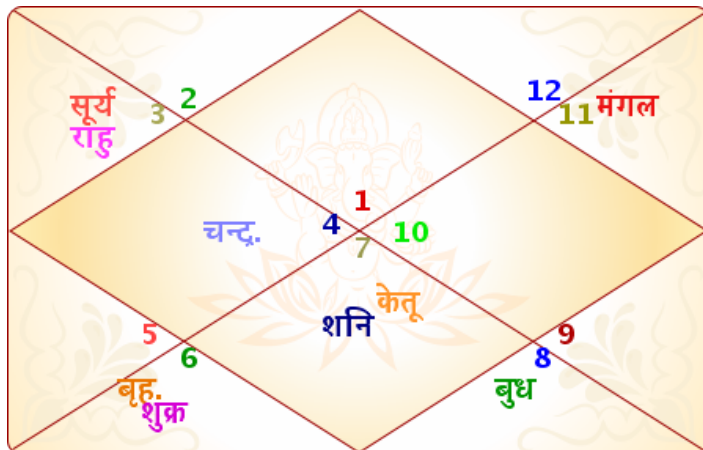
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कानों में सोना पहनें।
- 2— सोने की ईंट (21 ग्राम) अपने घर में रखें।
- 3— गलत लोगों की संगत में ना रहें।
- 4— कुत्तों को ना सतायें।

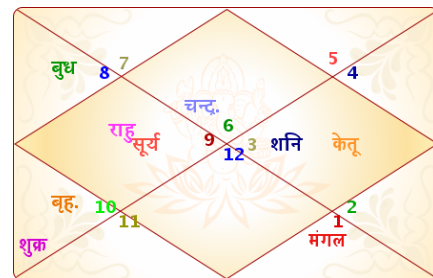
लाल किताब वर्षफल

18:12:2022--17:12:2023

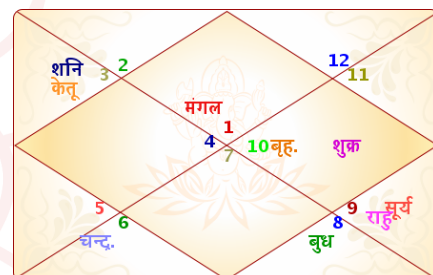
वर्षफल कुण्डली (50)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	3	5	राशि							शुभ भाव
चन्द्रमा	4	4	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव
मंगल	11	1, 8	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	8	3, 6	राशि			शनि			हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	6	9, 12	राशि						हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	6	2, 7	ग्रह			केतु			हाँ	अशुभ भाव
शनि	7	10, 11	ग्रह			बुध	हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	3		ग्रह							शुभ भाव
केतु	7		ग्रह			शुक्र			हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	सूर्य, राहु	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	बृहस्पति, शुक्र	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	शनि, केतु	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	बुध	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	मंगल	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 50

सूर्य तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रह से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप पर गलत इल्जाम लग सकता है, जिसकी वजह से आप कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। नौकरी/कारोबार में प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न होने के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। दिन में ही आपके धन की चोरी हो सकती है। किसी निकट संबंधी से झगड़ा या विवाद हो सकता है। आपको पराई स्त्रियों से संबंध नहीं रखना चाहिए, अन्यथा बदनामी हो सकती है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— 50 ग्राम जौ लाल कपड़े में बांध कर अपने घर के किसी अंधेरी कोठरी में रखें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— सबका भला सोचें।

चन्द्रमा चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार आपको इस वर्ष गहरे पानी में नहाने से बचना चाहिए। आपकी माता का स्वास्थ्य भी चिन्ता का विषय हो सकता है। नशे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों की मुसीबत को अपने गले नहीं लगाना चाहिए।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी माता को अपनी कमाई में से हिस्सा दें।
- 2— इस वर्ष कोई भी कार्य शुरू करने से पहले अपने घर में दूध से भरा मिट्टी का घड़ा रखें। दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार ना करें।
- 3— बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।
- 4— दूध ना जलायें।

5— दान—पुण्य करते रहें।

मंगल ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका अपने भाईयों के साथ झगड़ा या मनमुटाव हो सकता है। अपने ही लोग आपके विरोधी हो सकते हैं। आपके मन में सांसारिक भोग और वासनात्मक रुचियों में बढ़ोत्तरी हो सकती है। आपकी संतान आपको धन हानि करा सकती है। धन संपत्ति को लेकर अपने पारिवारिक सदस्यों से आपका मनमुटाव हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मिट्टी के बर्तन में शहद या सिन्दूर भरकर रखें।
- 2— अपनी पैतृक सम्पत्ति ना बेचें।
- 3— अपने पुत्र के जन्मदिन पर साले और भान्जे को उपहार दें।
- 4— अपने बहन—बहनोई की सेवा करें।

बुध आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु आप पर हावी हो सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन भी ज्यादा सुखमय नहीं हो सकता है। इस वर्ष आपको विपरीत लिंग के व्यक्तियों से संबंध बनाने से बचना चाहिए, अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन अशांत हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर की छत पर बारिश का पानी रखें।
- 2— नितम्ब पर काला सुरमा लगायें।
- 3— घर के पूजास्थान को ना बदलें।
- 4— कुल्हड़ में शहद भरकर विराने में दबायें।
- 5— ताँबे के बर्तन में हरी मूंग भरकर जल में प्रवाहित करें।

बृहस्पति छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, धार्मिक क्रिया-कलापों में आपको विशेष रुचि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। आपके ननिहाल में भी खुशियों का माहौल होगा। इस वर्ष आपके बहुत सारे कार्य बिना मेहनत के ही पूरे हो जायेंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चने की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।
- 2— इस वर्ष अपने कुल-पुरोहित या किसी भी मंदिर के पुजारी को वस्त्र दान करें।
- 3— मुर्गियों को अनाज डालें।
- 4— दान या मुत्त की कोई भी वस्तु ना लें।

शुक्र छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में कड़वाहट रह सकती है और आपके जीवनसाथी के पैरों या पैर की एड़ियों में कष्ट हो सकता है। आपके जीवनसाथी को इस वर्ष गुप्त रोग होने की भी संभावना हो सकती है। किसी स्त्री से विवाद होने के कारण आपको आर्थिक हानि भी उठानी पड़ सकती है। इस वर्ष प्रणय संबंध में किसी मित्र के द्वारा विश्वासघात की भी संभावना है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी पत्नी को नंगे पांव ना चलने दें।
- 2— स्त्रियों का आदर करें।
- 3— ठोस चांदी अपने पास रखें।

शनि सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। इस वर्ष जीवनसाथी की अस्वस्थता और वैचारिक मतभेदों की वजह से वैवाहिक जीवन अशांत हो सकता है। आपको अपने साझेदारों पर शक नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। चिकित्सा और रसायन से संबंधित व्यापार में आपको घाटा होने की संभावना है। गुस्से की मात्रा भी इस वर्ष ज्यादा ही होगी, इसलिए सावधानी के तौर पर आपको अपने पास कोई भी हथियार आदि नहीं रखना चाहिए। इस वर्ष बुरे लोगों की संगति भी आपके लिए भारी पड़ सकती है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर विराने में दबायें।
- 2— बुरे लोगों की संगति ना करें।
- 3— डॉक्टर और केमिस्ट की संगति से बचें।
- 4— काली गाय की सेवा करें।

राहु तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक मामलों में यह वर्ष भाग्यशाली होगा। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी और आपके शत्रु इस साल दबे रहेंगे। भविष्य में घटने वाली घटनाओं का आपको पूर्वाभास हो जाएगा और आपके लेखन में तलवार जैसी ताकत होगी। सट्टे, लॉटरी इत्यादि से आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। संतान पक्ष से कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। वर्ष के अन्त में भाग्योदय से संबंधित कोई विशेष घटना घटित हो सकती है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— हाथी दांत या इससे बनी हुई वस्तुओं का व्यवसाय ना करें।
- 2— हाथी की शकल के खिलौने अपने घर में ना रखें।
- 3— चांदी की डिब्बी में चावल डालकर अपने घर में रखें।

केतु सातवें भाव में

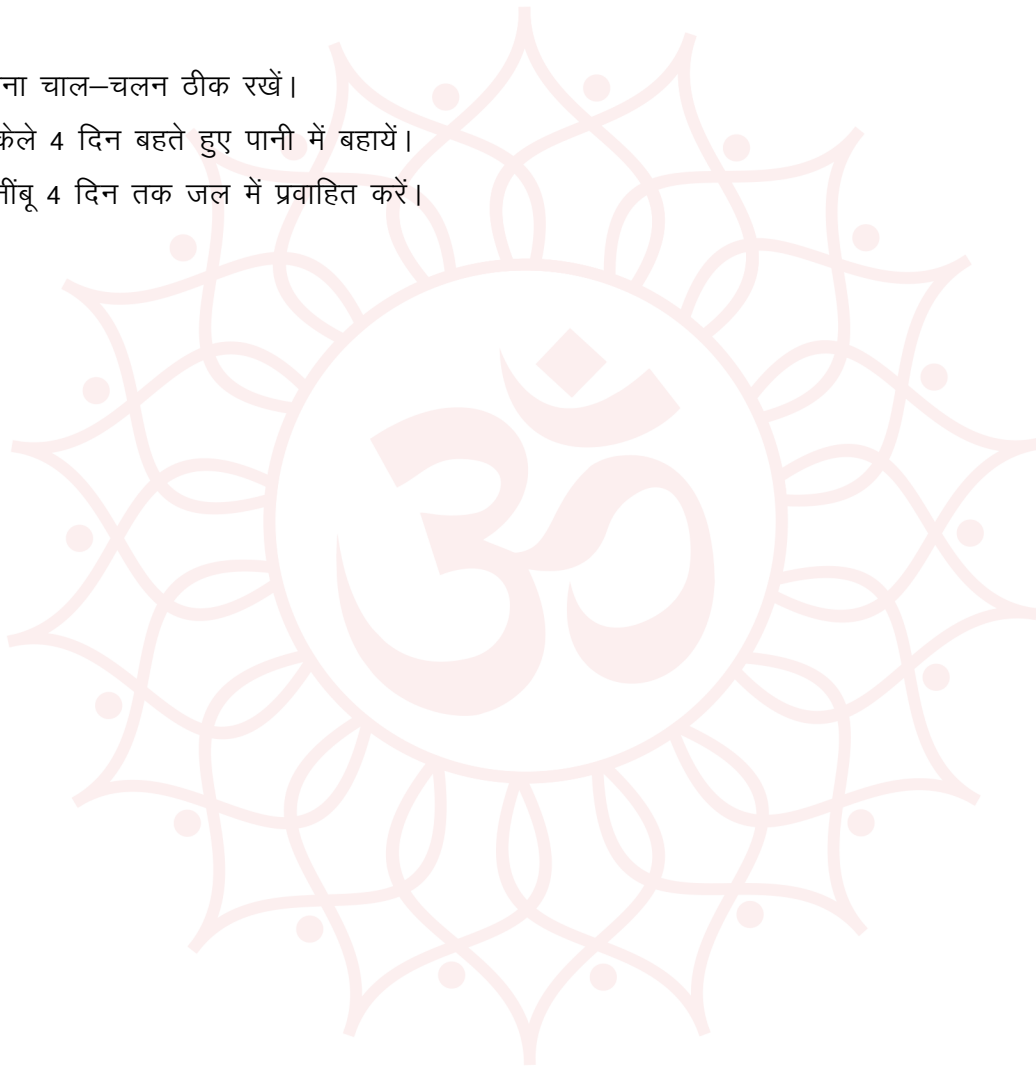
आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी धन-सम्पत्ति और मान-मर्यादा में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। पारिवारिक और मानसिक स्थिति ठीक रहेगी। आपकी संतान भी आपकी सहायता करेगी। तीर्थाटन की भी संभावना है। टेलीविजन, कम्प्यूटर इत्यादि के व्यापार में लाभ होगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

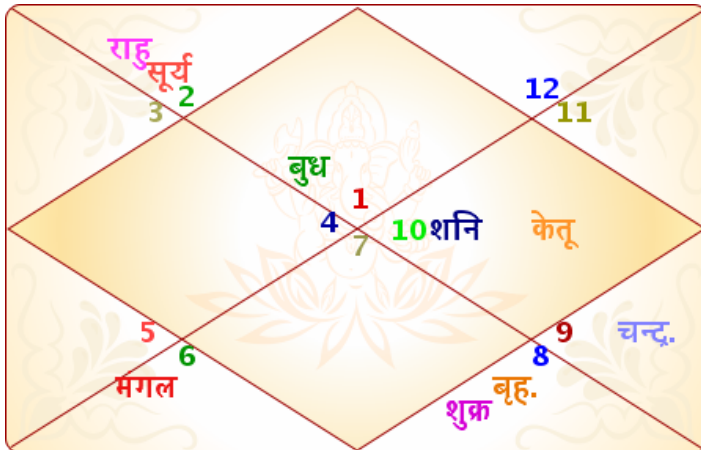
- 1— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 2— 4 केले 4 दिन बहते हुए पानी में बहायें।
- 3— 4 नींबू 4 दिन तक जल में प्रवाहित करें।



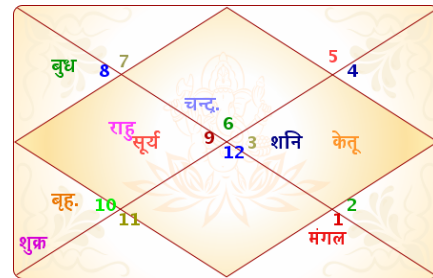
लाल किताब वर्षफल

18:12:2023--17:12:2024

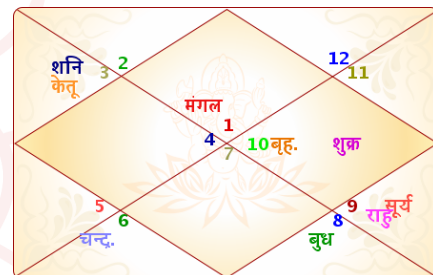
वर्षफल कुण्डली (51)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	2	5	राशि							शुभ भाव
चन्द्रमा	9	4	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	6	1, 8	राशि				हाँ		हाँ	...
बुध	1	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	8	9, 12	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शुक्र	8	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	10	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	2		राशि							अशुभ भाव
केतु	10		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	बुध	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	सूर्य, राहु	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	मंगल	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	बृहस्पति, शुक्र	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	चन्द्रमा	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	शनि, केतु	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 51

सूर्य दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप व्यर्थ के कार्यों पर अपना धन खर्च कर सकते हैं। यदि आप जमीन जायदाद संबंधी किसी मुकदमे में फंसे हुए हैं, तो आपकी हार हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष अधिक उत्तम नहीं हो सकता है। आपके भाई की पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको इस वर्ष हृदय या नेत्र से संबंधित रोगों से पीड़ित होना पड़ सकता है। अपने अधिकारियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं, आपको सावधान रहने की जरूरत है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मुत में कोई वस्तु ना लें।
- 2— दूसरों के धन पर बुरी नजर ना रखें।
- 3— धार्मिक स्थान में बादाम, नारियल और सरसों का तेल दान करें।

चन्द्रमा नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। यह वर्ष आपके लिए लम्बी एवं धार्मिक यात्राओं का सूचक है। धार्मिक क्रिया—कलापों में आपकी रुचि होगी। आध्यात्म और तंत्र—मंत्र में भी आपकी रुचि हो सकती है। भाई—बन्धुओं के साथ आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— तीर्थ यात्रा करें।
- 2— मछलियों को चावल खिलायें।
- 3— अपना चाल—चलन ठीक रखें।

मंगल छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष व्यय में अधिकता होने की वजह से आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। अनचाहे मेहमानों से भी आपको कष्ट हो सकता है। अपने भाईयों से आपका विवाद हो सकता है। व्यर्थ की यात्राओं से भी आपका मन अशांत रहेगा। इस वर्ष आपको दुख भरे गाने सुनने और गाने से परहेज करना चाहिए, जहां तक हो सके, खुशियों से भरे माहौल में रहें।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीम का वृक्ष लगायें।
- 2— रात को सिरहाने पानी रखकर सुबह किसी पेड़ की जड़ में डालें।
- 3— पितरों का श्राद्ध करें।
- 4— अपने घर में 9 मन अनाज हमेशा रखें।

बुध पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नशे इत्यादि से बचना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। विदेश यात्रा से आपको नुकसान हो सकता है। इस वर्ष आपको विवादों से भी बचने की जरूरत होगी। अपने जीवनसाथी से मनमुटाव ना करें, बल्कि समझौतावादी रूख अपनायें। आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, अन्यथा आपका पेट खराब हो सकता है। तांत्रिक क्रियाओं की ओर आपका रुझान हो सकता है। आपको इस वर्ष कोई भी कार्य बहुत सोच-समझकर करना चाहिए, नहीं तो आप अलग-थलग पड़ सकते हैं।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मांस-मदिरा का सेवन ना करें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— मछली का शिकार ना करें।
- 4— हरे कपड़े से परहेज करें।

5— अण्डे का सेवन इस वर्ष ना करें।

6— अतिथियों का सत्कार करें।

बृहस्पति आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, परिवार में किसी बुजुर्ग सदस्य का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय होगा। इस वर्ष आप बुरी अफवाहों से काफी परेशान रह सकते हैं। आपको मूत्र संबंधी रोग हो सकते हैं। इस वर्ष आपको अपनी आलस्य का त्याग पूरी तरह से करना होगा, अन्यथा बनते काम भी बिगड़ने लगेंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सोना धारण करें।
- 2— किसी धार्मिक स्थान में घी, दही, आलू, कपूर इत्यादि दान करें।
- 3— साधु—संतों को अपने घर से खाली हाथ ना जाने दें।

शुक्र आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, विदेशी संबंधों से इस वर्ष आपको लाभ हो सकता है। व्यर्थ के लड़ाई—झगड़ों से इस वर्ष आप बचे रहेंगे, मुकदमों इत्यादि में आपकी जीत होगी। नयी योजनाओं की सफलता में आपके जीवनसाथी का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आप अपने जीवनसाथी के दिए हुए सुझावों को मानेंगे, जिससे आपको फायदा होगा। किसी धनी, बुजुर्ग या रिश्तेदार की मृत्यु के पश्चात आपको धन की प्राप्ति होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
- 2— गंदे नाले में ताँबे का पैसा बहायें।
- 3— मुत में कोई भी सामान ना लें।
- 4— बछड़े वाली गाय जिसका रंग सफेद ना हो, दान करें।

शनि दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको तीर्थ यात्रा, विदेश यात्रा आदि का योग है। सरकारी कर्मचारियों या सरकार की तरफ से आपको लाभ होने की संभावना है। इस वर्ष दसवां महीना और हर महीने की दसवीं तारीख आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। धार्मिक कार्यों में भी आप रुचि लेंगे। यदि आप एक जगह बैठकर कार्य करते हैं, तो यह आपके लिए लाभदायक रहेगा।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— शराब और मछली का सेवन नहीं करना चाहिए।
- 2— किसी प्रकार का हथियार अपने पास ना रखें।
- 3— भागने-दौड़ने का कार्य ना करें।

राहु दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष जुआ, लॉटरी और शेयर इत्यादि से धन हानि हो सकती है। अपने ससुराल पक्ष के लोगों से मधुर संबंध बनाए रखें। किसी धार्मिक स्थान में चोरी के इल्जाम में आपको फंसाया जा सकता है। दान या मुत्त में कोई भी वस्तु ना लें। अपना व्यवहार संयमित रखें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गले में चांदी की गोली धारण करें।
- 2— किसी धार्मिक स्थान में ना रहें।
- 3— केसर या हल्दी का सेवन करें।

केतु दसवें भाव में

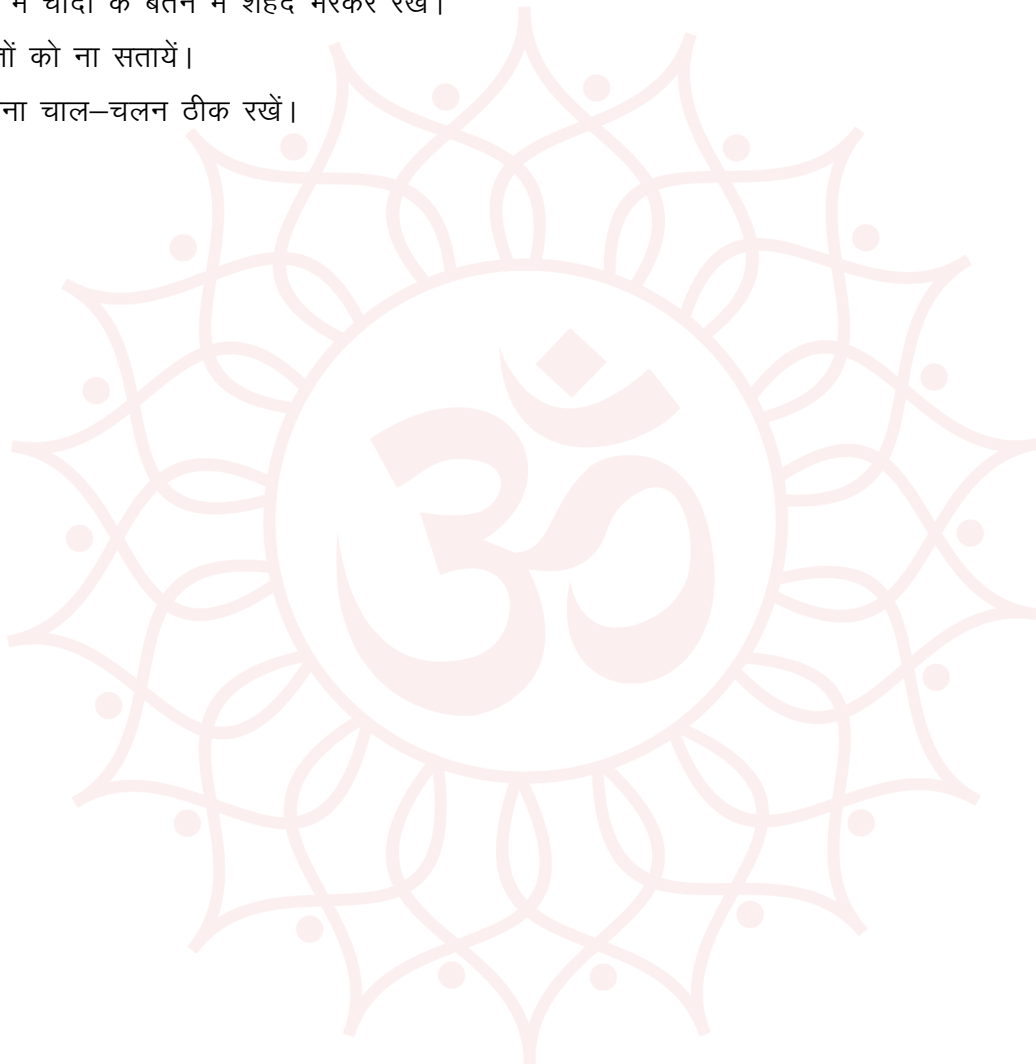
आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी धन-सम्पत्ति और मान-मर्यादा में चतुर्दिक वृद्धि होगी। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आराम के साधनों में वृद्धि होगी, परन्तु आपका स्वभाव थोड़ा शंकालु हो सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। आपको उनकी देखभाल करनी चाहिए।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

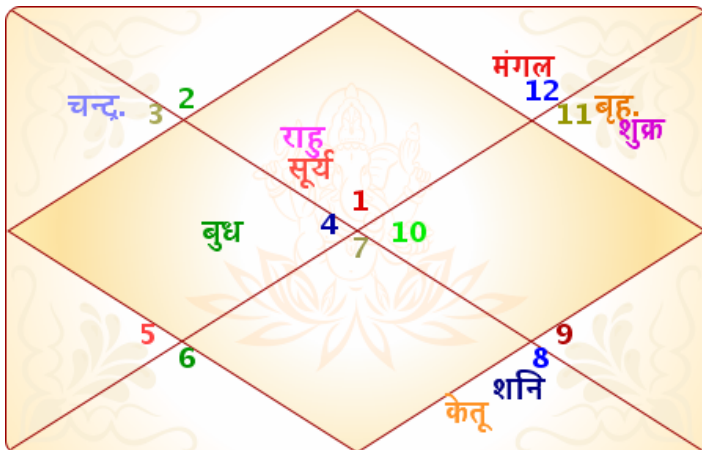
- 1— घर में चांदी के बर्तन में शहद भरकर रखें।
- 2— कुत्तों को ना सतायें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।



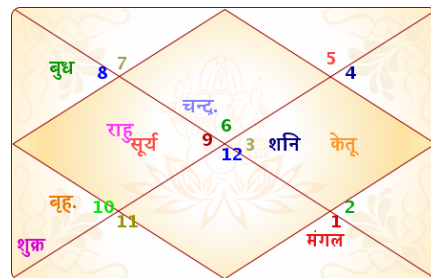
लाल किताब वर्षफल

18:12:2024--17:12:2025

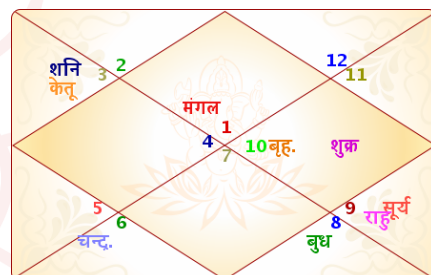
वर्षफल कुण्डली (52)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	1	5	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
चन्द्रमा	3	4	राशि				हाँ			शुभ भाव
मंगल	12	1, 8	राशि						हाँ	शुभ भाव
बुध	4	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	11	9, 12	ग्रह	हाँ	हाँ					...
शुक्र	11	2, 7	राशि						हाँ	...
शनि	8	10, 11	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
राहु	1		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	8		राशि				हाँ			...

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	सूर्य, राहु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	चन्द्रमा	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	बुध	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध, केतु	हाँ	बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	शनि, केतु	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	बृहस्पति, शुक्र	शनि	शनि				बृहस्पति
12	मंगल	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 52

सूर्य पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नौकरी/कारोबार में विफलता हाथ लग सकती है या हानि उठाना पड़ सकता है। इस वर्ष जो भी नया कार्य शुरू करेंगे उसमें आपको अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ष ऋण लेने की स्थिति भी बन सकती है। आपका और आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। अपनी पत्नी और संतान से अलगाव भी संभव है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मांस मदिरा का सेवन ना करें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— सूर्य को मीठे जल का अर्घ्य दें।

चन्द्रमा तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी मानसिक और पारिवारिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ होगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। इस वर्ष आपको पर्यटन और भ्रमण करने की तीव्र लालसा होगी और आप कई व्यवसायिक यात्रायें भी करेंगे। अपने हाथ में लिए हुए कार्यों को आप सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— खाने-पीने के लिए चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
- 2— दुर्गा पूजन करवाएं।
- 3— अपनी कन्या संतान के पैसे का उपयोग ना करें।

मंगल बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। दवाइयों इत्यादि पर भी आपको अनावश्यक व्यय करने की आवश्यकता पड़ सकती है। आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता होगी। गृहस्थ जीवन भी अधिक सुखमय नहीं हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मीठी रोटी का सेवन करें और कुत्तों को भी खिलायें।
- 2— धर्मस्थान में बताशें दान करें।
- 3— सुबह शहद का सेवन करें।
- 4— सिर को लाल कपड़े से ढक कर रखें।

बुध चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके ससुराल पक्ष के लोगों की वजह से गृहस्थ जीवन में अशांति हो सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है। यदि आप इस वर्ष बहन, बुआ या बेटी से धन लेकर कोई व्यापार करते हैं, तो उसमें आपको घाटा हो सकता है। हृदय से संबन्धित परेशानियों का आपको सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बन्दरों को गुड़ खिलायें।
- 2— हरे रंग की वस्तुओं एवं कपड़ों का प्रयोग ना करें।
- 3— खाकी धागे में ताँबे का पैसा डालकर गले में पहनें।
- 4— 101 पलाश के पत्तों को दूध में धोकर बहते हुए पानी में बहायें।
- 5— हल्दी या केसर का तिलक लगायें।

बृहस्पति ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु भी शत्रुता छोड़कर मित्रता का हाथ बढ़ायेंगे। आप गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे। धार्मिक क्रिया—कलापों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। यदि आप विवाहित हैं, तो पुत्र प्राप्ति का भी योग है। आपके पिता और दादा आपकी सहायता करेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव डालने में सक्षम होंगे। आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए अत्यंत उत्तम है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— पीला रुमाल अपने पास रखें।
- 2— शमशान में माथा टेकें और ताबें का पैसा गिरायें।
- 3— अण्डे का सेवन बिल्कुल ना करें।
- 4— अपने पिता का बिस्तर इत्यादि इस्तेमाल में लायें।
- 5— इस वर्ष घर में पूजा स्थान ना बनायें।

शुक्र ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए आर्थिक समृद्धि का वर्ष है। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आपके जीवनसाथी का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप विवाहित हैं और आपकी पत्नी गर्भवती हैं, तो आपको कन्या की प्राप्ति हो सकती है। आपके मन में धार्मिक प्रवृत्तियों का विकास होगा, परन्तु मन में उथल-पुथल रहेगी। आपके ससुराल पक्ष के लोग आपके प्रति सहयोगी रहेंगे। आपकी बहन या साली भी आपका आर्थिक रूप से सहयोग करेगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सरसो के तेल का दान करें।
- 2— इस वर्ष अपनी मां या पत्नी को घर की आर्थिक स्थिति संभालने का दायित्व ना दें।
- 3— अपनी नौकरी/व्यवसाय जल्दी-जल्दी ना बदलें।
- 4— द्वयदि आपका इस वर्ष विवाह हो रहा है, तो सफेद गाय का दान करें।

शनि आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी, शेयर इत्यादि में पैसा नहीं लगाना चाहिए। इस वर्ष आपके मकान में तोड़-फोड़ हो सकती है। बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नंगे पैर ना नहायें।
- 2— अपने नाम पर इस वर्ष कोई मकान ना खरीदें।
- 3— चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
- 4— आठ किलो काले उड़द की दाल जल में प्रवाहित करें।

राहु पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव आ सकता है। कोई बड़ी योजना पूरी होते-होते कठिनाइयों की वजह से रूक सकती है। आपको धार्मिक कार्यों में रुचि नहीं हो सकती है और अपने उपर आपका नियंत्रण खत्म हो सकता है। घूस लेने आदि का इल्जाम आपके उपर लग सकता है। आपको इस वर्ष काले और नीले कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में गेहूं, गुड़ और ताँबे का दान करें।
- 2— खाने-पीने में विशेष सावधानी बरतें।
- 3— बिजली के उपकरण किसी से भी मुत में ना लें।
- 4— नहाने से पहले दूध से अपने शरीर की मालिश करें।

केतु आठवें भाव में

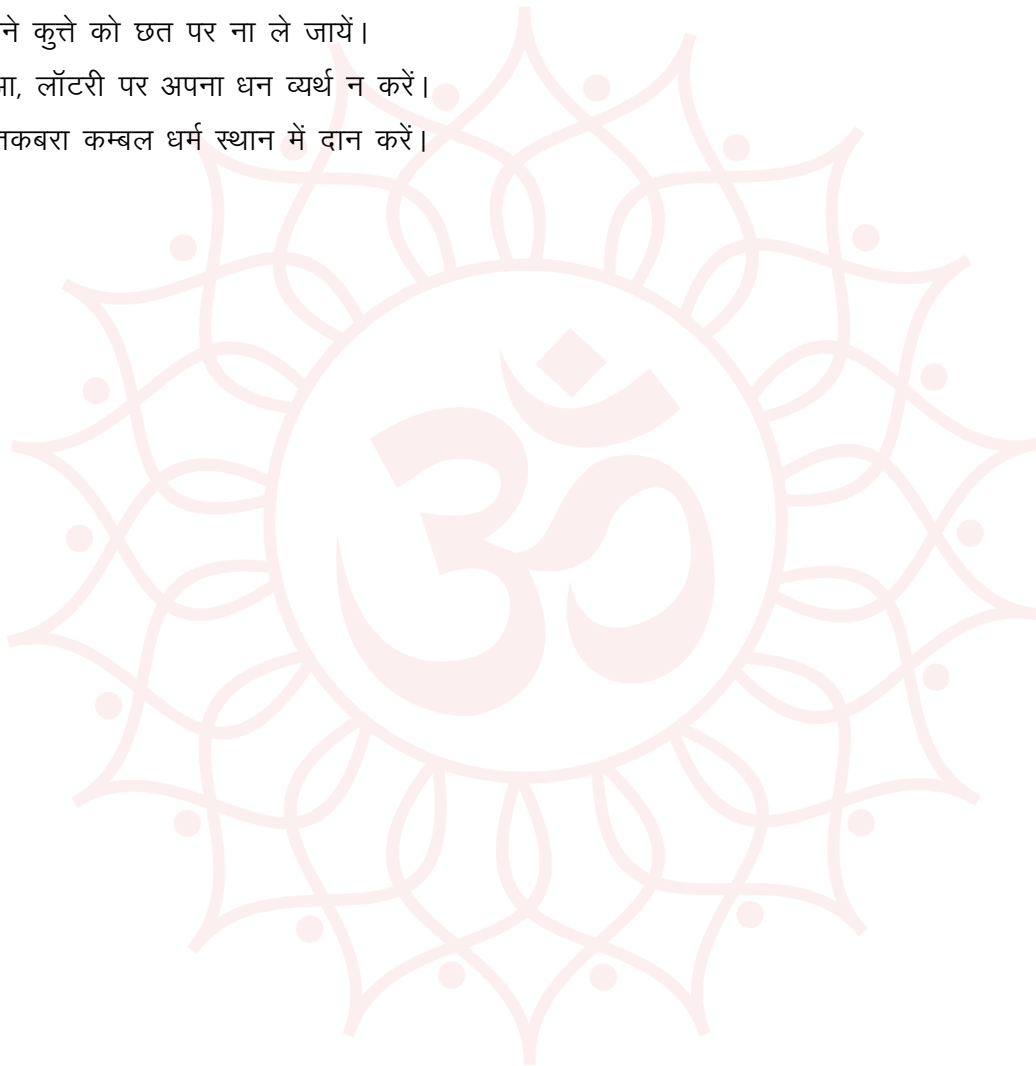
आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल-चलन ठीक रखना चाहिए और मांस-मदिरा के सेवन से बचना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर बुरा असर पड़ेगा। दूसरों के सामने अपना राज ना खोलें। यात्रा भी व्यर्थ साबित होगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

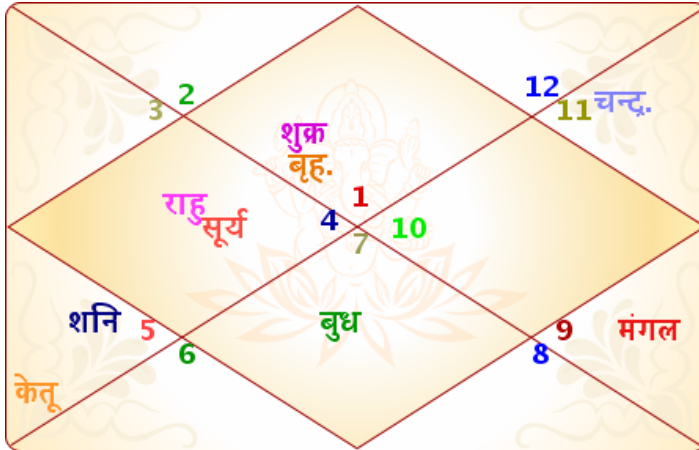
- 1— अपने कुत्ते को छत पर ना ले जायें।
- 2— जुआ, लॉटरी पर अपना धन व्यर्थ न करें।
- 3— चितकबरा कम्बल धर्म स्थान में दान करें।



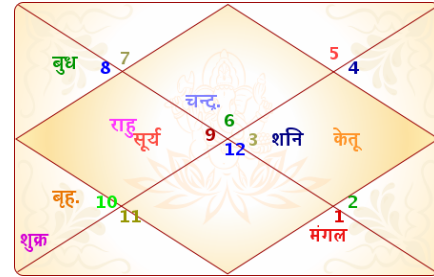
लाल किताब वर्षफल

18:12:2025--17:12:2026

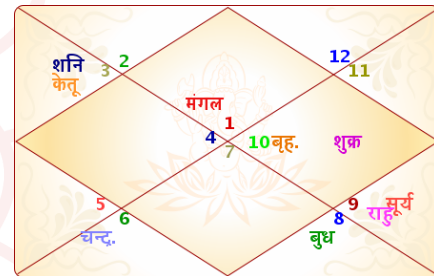
वर्षफल कुण्डली (53)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	4	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	11	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	9	1, 8	राशि						हाँ	शुभ भाव
बुध	7	3, 6	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	1	9, 12	राशि							शुभ भाव
शुक्र	1	2, 7	राशि							अशुभ भाव
शनि	5	10, 11	राशि							अशुभ भाव
राहु	4		राशि					हाँ	हाँ	शुभ भाव
केतु	5		राशि				हाँ			शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	बृहस्पति, शुक्र	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति	हाँ	चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4	सूर्य, राहु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	शनि, केतु	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध, केतु	हाँ	बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	बुध	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	मंगल	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	चन्द्रमा	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति	हाँ	शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 53

सूर्य चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस आपको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। सोने या धन की चोरी हो सकती है। अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं, जिसकी वजह से आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अंधों को भोजन कराएं।
- 2— मांस मदिरा का सेवन न करें।
- 3— अपने ससुराल से बिजली के सामान, खिलौने और मशीनरी इत्यादि ना लें।
- 4— बुआ के लड़के की सेवा करें।
- 5— मछली का शिकार ना करें।
- 6— गले में ताँबे का पैसा पहनें।

चन्द्रमा ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको किसी स्त्री के सहयोग से विशेष लाभ होगा। आप मनोरंजन और आराम के साधनों का क्रय कर सकते हैं। कृषि संबंधित कार्यों से आपको लाभ हो सकता है। आध्यात्मिकता की तरफ आपका झुकाव हो सकता है। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कन्या संतान की तरफ से आपको शुभ समाचारों की प्राप्ति हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दिन में कोई भी दान ना करें।
- 2— शुक्रवार के दिन विवाह समारोह में ना जायें।

3— 121 पेड़े जल में प्रवाहित करें।

4— दूध का दान करें।

मंगल नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके माता-पिता का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। आपका स्थान परिवर्तन हो सकता है। आपके लिए व्यावसायिक परिस्थितियाँ भी मनोनुकूल नहीं हो सकती हैं। मेहमानों के आने-जाने से भी आपका व्यय बढ़ सकता है। इस वर्ष पिता के साथ आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि घट सकती है और गलत संगत में पड़ने के कारण आप बदनाम भी हो सकते हैं।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने पास लाल रंग का रुमाल सदैव रखें।
- 2— धार्मिक स्थान में चावल, दूध और गुड़ का दान करें।
- 3— अपनी भाभी की सेवा करें।
- 4— अपने भाईयों से झगड़ा ना करें।
- 5— चितकबरे कुत्ते की सेवा करें।

बुध सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप अपने जीवनसाथी अथवा अन्य स्त्रियों से संबंधित किसी कार्य से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त करेंगे। इस वर्ष लकड़ी आदि के व्यापार से भी आपको बड़ी कमाई हो सकती है। इस वर्ष आप किसी विदेश यात्रा या किसी विदेशी संबंध से भी धन प्राप्त कर सकते हैं। अपने परिवार में भी मान-सम्मान प्राप्त होगा। सामान्यतः स्त्रियों से आपको इस वर्ष विशेष सहायता और सहयोग की प्राप्ति होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
- 2— हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।

3— घर में हरी घास रोपें।

बृहस्पति पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष शिक्षा से संबंधित कार्यों में विशेष रुचि होगी और इससे लाभ भी प्राप्त होगा। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। आपके पिता और दादा के मान-सम्मान में वृद्धि होगी। दूसरों के प्रति आपका व्यवहार भी काफी शालीन और मधुर होगा। आप अपने गुरुजनों और साधु-संतों की सेवा करेंगे। आपको सरकार की तरफ से सहयोग और सहायता प्राप्त होगी।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी से भी मुत में कोई उपहार या दान ना लें।
- 2— केसर या हल्दी का तिलक लगायें।
- 3— अपने से बड़ों का अशीर्वाद लें।
- 4— पुष्कर जी में कार्तिक पूर्णिमा को स्नान करें।

शुक्र पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप अपने कपड़ों और साज-सजावट पर विशेष ध्यान देंगे। आप दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। आप अपने हमउम्र लोगों में बहुत अधिक प्रसिद्ध होंगे। इस वर्ष आपको भूमि, भवन इत्यादि की प्राप्ति भी हो सकती है। इस वर्ष आप कोई व्यापारिक योजना की शुरुआत कर सकते हैं।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— ससुराल से शुद्ध चांदी लें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
- 4— अपने बचे हुए खाने को पक्षियों या जानवरों को खिलायें।

5— सरसो, जौ अथवा हरा चारा दान करें।

शनि पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको मानसिक तनाव हो सकता है। संतान पक्ष से कष्ट और मकान के बारे में चिन्तायें बढ़ सकती हैं। समाज में आपकी मान-मर्यादा में कमी आ सकती है। धन के अपव्यय से मानसिक खिन्नता हो सकती है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में दस बादाम चढ़ायें और उनमें से आधा घर ले आयें।
- 2— काला सूरमा घास-फूस के छप्पर में दबायें।
- 3— अपने पास सोना और केसर रखें।
- 4— सांप को दूध पिलायें।
- 5— इस वर्ष मांस-मदिरा या मछली का सेवन करें।

राहु चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल-चलन ठीक रखना होगा, अन्यथा धन हानि हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं और आपकी पत्नी गर्भवती हैं, तो आपको विशेष ख्याल रखना चाहिए। अपने अनुमान के आधार पर पैसे का निवेश नहीं करें, अन्यथा आपको घाटा हो सकता है। हवाई किले ना बनाएं।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर की छत ना बदलें।
- 2— घर की छत पर कोयले की बोरियां ना रखें।
- 3— पैखाने की जगह ना बदलें।

केतु पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको गलत लोगों की संगति से बचना चाहिए, अन्यथा आप पर बुरा असर होगा। आपको इस वर्ष सांस की बीमारियों से परेशानी हो सकती है। अपने पिता या गुरुजनों से झगड़ा हो सकता है। व्यर्थ की कुछ यात्राएं संभव हैं।

वर्षफल में केतु का उपाय

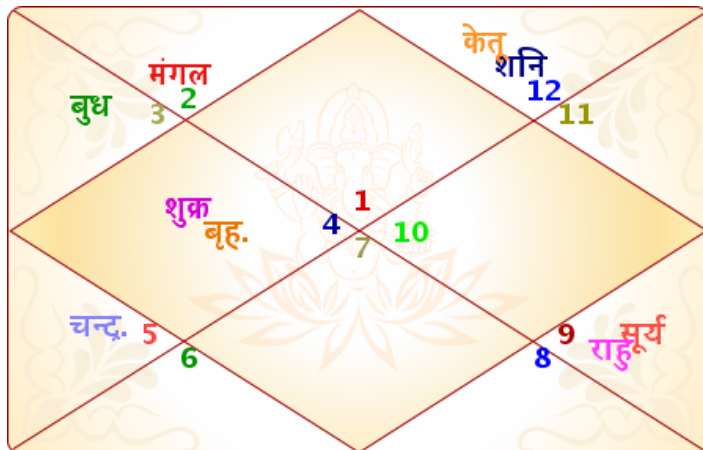
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गलत लोगों की संगत ना करें।
- 2— अपने घर में बक्सों या आलमारियों में हमेशा ताला लगाकर ना रखें। समय-समय पर ताला खोलते रहें।
- 3— चावल, दूध या लाल मसूर की दाल दान करें।
- 4— अपने भोजन का एक हिस्सा कुत्तों को खिलायें।
- 5— सूर्य को मीठा डालकर अर्घ्य दें।

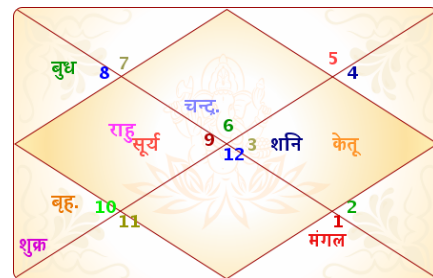
लाल किताब वर्षफल

18:12:2026--17:12:2027

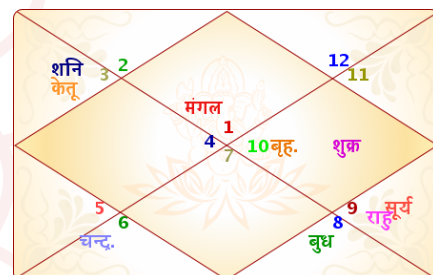
वर्षफल कुण्डली (54)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	9	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	5	4	राशि			बृहस्पति	हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	2	1, 8	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	3	3, 6	ग्रह		हाँ				हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	4	9, 12	ग्रह			चन्द्रमा			हाँ	शुभ भाव
शुक्र	4	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शनि	12	10, 11	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	9		ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
केतु	12		ग्रह		हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	मंगल	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बुध	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	बृहस्पति, शुक्र	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	चन्द्रमा	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध	हाँ	शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	सूर्य, राहु	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12	शनि, केतु	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 54

सूर्य नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप लॉटरी, सट्टा, शेयर आदि के कारोबार से जुड़े हुए हैं, तो यह वर्ष आपके लिए शुभ नहीं है। आपको परदेश में कष्टपूर्ण स्थितियों में रहना पड़ सकता है। अपनों से आपके सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं, परिवारजनों से जमीन-जायदाद की वजह से लड़ाई-झगड़ा हो सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर में खाने-पीने के लिए पीतल के बर्तन का प्रयोग करें।
- 2— दूध, चांदी, चावल आदि वस्तुओं का दान ना लें, ना दें।
- 3— ज्यादा गुस्सा ना करें।

चन्द्रमा पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपना व्यापार साझेदारी में कर रहे हैं, तो उसमें मतभेद होने की संभावना है। इलेक्ट्रानिक सामानों या कम्प्यूटर संबंधी कारोबार में हानि हो सकती है। पेट से संबन्धित रोग पूरे साल आपको परेशान कर सकते हैं।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— धार्मिक स्थानों की यात्रा करें।
- 2— कोई भी कार्य करने से पहले दूसरों से सलाह लें।
- 3— पर्वतीय स्थानों की यात्रा करें।
- 4— लालची या खुदगर्ज ना बनें।

मंगल दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष गले से संबंधित रोग परेशान कर सकते हैं। अपने भाईयों से आपका विवाद हो सकता है। इस वर्ष आप ऐशो-आराम की वस्तुओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं। आपको सट्टे, लॉटरी और जुए आदि की आदतों से बचकर रहना होगा, अन्यथा आपको हानि हो सकती है। यदि आप अपने भाइयों को धोखा देंगे, तो घाटे में रहेंगे। यदि आप अपने परिवार में सबसे छोटे भाई हैं, तो आपकी परेशानियों में और वृद्धि हो सकती है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर में मृगछाला रखें।
- 2— चांदी की अंगुठी पहनें।
- 3— अपने भाई बहनों से मनमुटाव ना करें।
- 4— अपनी जेब में लाल रुमाल रखें।
- 5— घर में आए मेहमानों की खातिरदारी करें।
- 6— मीठे भोजन का सेवन करें।

बुध तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप ज्वर आदि से पीड़ित हो सकते हैं। आपको जुआ, सट्टा, लॉटरी इत्यादि से इस वर्ष बचकर रहना चाहिए। इस वर्ष यात्रायें भी आपको अधिक फायदा नहीं पहुंचायेंगी। इस वर्ष आपको पारिवारिक कलह का सामना करना पड़ सकता है। आपकी बहन, बुआ, बेटी पर भी बुध का अशुभ प्रभाव हो सकता है। आपको जीभ से संबंधित रोग हो सकते हैं। यदि आप अपनी बहन, बुआ या बेटी से धन लेकर कोई व्यापार शुरू करते हैं तो उसमें आपको घाटा हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— रात को हरी मूंग भिंगोकर सुबह उसे पक्षियों को खिलायें।
- 2— फिटकरी से दांत साफ करें।

- 3— दुर्गा पूजन करायें।
- 4— 9 वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को भोजन करायें एवं उनका आशीर्वाद लें।
- 5— दमा की दवाईयां मरीजों में मुत बाटें।
- 6— विधवा औरतों से सम्बन्ध ना रखें।

बृहस्पति चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको गलत व्यसनो से इस वर्ष बच कर रहना होगा, अन्यथा शिक्षा अथवा शिक्षणेत्तर कार्यो में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपने चाल-चलन पर भी विशेष ध्यान देना होगा। अपने पिता और दादा के साथ आपके संबंधों पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी के सामने नंगे बदन ना रहें।
- 2— अपने घर में टूटे हुए खिलौने ना रहने दें।
- 3— पीपल के वृक्ष में पानी दें।
- 4— गलत संगति से बचें।
- 5— अपने कुल-पुरोहित की सेवा करें।
- 6— किसी भी धार्मिक स्थान में चार किलो चने की दाल दान करें।

शुक्र चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी पारिवारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अपने जीवनसाथी के अतिरिक्त दूसरी औरतों से भी आपके प्रेम संबंध बन सकते हैं। आपको अपने मामा अथवा मौसी से आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। भूमि और भवन के मामलों में भी आप भाग्यशाली सिद्ध होंगे। आपके रहन-सहन के स्तर में भी वृद्धि होगी। आपको स्त्रियां भायेंगी तथा सौन्दर्य-वर्धक और सुगंधित वस्तुओं के व्यापार में काफी सफलता प्राप्त होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी

चाहिए।

- 1— आड़ू की गुठली में सूरमा भरकर जमीन में दबायें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— इस वर्ष प्रेम विवाह ना करें।
- 4— घर की छत पर कीचड़ का लेप करें।

शनि बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके उपर आर्थिक दबाव कम होगा। बन्धु-बान्धवों से सहायता प्राप्त होगी। इस वर्ष आप अपना धन शुभ कार्यों पर खर्च करेंगे। मुकदमों इत्यादि में आपकी विजय होगी। मानसिक और पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। मांस-मदिरा और मछली का सेवन प्रायः वर्जित है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— शराब और मछली का सेवन ना करें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— ताँबे के बर्तन का उपयोग करें।
- 4— काले कीड़ों को तिलचौरी डालें।
- 5— लकड़ी की चारपाई पर ना सोयें।

राहु नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष शत्रु परेशान करते रहेंगे। यदि आप सांस के रोगों से ग्रसित हैं, तो यह वर्ष आपके लिए और भी बुरा हो सकता है। आपको इस वर्ष चोरी का कोई भी सामान नहीं खरीदना चाहिए। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेना आपके लिए लाभप्रद होगा।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आपको घर के अन्दर भट्ठी, पानी की टंकी नहीं बनवानी चाहिए।
- 2— लड़ाई—झगड़ों से बचें।
- 3— साधु—संतों की संगत करें।
- 4— अपना चाल—चलन ठीक रखें।
- 5— शरीर पर सोना धारण करें।

केतु बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपने व्यापार में सही फैसले नहीं लेंगे, तो ऋण लेने की संभावना बन जाएगी और आपको इसके लिए जायदाद गिरवी रखनी पड़ सकती है। आपको इस वर्ष लड़ाई—झगड़ों से सर्वथा बचना चाहिए, अन्यथा आपकी प्रगति में बाधा आएगी। आपको कुत्तों से सावधान और सचेत रहने की जरूरत है। आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता हो सकती है।

वर्षफल में केतु का उपाय

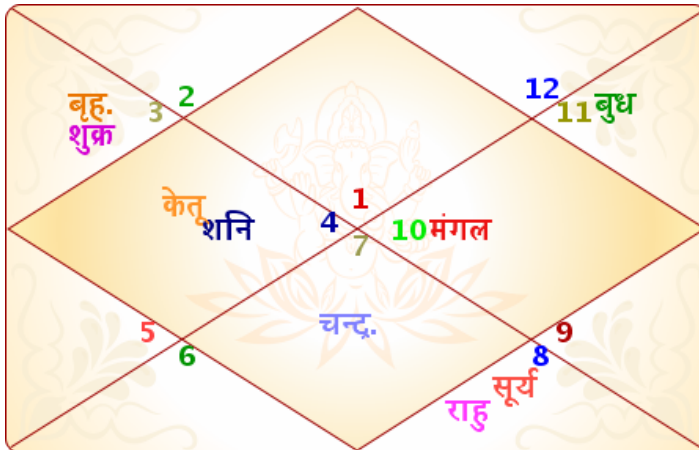
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दूध में अंगूठा डालकर चूसें।
- 2— अपनी बहन और बहनोई की सेवा करें।
- 3— अपना चाल—चलन ठीक रखें और दूसरों को धोखा ना दें।

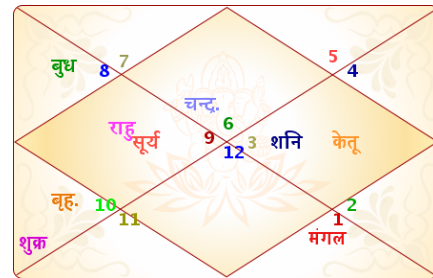
लाल किताब वर्षफल

18:12:2027--17:12:2028

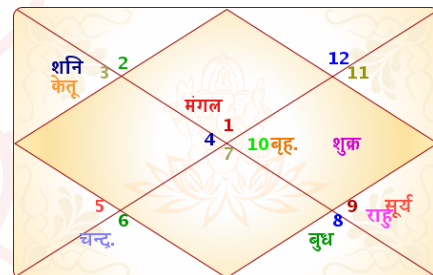
वर्षफल कुण्डली (55)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	8	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	7	4	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	10	1, 8	ग्रह						हाँ	शुभ भाव
बुध	11	3, 6	राशि						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	3	9, 12	राशि							शुभ भाव
शुक्र	3	2, 7	राशि				हाँ			शुभ भाव
शनि	4	10, 11	राशि							अशुभ भाव
राहु	8		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	4		राशि				हाँ	हाँ		

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बृहस्पति, शुक्र	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	शनि, केतु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध, केतु	हाँ	बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	चन्द्रमा	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	सूर्य, राहु	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	मंगल	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	बुध	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 55

सूर्य आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप हृदय और नेत्र संबंधित रोगों से परेशान हो सकते हैं। मशीनरी संबंधित व्यवसाय में घाटा हो सकता है। स्त्रियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मांस मछली का सेवन न करें।
- 2— बहते हुए पानी में गुड़ बहायें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 4— बड़े भाई की सेवा करें।
- 5— बुरे कार्य करने से बचें।
- 6— गाय की सेवा करें।

चन्द्रमा सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम है। आपको इस वर्ष ससुराल से लाभ हो सकता है। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आप सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आयात-निर्यात से संबंधित व्यवसाय में आपको लाभ होगा।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दूध ना जलायें।
- 2— ससुराल से चांदी लें।
- 3— दूध का व्यापार ना करें।

4— अपना चाल-चलन ठीक रखें।

मंगल दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके बनते हुए कार्यों में बाधाएँ उत्पन्न हो सकती हैं। अकारण ही आपकी बदनामी हो सकती है, आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत है। इस वर्ष आपको उच्च रक्तचाप की शिकायत हो सकती है। आपको बहुत अधिक नमकीन वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए। यदि आप अपने घर का सोना बेचते हैं, तो आपके संतान पर इसका बुरा असर होगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— हिरण पालें।
- 2— निःसंतान व्यक्ति की सेवा करें।
- 3— दूध उबल कर चूल्हे पर ना गिरने दें।

बुध ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको परीक्षा/प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष प्रत्येक बुधवार का 3 से 5 बजे शाम का समय आपके लिए अत्यन्त शुभ होगा। अपनी बुद्धि और विवेक से आप बड़ी मात्रा में धन प्राप्त करेंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपका कोई समृद्ध रिश्तेदार आपकी मदद के लिए आगे आयेगा। पुत्र के धन एवं सम्मान में वृद्धि होगी। आपको इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होने की भी संभावना है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गले में ताँबे का पैसा सफेद या खाकी धागे में पहनना चाहिए।
- 2— घर में चौड़े पत्ते वाले पौधे ना लगायें।
- 3— अपना मकान किराये पर ना दें।
- 4— तोता पालें।
- 5— किसी भी साधु-फकीर से ताबीज इत्यादि ना लें।

बृहस्पति तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे बृहस्पति के अशुभ प्रभाव में कमी आएगी। आपको गलत तरीके से धन प्राप्ति से बचना चाहिए। आपको पीपल के पेड़ को नहीं काटना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दुर्गा पूजा करें।
- 2— हल्दी या केसर का तिलक करें।
- 3— पीपल के पेड़ की सेवा करें।
- 4— धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।

शुक्र तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नृत्य-संगीत में अधिक रुचि नहीं लेनी चाहिए। आपको अपने चाल-चलन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में खटास आ सकती है। आपकी संतान का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी पत्नी से मधुर संबंध बनाकर रखें।
- 2— पैतृक घर की दहलीज को नष्ट ना करें।
- 3— संयमित जीवन व्यतीत करें।
- 4— घर में खराब टी.वी., रेडियो को मरम्मत करवा कर रखें।

शनि चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष मछली का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए और शराब इत्यादि मादक पदार्थों से दूर रहना चाहिए। आपको हृदय से संबंधित परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है। पिता से आपके संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है। यदि आप राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं, तो आपके प्रयास विफल हो सकते हैं।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कुएं में दूध गिराये।
- 2— अपने भोजन में से एक हिस्सा मछलियों, कौओं या भैंस को खिलायें।
- 3— इस वर्ष काले कपड़े ना पहनें।
- 4— हरे रंग से बचें।
- 5— 4 पैक शराब जल में प्रवाहित करें।

राहु आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी। चोरी आदि की घटनाओं से धन हानि हो सकती है। ऋण की अधिकता से आपका मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है। गलत लोगों की संगति आपके लिए घातक हो सकती है। आपके जन्मदिन से आठवें महीने में आपके लिए परेशानियाँ और भी बढ़ सकती हैं। बिजल संबंधी कार्य आपको घाटे में डाल सकते हैं।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
- 2— दक्षिणमुखी मकान में न रहें।
- 3— लकड़ी का कोयला अपने मकान में न रहने दें।
- 4— 43—43 बादाम किसी धार्मिक स्थान में अपने जन्मदिन से आठवें महीने के शुरू होते ही चढ़ायें और उसमें से 43 बादाम घर लाकर सफेद बटुए में रखें।

केतु चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, अन्यथा आपको मधुमेह संबंधी रोग होने की भी संभावना बन सकती है। इस वर्ष अपने कुल पुरोहित से अपना संबंध मधुर बनाकर रखना चाहिए। कुत्ते के काटने की भी संभावना हो सकती है, अतः आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

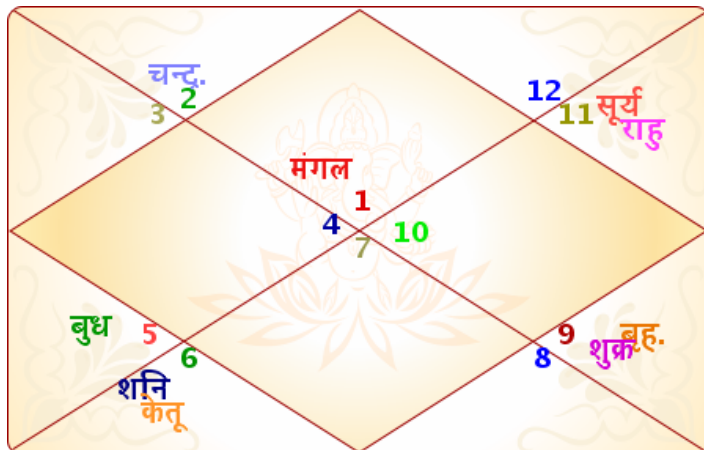
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में हल्दी, केसर या चने की दाल दान करें।
- 2— कुत्तों को ना मारें।
- 3— कुल-पुरोहित की सेवा करें।

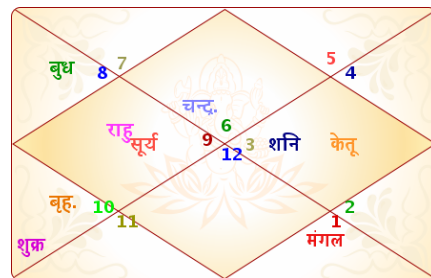
लाल किताब वर्षफल

18:12:2028--17:12:2029

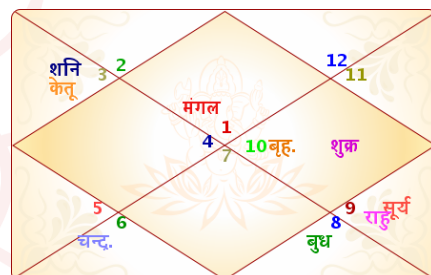
वर्षफल कुण्डली (56)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	11	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	2	4	ग्रह		हाँ		हाँ			शुभ भाव
मंगल	1	1, 8	ग्रह		हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	5	3, 6	राशि				हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	9	9, 12	ग्रह	हाँ	हाँ					शुभ भाव
शुक्र	9	2, 7	राशि						हाँ	अशुभ भाव
शनि	6	10, 11	राशि							अशुभ भाव
राहु	11		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	6		ग्रह	हाँ						अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	मंगल	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	चन्द्रमा	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बुध	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	शनि, केतु	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	बृहस्पति, शुक्र	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि	हाँ	मंगल	बृहस्पति	शनि
11	सूर्य, राहु	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 56

सूर्य ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत है, अन्यथा दुर्घटना हो सकती है। आपके साले का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। आपके रिश्तेदार आपके धन का अपव्यय कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं हो सकता है। अपने पिता से आपके संबंध पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। पदोन्नति में बाधाएं आ सकती हैं। सरकारी कार्यों में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— 43 दिन तक रेत पर बिस्तर बिछाकर सोयें।
- 2— मांस-मछली का सेवन ना करें।
- 3— रात को अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें।
- 4— झूठ ना बोलें।

चन्द्रमा दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नजला, मधुमेह तथा गुप्तरोगों से पीड़ित होना पड़ सकता है। आपके मन में मांस-मदिरा और शराब का सेवन करने की तीव्र लालसा हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा सकती है तथा पुत्र से मनमुटाव हो सकता है। गलत प्रेम संबंधों के चक्कर में आपकी बदनामी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर के मंदिर में मूर्तियों की स्थापना ना करें।
- 2— दस वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को हरे रंग का कपड़ा दान करें।
- 3— बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।

4— माता से चावल, चांदी का दान लेकर अपने पास रखें।

मंगल पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको लोहा, लकड़ी एवं मशीनरी इत्यादि के कारोबार से लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपमें उत्साह और उत्तेजना की मात्रा ज्यादा होगी। इस वर्ष आप कोई भी कार्य भव्य तरीके से करेंगे। भाई-बन्धुओं का आपको सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बहन के लिए भी यह वर्ष शुभ फलदायी है। आपका व्यवहार बुरे लोगों के साथ भी मधुर रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बुरे कार्यों और झूठ बोलने से बचें।
- 2— अपनी उम्र के व्यक्ति के साथ साझेदारी का कारोबार करें।
- 3— मुत में कोई भी उपहार ना लें।
- 4— हाथी दांत की वस्तुएं अपने घर ना ले आयें।
- 5— द्दयदि आपके बड़े भाई हैं, तो लाल रुमाल अपने पास रखें।

बुध पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। आप गुप्त विद्याओं और ज्योतिष जैसे विषयों में गहरी रुचि दिखायेंगे। इस वर्ष आप गंभीर होकर अपने नौकरी/कारोबार में मन लगायेंगे। आपको इस वर्ष अचानक ही धन लाभ होगा और आपकी कही भविष्यवाणियां सत्य होंगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बायें हाथ में चांदी का छल्ला पहनें।
- 2— कमर में बेल्ट का प्रयोग करें।
- 3— गले में ताँबे का पैसा पहनें।
- 4— अपने घर में पूजा का स्थान ना बदलें।

5— घर की छत पर वर्षा का जल एकत्रित करें।

बृहस्पति नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धार्मिक स्थानों की यात्रा का योग है। धर्म—कर्म के कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर के बुजुर्ग सदस्य आपकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। ज्योतिष और आध्यात्म जैसे विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी। सोन—चांदी के व्यापार से विशेष लाभ हो सकता है। आप अपने किए हुए वादों को निभाने की स्थिति में होंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गंगा स्नान करें।
- 2— धार्मिक क्रिया—कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
- 3— अपने किए हुए वादों को निभायें।

शुक्र नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने व्यापार में पिता अथवा दादा से भरपूर सहायता प्राप्त होगी। आपके जीवनसाथी का आपके प्रति मधुर व्यवहार होगा। इस वर्ष आपको धार्मिक स्थानों की यात्राओं का सुअवसर प्राप्त होगा। इस वर्ष आप नशे इत्यादि से दूर रहेंगे और दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। भूमि, वाहन तथा भवन का सुख प्राप्त होगा। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना प्रबल होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीम के पेड़ के तने में चांदी का चौकोर टुकड़ा गाड़ें।
- 2— मकान के नींव में चांदी और शहद रखें।
- 3— अपनी पत्नी को चांदी की चूड़ी के उपर लाल रंग लगाकर पहनायें।
- 4— दिन के समय अंतरंग संबंध ना बनायें।
- 5— अल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल ना करें।

शनि छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस पूर्णिमा के दिन किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत ना करें। आपके अहंकार में वृद्धि होगी, जिससे आपके नजदीकी व्यक्तियों से आपका संबंध बिगड़ सकता है। आपको चमड़े की कोई भी वस्तु दान या मुत में नहीं लेनी चाहिए। आपके परिवार में किसी व्यक्ति को किडनी से संबंधित रोग होने की भी संभावना है। न्यायालय में विचाराधीन मामलों में आपका पक्ष कमजोर हो सकता है। आकस्मिक चोट लगने की भी संभावना है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मिट्टी के किसी बर्तन में सरसों का तेल रखकर विराने में दबायें।
- 2— चमड़े से बनी वस्तुओं का क्रय-विक्रय ना करें।
- 3— काला कुत्ता पालें।
- 4— 6 नारियल बहते हुए पानी में बहायें।
- 5— लोहे की वस्तुएं ना खरीदें।
- 6— अपना जूता चोरी ना होने दें।

राहु ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता से आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है और उनका स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। इस वर्ष आपको किसी भी प्रकार के विवाद से बचना चाहिए अन्यथा आप चोटग्रस्त हो सकते हैं। इस वर्ष लाल या नीला कपड़ा पहनना खतरनाक हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और ना ही अपने पास रखना है।
- 2— घर में बिजली के खराब उपकरण ना रखें।
- 3— सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढक कर रखें।

केतु छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य होगा। आपको इस वर्ष अपने सोने के गहने को बचाकर रखना चाहिए, अन्यथा चोरी होने की संभावना है। व्यर्थ की कुछ यात्राएं हो सकती हैं। संतान पक्ष से कष्ट मिल सकता है और त्वचा रोग होने की संभावना हो सकती है।

वर्षफल में केतु का उपाय

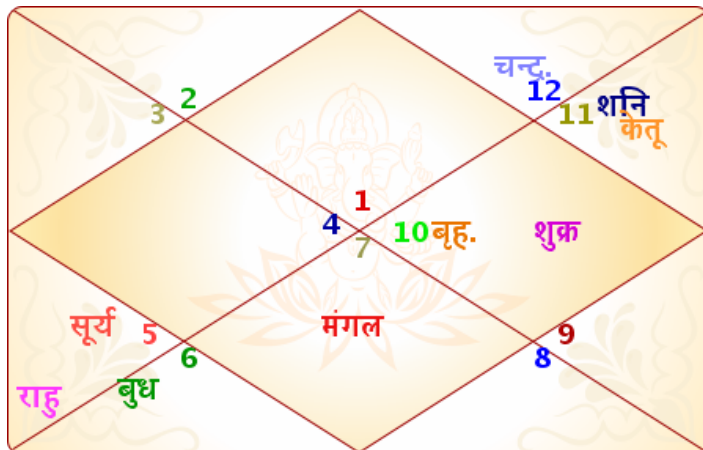
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— ससुराल से मिली हुई अंगुठी को बायें हाथ में पहनें।
- 2— केसर या हल्दी का तिलक लगायें।
- 3— इस वर्ष अपनी बहन, बुआ, बेटी से कोई झगड़ा ना करें।

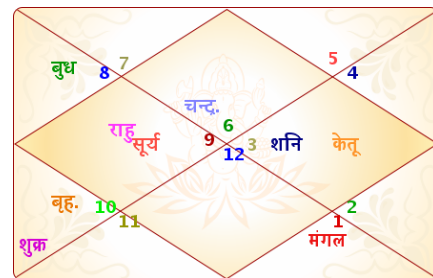
लाल किताब वर्षफल

18:12:2029--17:12:2030

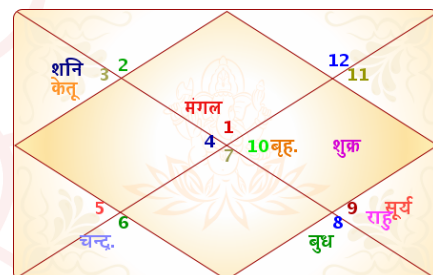
वर्षफल कुण्डली (57)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	5	5	ग्रह		हाँ				हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	12	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	7	1, 8	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	6	3, 6	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	10	9, 12	राशि			शनि			हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	10	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	11	10, 11	ग्रह			बृहस्पति	हाँ	हाँ	हाँ	शुभ भाव
राहु	5		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	11		राशि						हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति	हाँ	चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	सूर्य, राहु	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	बुध	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	मंगल	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	बृहस्पति, शुक्र	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	शनि, केतु	शनि	शनि				बृहस्पति
12	चन्द्रमा	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 57

सूर्य पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मित्र भी आपसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार करेंगे। अपने जीवनसाथी से आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं या उनका स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। कुल मिलाकर, आपका दाम्पत्य जीवन इस वर्ष ठीक नहीं रह सकता है। आपको कानूनी मुकदमों से परेशानी हो सकती है और निर्णय आपके खिलाफ जा सकता है। इस वर्ष आप पर गलत इल्जाम लग सकता है तथा अपने अधिकारियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— लाल मुंह वाले बन्दर को गुड़ और चना खिलाएं।
- 2— झूठी गवाही ना दें।
- 3— 43 दिन तक लगातार सरसों के तेल की कुछ बूंदें जमीन पर गिरावें।

चन्द्रमा बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपका अपने माता-पिता या निकट संबंधियों से बात-बात में झगड़ा हो सकता है। आपको गलत प्रेम संबंधों से बचने की जरूरत होगी, अन्यथा कोई स्त्री आपको सार्वजनिक रूप से अपमानित कर सकती है। आर्थिक रूप से भी यह वर्ष आपके लिए अधिक उत्तम नहीं हो सकता है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बुरे कार्यों और झूठ बोलने से बचें।
- 2— रात्रि के समय दूध का सेवन ना करें।
- 3— घर में हाथी दांत से बनी हुई वस्तुएं ना ले आएँ।

मंगल सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना अधिक होगी। राज्य पक्ष से लाभ होगा। आध्यात्म और ज्योतिष जैसे विषयों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको राजनीतिज्ञों से सतर्कता बरतने की जरूरत होगी। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 2— अपने घर में बेलदार पौधे ना लगायें।
- 3— बहन या बेटी को मिठाई भेंट करें।
- 4— अपने भतीजे और भांजे की सेवा करें।

बुध छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु भी आपके मित्र बनकर सहायता करेंगे। आप अपनी बुद्धि और विवेक से समाज में प्रसिद्ध हो जायेंगे। धार्मिक कार्यों में आप तन-मन-धन से सहयोग करेंगे। इस वर्ष कृषि एवं अध्ययन सामग्रियों के व्यापार से आप अधिक धनार्जन करेंगे। आपकी मानसिक और पारिवारिक स्थिति भी इस वर्ष उत्तम होगी। आपकी कही हुई बातें सत्य हो सकती हैं। आपके ननिहाल से धन लाभ हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बायें हाथ में चांदी की अंगुठी पहनें।
- 2— विराने में दूध से भरा बर्तन दबायें।
- 3— कोई भी शुभ कार्य अपनी बेटी या बहन के हाथों से करवायें।
- 4— अपनी बहन या बेटी की शादी उत्तर दिशा में ना करें।
- 5— अपने नौकर पर नजर रखें।

बृहस्पति दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष कई गलत अफवाहों का सामना करना पड़ सकता है। काफी संघर्ष के बाद ही सफलता आपके हाथ लगेगी। परिवार में भी लड़ाई-झगड़ों से आपको मानसिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत के बाद ही सफलता मिलेगी। इस वर्ष आपको हवाई किले बनाने से भी बचना चाहिए। यदि आप साधु-संतों का अपमान करते हैं या पीपल के पेड़ को काटते हैं, तो आपको आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है। आपके पिता और दादा का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी नाक साफ रखें।
- 2— सोना पहनें।
- 3— 43 दिन तक ताँबे का पैसा बहते हुए पानी में बहायें।
- 4— साधु-संतों और अपने गुरुजनों की सेवा करें।

शुक्र दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो आपके दाम्पत्य जीवन में दरार पड़ सकती है। आपके जीवनसाथी को खून या चमड़ी से संबंधित रोग हो सकता है। यदि आप मांस-मदिरा का सेवन करेंगे, तो आर्थिक रूप से आपको काफी क्षति पहुंच सकती है। आपको मूत्र संबंधित रोग होने की भी संभावना हो सकती है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आपकी पत्नी को अपने गुप्तांगों को दही से धोना चाहिए।
- 2— कपिला गाय का दान करना चाहिए।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखना चाहिए।
- 4— शराब, मांस और मछली का सेवन ना करें।

शनि ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मानसिक और पारिवारिक सुख में कमी आएगी। आप ऋण संबंधी चिन्ताओं से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने चाल-चलन और व्यवहार को बहुत संयमित रखना होगा। आप अपने गुस्से पर काबू रखें और लड़ाई-झगड़ों से बचें। शराब और मांस-मदिरा का सेवन बिल्कुल ना करें।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कोई भी शुभ कार्य करने से पहले घर में जल से भरा मिट्टी का घड़ा स्थापित करें।
- 2— सूर्योदय के समय मिट्टी पर शराब या सरसों का तेल गिराये।
- 3— शराब और मांस का सेवन ना करें।
- 4— घर में शुद्ध चांदी की ईंट रखें।
- 5— दूसरों को धोखा देकर धन न कमायें।

राहु पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको अपने जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाकर रखना चाहिए, अन्यथा दाम्पत्य जीवन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्रों में भी आपको बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। भाई बन्धुओं से भी मनमुटाव की संभावना है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर में चांदी का हाथी जिसका वजन कम से कम 60 ग्राम हो रखें।
- 2— दोबारा विवाह ना करें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 4— घर की दहलीज के नीचे चांदी का पत्तर दबायें।

केतु ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर आने वाले अतिथियों की संख्या अधिक होगी, जिसकी वजह से आप पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। यदि आप कोई शुभ कार्य करने जा रहे हैं, तो अपने पीछे मुड़कर ना देखें। अपनी संतान की ठीक तरह से देखभाल करें। अपना बीता हुआ कल दूसरों को ना सुनायें। क्रद्र-हो-द्रद्र, ०द्रि ह्यक्तजद्र ह्य. श्द्र२ प्रऽदद्र ५ जत्तकहद्र-ए हूह "बद्र जद्रऽ १द्र- जद्रत् "द्र२ जप्रदप्र७द्रक्रदे ५ ह्यैक्रद्र जप्रत्द्रऽ ह्यद्रौद्रधए प्रप्रहऽ "प्रह्य हू जद्र - जद्रप्र७द्रऽ द्र०द्र रि ह्यऽदद्र ह्य. क्रप्र(जद्र ५द्र६ उद्रक्तद्र ५द्रक्र ५त् प्रद्र -ह्य ह्ये. दद्र जत् ६) तर्हि- तूद्रि जत्त ह्येदद्रत् ५ धि द-ह्य हू (द्रद्रद्र२ ५ जत्त धद्र ह्यक्तजद्र ५ (०ह-द्रे ५द्र त ह्यक्तद्रक्रे

वर्षफल में केतु का उपाय

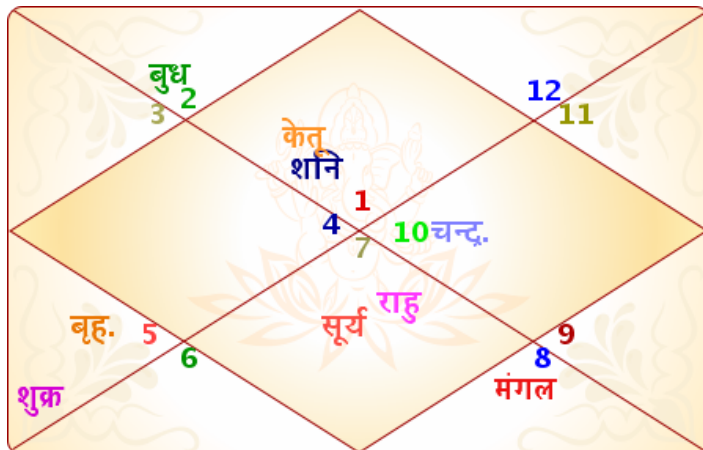
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आपकी पत्नी को चाहिए कि रात में अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें और सुबह में उसे किसी धर्म स्थान में दान करें।
- 2— काला कुत्ता पालें।
- 3— ससुराल से काला-सफेद चकला (रोटी बनाने के प्रयोग में आने वाला उपकरण) मंगा कर घर में रखें।

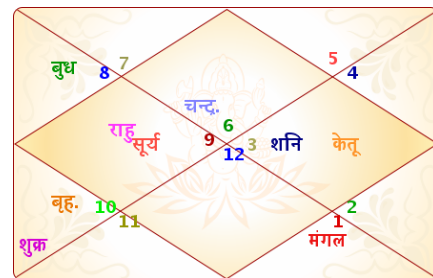
लाल किताब वर्षफल

18:12:2030--17:12:2031

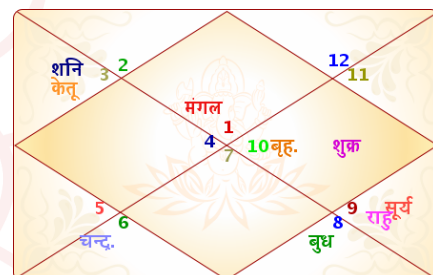
वर्षफल कुण्डली (58)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	7	5	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
चन्द्रमा	10	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	8	1, 8	ग्रह	हाँ					हाँ	अशुभ भाव
बुध	2	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	5	9, 12	ग्रह	हाँ					हाँ	शुभ भाव
शुक्र	5	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	1	10, 11	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
राहु	7		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	1		राशि				हाँ			

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	शनि, केतु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	बुध	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बृहस्पति, शुक्र	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	सूर्य, राहु	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	मंगल	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	चन्द्रमा	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 58

सूर्य सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता लगी रहेगी। आपके घर में अग्निकांड हो सकते हैं। पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। व्यर्थ की धन हानि होने से आपकी मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं, तो आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कोई भी कार्य मीठी चीज खाकर और पानी पीकर शुरू करें।
- 2— अग्नि में आहुति दें।
- 3— नमक कम खायें।
- 4— जमीन में ताँबे के सात चौकोर टुकड़े दबायें।

चन्द्रमा दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको रक्त, दांत और कान से संबंधित रोग हो सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति नहीं बेचनी चाहिए। आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— माता का चरणस्पर्श कर आशीर्वाद लें।
- 2— रात में दूध का सेवन ना करें।
- 3— द्वयदि आप डॉक्टर हैं, तो मुत में दवाई ना दें।
- 4— अपना चाल-चलन ठीक रखें।

मंगल आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इस वर्ष कोई भी लेन-देन आपको सोच-समझ कर करना चाहिए। इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री के साथ विवाद से बचना चाहिए। इस वर्ष आपके छोटे भाइयों को कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने रसोई घर में बैठ कर भोजन ग्रहण करें।
- 2— अपने पास चांदी का चौकोर टुकड़ा रखें।
- 3— मिट्टी के बर्तन में गुड़ भरकर विराने में दबायें।
- 4— तंदूर में मीठी रोटियां पकाकर कुत्तों को खिलायें।
- 5— अपने जन्मस्थान से दूर ना रहें।
- 6— तोता या मैना अपने घर में ना पालें।

बुध दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके प्रकाशन और दलाली इत्यादि के कार्यों में इस वर्ष उल्लेखनीय प्रगति होगी। व्यावसायिक सफलता के लिए यह वर्ष उत्तम होगा। इस वर्ष आप शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे। पिता और दादा से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वाद-विवाद में आप अपनी राय बार-बार बदल सकते हैं। आपको इस वर्ष सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चावल और दूध किसी धार्मिक स्थान पर दान करें।
- 2— तोता ना पालें।
- 3— नाक छिदवायें और 96 घंटे तक को उसको कायम रखें।
- 4— हरे रंग का प्रयोग बिल्कुल ना करें।
- 5— दो किलो मसूर की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।

बृहस्पति पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान-सम्मान में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। यदि आपके घर में पुरुष संतान जन्म लेती है, तो आपके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत सुदृढ़ हो जाएगी। लिखाई-पढ़ाई में इस वर्ष आपको विशेष रुचि रहेगी। आप प्रकृति के रहस्य ढूँढ़ने और समझने का प्रयत्न करेंगे। परीक्षा/प्रतियोगिता में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर के आस-पास के धार्मिक स्थान की साफ-सफाई करें।
- 2— साधु-संतों की सेवा करें।
- 3— गहरे पानी से बचें।

शुक्र पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अनैतिक प्रेम-संबंधों की वजह से बदनामी हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं, तो विवाह का योग है, परन्तु आपको अपने माता-पिता की आज्ञा से ही विवाह करना चाहिए, अन्यथा संतान पक्ष से कष्ट हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष साधारण ही होगा।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में पांच दिन तक आटे का दान करें।
- 2— अपने मां-बाप की आज्ञानुसार विवाह करें।
- 3— गाय की सेवा करें।

शनि पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, अपने खास मित्रों से आपका मनमुटाव हो सकता है। यदि आप अपना चाल-चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो नौकरी/कारोबार में रुकावट या कई प्रकार की बाधाओं की संभावना हो सकती है। आपके स्वास्थ्य पर भी इस वर्ष बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आप विशेषतः पेट की गड़बड़ी से परेशान हो सकते हैं। शिक्षा अथवा शिक्षा से संबंधी कार्यों में भी बाधाएँ आने की संभावना है। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर में किसी के जन्मदिन पर संगीतमय आयोजन ना करें।
- 2— बरगद के पेड़ की जड़ में मीठा दूध डालकर उसकी गिली मिट्टी का तिलक करें।
- 3— मांस-मदिरा से दूर रहें।
- 4— काला सूरमा जमीन में दबायें।

राहु सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है और स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण उनका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा हो सकता है। यदि आप बिजली विभाग या यातायात विभाग से संबंधित या उनके साथ मिलकर कोई कार्य करने वाले हैं, तो आपको घाटा हो सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं, तो अपने साझेदार से आपका विवाद हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सात नारियल बहते पानी में बहायें।
- 2— चांदी की ईंट अपने घर में रखें।
- 3— वाहन चालक के रूप में कोई कार्य ना करें।
- 4— प्लास्टिक के डिब्बों में गंगाजल भरकर और उसमें चांदी के चौकोर टुकड़े डालकर अपने पास रखें।

केतु पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष कमर या नेत्र संबंधी रोगों से आपको कष्ट हो सकता है। पूर्व नियोजित यात्रा स्थगित हो जाएगी और यदि आपका तबादला होने वाला है, तो वह भी टल जाएगा। इस वर्ष स्त्री के रूप में आपके परिवार में कोई नया सदस्य जुड़ सकता है। यदि आप किसी विदेश यात्रा पर जा रहे हैं, तो 100 दिन के अन्दर ही वापस आ सकते हैं।

वर्षफल में केतु का उपाय

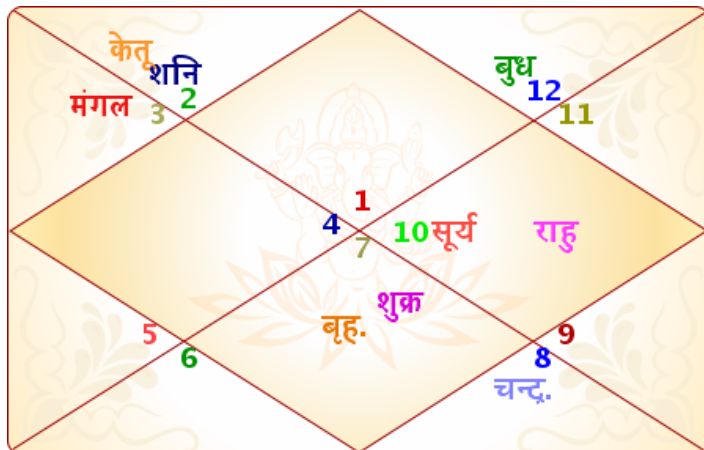
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चितकबरा कुत्ता पालें।
- 2— लाल रुमाल अपने पास रखें।
- 3— कोने के मकान में न रहें।

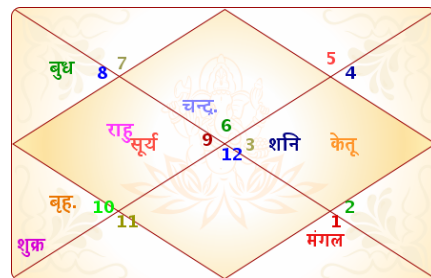
लाल किताब वर्षफल

18:12:2031--17:12:2032

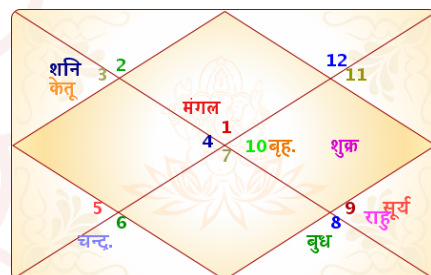
वर्षफल कुण्डली (59)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	10	5	राशि						हाँ	अशुभ भाव
चन्द्रमा	8	4	ग्रह		हाँ					अशुभ भाव
मंगल	3	1, 8	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बुध	12	3, 6	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	7	9, 12	राशि						हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	7	2, 7	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव
शनि	2	10, 11	राशि						हाँ	शुभ भाव
राहु	10		ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
केतु	2		राशि						हाँ	

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	शनि, केतु	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	मंगल	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7	बृहस्पति, शुक्र	शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	चन्द्रमा	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	सूर्य, राहु	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12	बुध	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 59

सूर्य दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका भाग्य ठीक नहीं होगा। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचा सकते हैं। अपने पिता से आपका मतभेद हो सकता है एवं पिता के सुख में कमी भी आ सकती है। मशीनरी, तेल, लोहा और लकड़ी इत्यादि के व्यवसाय में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपका स्वभाव वहमी हो सकता है और आप अकारण ही क्रोधित हो सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— 43 दिन ताँबे के पैसे जल में प्रवाहित करें।
- 2— मांस—मछली और मदिरा का सेवन ना करें।
- 3— अपना सिर सफेद कपड़ों से ढक कर रखें।
- 4— भूरी भैंस की सेवा करें।

चन्द्रमा आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति चिन्ताजनक हो सकती है। आपको निराशावादी सोच से बचना चाहिए।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— धार्मिक स्थान में गुड़, केसर और सौंफ दान करें।
- 2— पितरों का श्राद्ध करें।
- 3— बुढ़ी स्त्रियों का आशीर्वाद लें।
- 4— शमशान से पानी लेकर उसे अपने घर में रखें।
- 5— सट्टे, लॉटरी इत्यादि से दूर रहें।

मंगल तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। माता-पिता तथा भाई-बन्धुओं से आपका मनमुटाव हो सकता है। आपके भाई या चाचा का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। गलत प्रेम-संबंधों के उजागर होने से भी आपको बदनामी का सामना करना पड़ सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप पैसों का लेन-देन बिना लिखित विवरण के करते हैं, तो यह ठीक नहीं है। आपको खून से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी अंगुली में हाथी दांत का छल्ला पहनें।
- 2— अपने क्रोध पर काबू रखें।
- 3— अपने भाईयों की सहायता करें।
- 4— खाने-पीने पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा पेट से सम्बन्धित बीमारी हो सकती है।
- 5— हाथी दांत से बनी वस्तुएं अपने घर में ना रखें।

बुध बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने गुस्से पर काबू रखना चाहिए, अन्यथा बनी हुई बात बिगड़ सकती है। आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे व्यसनों से भी दूर रहने की आवश्यकता होगी। आपकी संदेह और अनभिज्ञता से व्यापार में घाटा उठाना पड़ सकता है। अपने मित्रों से आपका अचानक बिगाड़ हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— केसर का तिलक लगायें।
- 2— मिट्टी का घड़ा बहते हुए पानी में बहायें।
- 3— गुस्सा ना करें और अशुद्ध भाषा का प्रयोग ना करें।
- 4— बायें हाथ की बीच वाली अंगुली में स्टील का बिना जोड़ का छल्ला पहनें।

बृहस्पति सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार यदि आप विवाहित हैं, तो आपके वैवाहिक जीवन के उद्देश्य की पूर्ति में बाधाएँ आयेंगी। यह वर्ष आपके पारिवारिक जीवन में भी अशांति ला सकता है। इस वर्ष आपको अपने घर में यदि कोई मंदिर है, तो उसमें पूजा नहीं करनी चाहिए। आप चित्रों की पूजा कर सकते हैं। आपको इस वर्ष साधु संतों की संगति बिल्कुल नहीं करनी चाहिए, अन्यथा आपके भाग्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आपके मामा को अपने संतान पक्ष से कष्ट हो सकता है। आपके स्वभाव में इस वर्ष आलस्य की प्रधानता हो सकती है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर के मंदिर में मूर्तियों की पूजा बिल्कुल ना करें। चित्रों की पूजा कर सकते हैं।
- 2— साधु-संतों की संगति ना करें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 4— पीले कपड़े में सोना बांधकर अपने पास रखें।

शुक्र सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। अपने जीवनसाथी से मतभेद की वजह से आपके दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। आपको अपना आचरण साफ-सुथरा और व्यवहार मधुर रखना चाहिए, अन्यथा वैवाहिक जीवन में दरार पड़ने की भी संभावना हो सकती है। आपके जीवनसाथी और माता के बीच का संबंध भी मधुर नहीं हो सकता है। किसी स्त्री की वजह से धन हानि की भी संभावना है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सफेद गाय की सेवा ना करें।
- 2— अपने ससुराल से मधुर संबंध बनायें।
- 3— कांसे के बर्तन का इस्तेमाल करें।
- 4— मुत में या दान में कोई भी वस्तु ना लें।

शनि दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप परिवार के सभी कार्य में सबसे आगे रहेंगे। धार्मिक क्रिया—कलापों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। कोयला, चमड़ा, मशीनरी और भवन निर्माण संबंधी वस्तुओं के व्यापार से आपको लाभ होगा। आपकी मान—मर्यादा में वृद्धि होगी। आपको अपने पिता या ससुर से जायदाद प्राप्ति की भी संभावनाएं हैं। आप अपनी बुद्धि से जटिल कार्यों को सिद्ध करेंगे।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— इस वर्ष सिर में सरसों का तेल बिल्कुल ना लगायें।
- 2— दूध का तिलक लगायें।
- 3— सांप को ना मारें, उन्हें दूध पिलायें।
- 4— नंगे पांव किसी धार्मिक स्थान में जाकर मांफी मांगें।

राहु दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान—सम्मान में वृद्धि होगी। राजनैतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपकी पदोन्नति हो सकती है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने सिर को ढक कर रखें।
- 2— अपने अधिकारियों से मधुर संबंध रखें।
- 3— सफेद या शरबती रंग की टोपी या पगड़ी का इस्तेमाल करें।
- 4— अंधों को मीठा भोजन करायें।
- 5— 4 किलो गुड़/खाण्ड मंगलवार को जल में प्रवाहित करें।

केतु दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप अपने पारिवारिक सदस्यों को संतुष्ट नहीं रख पाएंगे। आपको लड़ाई-झगड़ों और विवादों से बचना चाहिए, अन्यथा आपके मान-सम्मान में कमी आएगी। इस वर्ष व्यर्थ की यात्राएं हो सकती हैं तथा स्थानान्तरण भी संभव होगा। आपको अपना चाल-चलन ठीक रखना होगा, अन्यथा आपकी संतान पर बुरा असर हो सकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

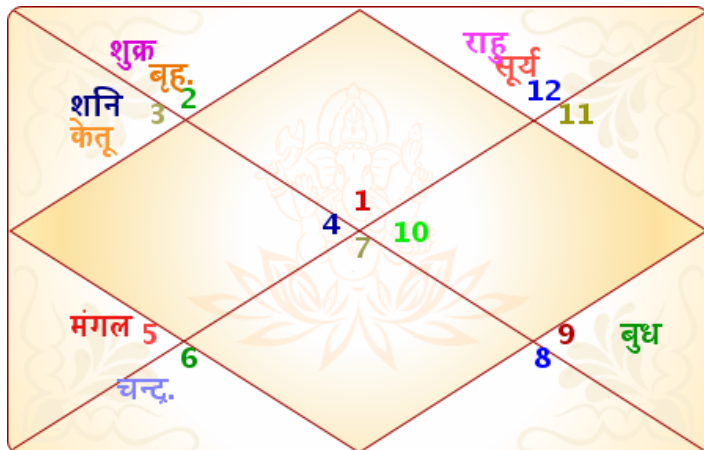
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— कुंवारी कन्याओं की सेवा करें।

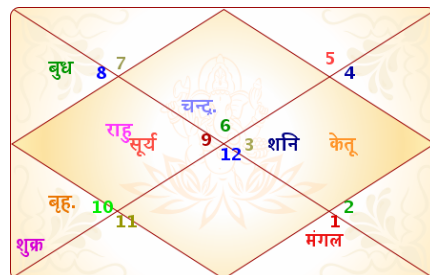
लाल किताब वर्षफल

18:12:2032--17:12:2033

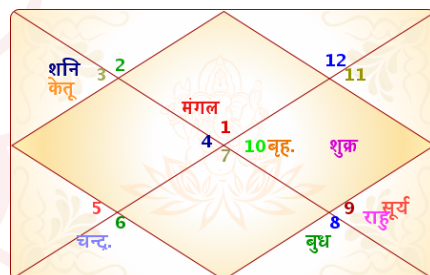
वर्षफल कुण्डली (60)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	12	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	6	4	राशि							अशुभ भाव
मंगल	5	1, 8	राशि				हाँ			शुभ भाव
बुध	9	3, 6	राशि						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	2	9, 12	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
शुक्र	2	2, 7	ग्रह				हाँ			शुभ भाव
शनि	3	10, 11	राशि				हाँ			शुभ भाव
राहु	12		ग्रह	हाँ						अशुभ भाव
केतु	3		ग्रह				हाँ			शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	बृहस्पति, शुक	शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	शनि, केतु	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	मंगल	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	चन्द्रमा	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक, केतु	केतु
7		शुक	शुक, बुध	हाँ	शनि		शुक
8		मंगल	मंगल, शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	बुध	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि	हाँ	मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12	सूर्य, राहु	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 60

सूर्य बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अचानक ही धन हानि हो सकती है। यदि आपके इरादे दृढ़ नहीं हैं, तो महत्वपूर्ण कार्यों में असफलता प्राप्त होगी। आपको अपने मन पर पूर्ण नियन्त्रण रखना होगा अन्यथा मान-प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। सरकारी और मशीनरी संबंधित कार्यों में असफलता का मुख देखना पड़ेगा। आपका स्वास्थ्य भी चिन्तनीय हो सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी से भी बिजली के सामान मुत में ना लें।
- 2— मांस—मदिरा का सेवन ना करें।
- 3— अपने शत्रुओं को भी माफ करें।
- 4— भूरी चीटियों को तीनचौली डालें।

चन्द्रमा छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको विदेशी सम्बन्धों से लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रुओं की पराजय होगी और आपके भाई—बन्धु और मित्र आपकी सहायता करेंगे।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
- 2— अपने भेद दूसरों को ना बतायें।
- 3— खरगोश पालें।
- 4— रात में दूध का सेवन ना करें।

5— मुत में पानी का दान ना करें।

मंगल पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादला हो सकता है। आपको जुआ, सट्टा और लॉटरी आदि व्यसनों से बचकर रहने की आवश्यकता है। आपको अपने खान-पान में सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा पेट में गड़बड़ी हो सकती है। बिना कागजी कार्यवाई के पैसों का लेन-देन ना करें और अनुमान के आधार पर पैसों का निवेश ना करें।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी संतान को सोने का गहना ना पहनायें।
- 2— संतान के जन्मदिन पर मीठे की जगह नमकीन बांटें।
- 3— अपने पितरों का श्राद्ध करें।
- 4— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 5— अपने घर पर नीम के वृक्ष लगायें।
- 6— मांस, मछली और शराब का सेवन ना करें।

बुध नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। यदि आप विदेश जाने का प्रयास कर रहे हैं, तो यह व्यर्थ हो सकता है। आपको जुआ, सट्टा और लॉटरी जैसे व्यसनों से बचना चाहिए, अन्यथा आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। इस वर्ष आपकी बहन, बुआ अथवा बेटी की तरफ से भी अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आपको यात्रा करते समय सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— लोहे की गोली पर लाल रंग करके अपने पास रखें।
- 2— घर में रखे हुए बिजली के सामानों को ठीक रखें।

- 3— घर की दूटी हुई सीढ़ी की मरम्मत इस वर्ष ना कराये।
- 4— किसी भी साधु—फकीर से ताबीज इत्यादि ना लें।
- 5— गाय की सेवा करें।

बृहस्पति दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता को सोने, चांदी के व्यापार में घाटा हो सकता है। उनको कम पूंजी वाले व्यापार में हाथ आजमाना चाहिए। इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको घाटा हो सकता है। आपको इस वर्ष अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— घर के सामने के गड्ढों को मिट्टी से भरवायें।
- 2— सोने चांदी से सम्बन्धित व्यापार ना करें।
- 3— हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
- 4— अपने घर का एक हिस्सा अधूरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
- 5— अपना चाल—चलन ठीक रखें।
- 6— नवविवाहिता लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

शुक्र दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके गृहस्थ सुख में कमी आ सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। पुत्र प्राप्ति के मार्ग में बाधाएँ आ सकती हैं और आप किसी दूसरी स्त्री के साथ रहना शुरू कर सकते हैं। इस वर्ष आप पशु—पक्षियों से भी घृणा कर सकते हैं, जो कि आपके लिए उत्तम नहीं होगा। अपने जीवनसाथी से आप मधुर संबंध बना कर रखें।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— आलू और दही का दान करें।
- 2— जानवरों से घृणा ना करें।
- 3— कपिला गाय की सेवा करें।

शनि तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मनोवृत्ति एकाग्र, गंभीर और विचारशील होगी। आपके मन में परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। हालांकि, यह परोपकार आपके व्यवसाय के लिए ठीक नहीं होगा। लोहे के मशीनों का व्यापार लाभदायक होगा। वाहन सुख उत्तम होगा। आप इस वर्ष किसी जोखिम भरे व्यापार में हाथ आजमा सकते हैं। इस वर्ष आपको व्यापार इत्यादि में बहुत सोच-समझकर पैसा लगाना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— शराब और मछली का सेवन ना करें।
- 2— घर की छत पर दरवाजे का चौखट ना रखें।
- 3— घर में बबुल या बेर का पेड़ लगायें।
- 4— घर के अंत में एक अंधेरी कोठरी छोड़ें।

राहु बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आर्थिक दृष्टि से आपके और आपके ससुराल पक्ष के लोगों के लिए उत्तम होगा। उत्तर दिशा में आजीविका और सौभाग्य वृद्धि के लिए जाना श्रेष्ठ होगा। इस वर्ष आप धार्मिक कार्यों पर अपना धन खर्च करेंगे। यदि आपके उपर कोई कर्ज है, तो वो भी चुकता हो जाएगा। मानसिक स्थिति भी श्रेष्ठ होगी।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गले में चांदी का चौकोर टुकड़ा धारण करें।
- 2— अपने रसोई घर में बैठकर खाना खायें।

3— शुद्ध चांदी का हाथी अपने घर में स्थापित करें।

4— घर के आखिरी में अंधेरी कोठरी ना बनवायें।

केतु तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष चारों तरफ से आपको हर्षदायक समाचार प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो पदोन्नति या किसी बढ़िया जगह पर स्थानान्तरण हो सकता है। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष आपके जीवन में कोई बड़ा और शुभ बदलाव हो सकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— शरीर पर शुद्ध सोना धारण करें।
- 2— अपने भाईयों के साथ विवाद से बचें।
- 3— व्यर्थ में ना घूमें।
- 4— चने की दाल या केसर बहते पानी में बहायें।
- 5— दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।

लाल किताब वर्षफल – 61

सूर्य छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपका स्वास्थ्य इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय होगा। आपको रक्तचाप से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं। धार्मिक कार्यों में विघ्न पड़ सकता है। यात्राओं से प्रायः हानि की संभावना होगी। आपके पिता का स्वास्थ्य भी इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपके अधिकारी आपको अकारण परेशान कर सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— भूरे रंग की चीटियों को सतनाजा डालें।
- 2— अपने घर में चांदी के बर्तन में गंगाजल रखें।
- 3— अपनी माता की सेवा करें।
- 4— किसी धार्मिक स्थान में दान की हुई वस्तुओं को अपने घर में ले आकर रखें।

चन्द्रमा पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों के साथ युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आलस्य और कामचोरी की वजह से आपके कार्य पूर्ण होने में बाधाएँ आ सकती हैं। आपके मन में निराशा और अवसाद की भावना पैदा हो सकती है। अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों के साथ आपके अनैतिक संबंध स्थापित हो सकते हैं। पत्नी या माता का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। पूरे वर्ष आप सर्दी-जुकाम से परेशान रह सकते हैं। जमीन-जायदाद सम्बन्धी विवादों से भी आपको परेशानी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दूध और दूध से बनी वस्तुओं का व्यापार ना करें।
- 2— अपनी माता की सेवा करें।

- 3— चांदी के बर्तन का उपयोग करें।
- 4— नदी पार करते समय उसमें पैसा बहाएं।

मंगल सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना अधिक होगी। राज्य पक्ष से लाभ होगा। आध्यात्म और ज्योतिष जैसे विषयों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको राजनीतिज्ञों से सतर्कता बरतने की जरूरत होगी। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 2— अपने घर में बेलदार पौधे ना लगायें।
- 3— बहन या बेटी को मिठाई भेंट करें।
- 4— अपने भतीजे और भांजे की सेवा करें।

बुध दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको किसी विदेशी स्रोत से लाभ प्राप्त होगा। आपके नौकरी/व्यापार में अड़चनें आयेंगी, परन्तु आप अपनी मेहनत से उन अड़चनों पर विजय प्राप्त करेंगे। आपकी बहन, बुआ अथवा बेटी की तरफ से भी इस वर्ष आपको शुभ समाचार प्राप्त होंगे। इस वर्ष आपको आध्यात्म और ज्योतिष संबंधी विषयों में भी रुचि होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर में तुलसी, मनीप्लांट इत्यादि चौड़े पत्तों वाले पौधे नहीं लगायें।
- 2— मांस-मदिरा इत्यादि के सेवन से बचें।
- 3— सूखा नारियल मंदिर में चढ़ायें।
- 4— बचा हुआ भोजन मछलियों को खिलायें।
- 5— मजदूरों की सेवा एवं सहायता करें।

बृहस्पति बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, धर्म-कर्म के कार्यों में आप जरा भी ध्यान नहीं दे सकते हैं, जिससे आपके मानसिक तनाव में वृद्धि होगी। इस वर्ष आपके पिता और दादा में मतभेद हो सकते हैं। आपके गलत अनुमानों की वजह से आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आपको इस वर्ष गलत कार्यों पर अपना धन नहीं नष्ट करना चाहिए।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— पीपल के वृक्ष की सेवा करें।
- 2— केसर का तिलक लगायें।
- 3— दूसरों को धोखा ना दें।
- 4— गले में माला इत्यादि ना पहनें।
- 5— अपनी नाक साफ रखें।
- 6— साधु-संतों और बुजुर्गों की सेवा करें।

शुक्र बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपना चाल-चलन ठीक रखना चाहिए और परस्त्रीगमन से बिल्कुल ही बचना होगा, अन्यथा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर होगा। आपके जीवनसाथी के गिरते स्वास्थ्य की वजह से दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। आपका कोई मित्र या संबंधी आपके बारे में गलत अफवाहें फैला सकता है। इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में भी रुचि नहीं होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— नीले रंग का फूल अपनी पत्नी के हाथों जमीन में दबवायें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— अपनी पत्नी की देखभाल करें।
- 4— घी के दिये जलायें।

5— बछड़े सहित गाय का दान करें।

शनि नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सोने—चांदी से संबंधित व्यवसाय में लाभ होगा। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना बहुत अधिक रहेगी और धर्म—कर्म के कार्य में आप बढ़—चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आप पर कोई ऋण नहीं होगा और आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी। आपके चल—अचल संपत्ति में वृद्धि होगी और जीवनसाथी के नाम पर शुरू किया हुआ व्यवसाय लाभदायक होगा। आपको अपने पास संख्या में तीन मकान नहीं रखना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपने घर की छत पर ईंधन ना रखें।
- 2— नौ दिन लगातार गंगा में स्नान करें।
- 3— दूसरों की अचल सम्पत्ति पर बुरी नजर ना डालें।
- 4— माथे पर केसर का तिलक लगायें।

राहु छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको व्यर्थ के लड़ाई—झगड़ों से बचना चाहिए। अपने पास आग्नेय हथियार नहीं रखना चाहिए। यदि आप अपने चाचा या मामा से झगड़ते हैं, तो आपको धन हानि हो सकती है। वाहन चलाते समय आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता होगी। पैसों के लेन—देन में कागजी कार्यवाई अवश्य करें, अन्यथा धोखा खा सकते हैं। बुरे लोगों की संगति से बचें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— काला कुत्ता पालें।
- 2— अपने भाई—बन्धु से लड़ाई—झगड़ा ना करें।
- 3— शीशे की 6 गोलियां अपने पास रखें।

4— काले शीशे का गोल टुकड़ा अपने पास रखें।

केतु नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आर्थिक दृष्टि से शुभ फलदायक है। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विदेश प्रवास का भी योग है। किसी भी कार्य में अपनी संतान का सुझाव अवश्य लें। यदि आप दूसरों को आशीर्वाद देते हैं, तो फलीभूत होगा।

वर्षफल में केतु का उपाय

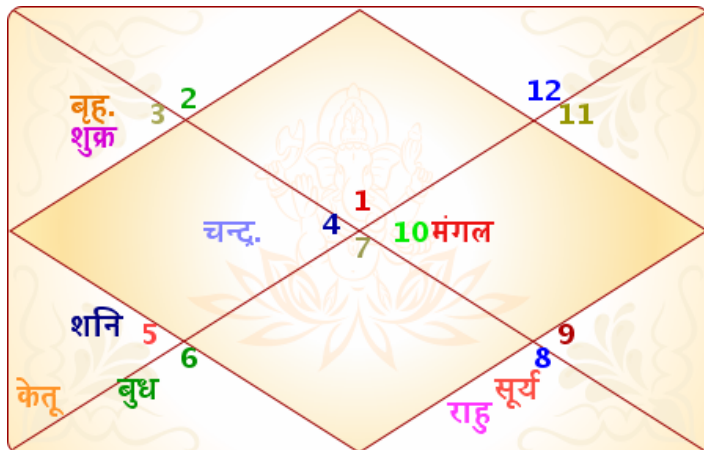
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— कानों में सोना पहनें।
- 2— सोने की ईंट (21 ग्राम) अपने घर में रखें।
- 3— गलत लोगों की संगत में ना रहें।
- 4— कुत्तों को ना सतायें।

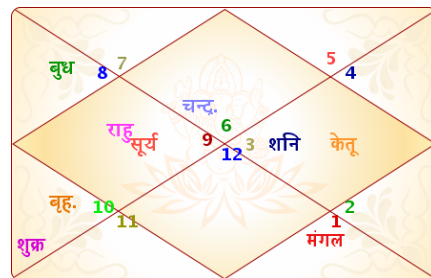
लाल किताब वर्षफल

18:12:2034--17:12:2035

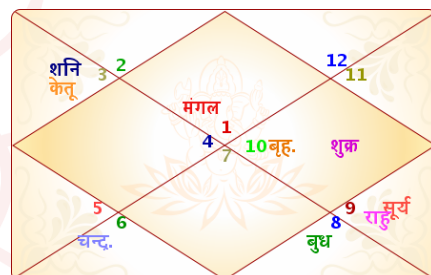
वर्षफल कुण्डली (62)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	8	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	4	4	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	10	1, 8	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	6	3, 6	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	3	9, 12	राशि						हाँ	शुभ भाव
शुक्र	3	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शनि	5	10, 11	राशि						हाँ	अशुभ भाव
राहु	8		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	5		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बृहस्पति, शुक्र	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	शनि, केतु	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	बुध	बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध	हाँ	शनि		शुक्र
8	सूर्य, राहु	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	मंगल	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 62

सूर्य आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप हृदय और नेत्र संबंधित रोगों से परेशान हो सकते हैं। मशीनरी संबंधित व्यवसाय में घाटा हो सकता है। स्त्रियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मांस मछली का सेवन न करें।
- 2— बहते हुए पानी में गुड़ बहायें।
- 3— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 4— बड़े भाई की सेवा करें।
- 5— बुरे कार्य करने से बचें।
- 6— गाय की सेवा करें।

चन्द्रमा चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने भाई-बन्धुओं से सहयोग और सहायता प्राप्त होगी। आर्थिक स्थिति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। आप नए वाहन खरीद सकते हैं। कपड़े और जल से सम्बन्धित वस्तुओं का व्यापार आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। समुद्री यात्राओं का भी इस वर्ष योग है, जिससे आपको लाभ होगा।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी माता को अपनी कमाई में से हिस्सा दें।
- 2— इस वर्ष कोई भी कार्य शुरू करने से पहले अपने घर में दूध से भरा मिट्टी का घड़ा रखें। दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार ना करें।

- 3— बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।
- 4— दूध ना जलायें।
- 5— दान—पुण्य करते रहें।

मंगल दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके बनते हुए कार्यों में बाधाएँ उत्पन्न हो सकती हैं। अकारण ही आपकी बदनामी हो सकती है, आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत है। इस वर्ष आपको उच्च रक्तचाप की शिकायत हो सकती है। आपको बहुत अधिक नमकीन वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए। यदि आप अपने घर का सोना बेचते हैं, तो आपके संतान पर इसका बुरा असर होगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— हिरण पालें।
- 2— निःसंतान व्यक्ति की सेवा करें।
- 3— दूध उबल कर चूल्हे पर ना गिरने दें।

बुध छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु भी आपके मित्र बनकर सहायता करेंगे। आप अपनी बुद्धि और विवेक से समाज में प्रसिद्ध हो जायेंगे। धार्मिक कार्यों में आप तन—मन—धन से सहयोग करेंगे। इस वर्ष कृषि एवं अध्ययन सामग्रियों के व्यापार से आप अधिक धनार्जन करेंगे। आपकी मानसिक और पारिवारिक स्थिति भी इस वर्ष उत्तम होगी। आपकी कही हुई बातें सत्य हो सकती हैं। आपके ननिहाल से धन लाभ हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— बायें हाथ में चांदी की अंगुठी पहनें।
- 2— विराने में दूध से भरा बर्तन दबायें।
- 3— कोई भी शुभ कार्य अपनी बेटी या बहन के हाथों से करवायें।

- 4— अपनी बहन या बेटी की शादी उत्तर दिशा में ना करें।
- 5— अपने नौकर पर नजर रखें।

बृहस्पति तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे बृहस्पति के अशुभ प्रभाव में कमी आएगी। आपको गलत तरीके से धन प्राप्ति से बचना चाहिए। आपको पीपल के पेड़ को नहीं काटना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— दुर्गा पूजा करें।
- 2— हल्दी या केसर का तिलक करें।
- 3— पीपल के पेड़ की सेवा करें।
- 4— धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।

शुक्र तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नृत्य-संगीत में अधिक रुचि नहीं लेनी चाहिए। आपको अपने चाल-चलन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में खटास आ सकती है। आपकी संतान का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— अपनी पत्नी से मधुर संबंध बनाकर रखें।
- 2— पैतृक घर की दहलीज को नष्ट ना करें।
- 3— संयमित जीवन व्यतीत करें।
- 4— घर में खराब टी.वी., रेडियो को मरम्मत करवा कर रखें।

शनि पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी बौद्धिक प्रतिभा समाज में आपको सम्मान दिलायेगी। आप अपनी बुद्धि से कठिन से कठिन कार्यों को सिद्ध करेंगे। यदि आप विवाहित हैं, तो आपको पुत्र प्राप्ति की संभावना है, परन्तु आपका मकान आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में भी सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता होगी। आध्यात्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष उत्तम है। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— किसी धार्मिक स्थान में दस बादाम चढ़ायें और उनमें से आधा घर ले आयें।
- 2— काला सूरमा घास-फूस के छप्पर में दबायें।
- 3— अपने पास सोना और केसर रखें।
- 4— सांप को दूध पिलायें।
- 5— इस वर्ष मांस-मदिरा या मछली का सेवन करें।

राहु आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी। चोरी आदि की घटनाओं से धन हानि हो सकती है। ऋण की अधिकता से आपका मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है। गलत लोगों की संगति आपके लिए घातक हो सकती है। आपके जन्मदिन से आठवें महीने में आपके लिए परेशानियाँ और भी बढ़ सकती हैं। बिजल संबंधी कार्य आपको घाटे में डाल सकते हैं।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
- 2— दक्षिणमुखी मकान में न रहें।
- 3— लकड़ी का कोयला अपने मकान में न रहने दें।
- 4— 43-43 बादाम किसी धार्मिक स्थान में अपने जन्मदिन से आठवें महीने के शुरू होते ही चढ़ायें और उसमें

से 43 बादाम घर लाकर सफेद बटुए में रखें।

केतु पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको गलत लोगों की संगति से बचना चाहिए, अन्यथा आप पर बुरा असर होगा। आपको इस वर्ष सांस की बीमारियों से परेशानी हो सकती है। अपने पिता या गुरुजनों से झगड़ा हो सकता है। व्यर्थ की कुछ यात्राएं संभव हैं।

वर्षफल में केतु का उपाय

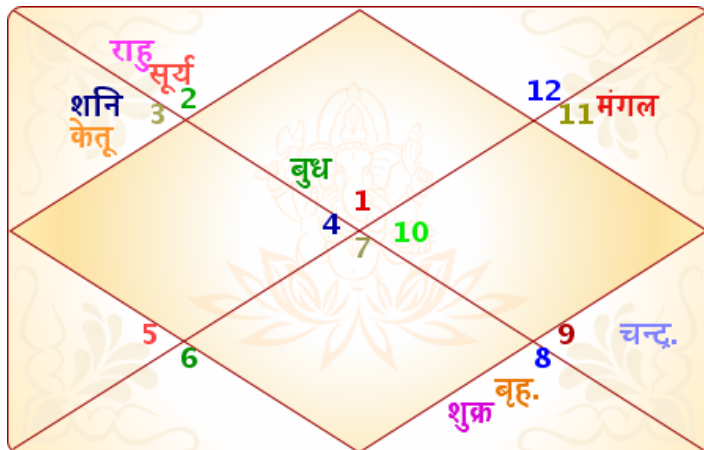
केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गलत लोगों की संगत ना करें।
- 2— अपने घर में बक्सों या आलमारियों में हमेशा ताला लगाकर ना रखें। समय—समय पर ताला खोलते रहें।
- 3— चावल, दूध या लाल मसूर की दाल दान करें।
- 4— अपने भोजन का एक हिस्सा कुत्तों को खिलायें।
- 5— सूर्य को मीठा डालकर अर्घ्य दें।

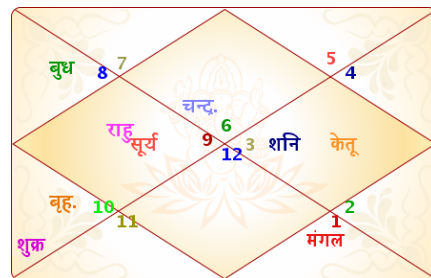
लाल किताब वर्षफल

18:12:2035--17:12:2036

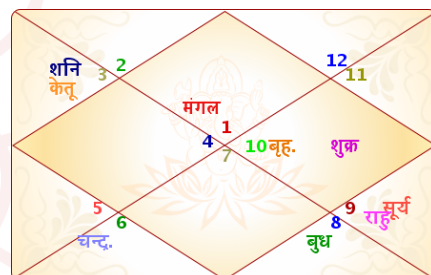
वर्षफल कुण्डली (63)



लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)



लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	2	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	9	4	राशि						हाँ	शुभ भाव
मंगल	11	1, 8	राशि			बृहस्पति			हाँ	शुभ भाव
बुध	1	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	8	9, 12	राशि			मंगल			हाँ	शुभ भाव
शुक्र	8	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	3	10, 11	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	2		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	3		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	बुध	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	सूर्य, राहु	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	शनि, केतु	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध, केतु		बुध, राहु	शुक्र, केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र, बुध		शनि		शुक्र
8	बृहस्पति, शुक्र	मंगल	मंगल, शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	चन्द्रमा	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि	हाँ	मंगल	बृहस्पति	शनि
11	मंगल	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र, केतु	बुध, राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 63

सूर्य दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप व्यर्थ के कार्यों पर अपना धन खर्च कर सकते हैं। यदि आप जमीन जायदाद संबंधी किसी मुकदमे में फंसे हुए हैं, तो आपकी हार हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष अधिक उत्तम नहीं हो सकता है। आपके भाई की पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको इस वर्ष हृदय या नेत्र से संबंधित रोगों से पीड़ित होना पड़ सकता है। अपने अधिकारियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं, आपको सावधान रहने की जरूरत है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मुत में कोई वस्तु ना लें।
- 2— दूसरों के धन पर बुरी नजर ना रखें।
- 3— धार्मिक स्थान में बादाम, नारियल और सरसों का तेल दान करें।

चन्द्रमा नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। यह वर्ष आपके लिए लम्बी एवं धार्मिक यात्राओं का सूचक है। धार्मिक क्रिया—कलापों में आपकी रुचि होगी। आध्यात्म और तंत्र—मंत्र में भी आपकी रुचि हो सकती है। भाई—बन्धुओं के साथ आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— तीर्थ यात्रा करें।
- 2— मछलियों को चावल खिलायें।
- 3— अपना चाल—चलन ठीक रखें।

मंगल ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता और भाई से आपको सभी कार्यों में सहायता प्राप्त होगी। आपके ननिहाल के लिए भी यह वर्ष उत्तम है। आप अपने मित्रों की यथा संभव सहायता करेंगे। आध्यात्मिक प्रगति के लिए भी यह वर्ष उत्तम होगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मिट्टी के बर्तन में शहद या सिन्दूर भरकर रखें।
- 2— अपनी पैतृक सम्पत्ति ना बेचें।
- 3— अपने पुत्र के जन्मदिन पर साले और भान्जे को उपहार दें।
- 4— अपने बहन-बहनोई की सेवा करें।

बुध पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नशे इत्यादि से बचना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। विदेश यात्रा से आपको नुकसान हो सकता है। इस वर्ष आपको विवादों से भी बचने की जरूरत होगी। अपने जीवनसाथी से मनमुटाव ना करें, बल्कि समझौतावादी रूख अपनायें। आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, अन्यथा आपका पेट खराब हो सकता है। तांत्रिक क्रियाओं की ओर आपका रुझान हो सकता है। आपको इस वर्ष कोई भी कार्य बहुत सोच-समझकर करना चाहिए, नहीं तो आप अलग-थलग पड़ सकते हैं।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— मांस-मदिरा का सेवन ना करें।
- 2— अपना चाल-चलन ठीक रखें।
- 3— मछली का शिकार ना करें।
- 4— हरे कपड़े से परहेज करें।
- 5— अण्डे का सेवन इस वर्ष ना करें।
- 6— अतिथियों का सत्कार करें।

बृहस्पति आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, परिवार में किसी बुजुर्ग सदस्य का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय होगा। इस वर्ष आप बुरी अफवाहों से काफी परेशान रह सकते हैं। आपको मूत्र संबंधी रोग हो सकते हैं। इस वर्ष आपको अपनी आलस्य का त्याग पूरी तरह से करना होगा, अन्यथा बनते काम भी बिगड़ने लगेंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— सोना धारण करें।
- 2— किसी धार्मिक स्थान में घी, दही, आलू, कपूर इत्यादि दान करें।
- 3— साधु-संतों को अपने घर से खाली हाथ ना जाने दें।

शुक्र आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट रह सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है। आपको अपने जीवनसाथी के साथ मधुर व्यवहार करना चाहिए तथा उनके दिए हुए सुझावों को मानना चाहिए, अन्यथा आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। इस वर्ष आपको यौन संबंधी रोग होने की भी संभावना बन सकती है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
- 2— गंदे नाले में ताँबे का पैसा बहायें।
- 3— मुत में कोई भी सामान ना लें।
- 4— बछड़े वाली गाय जिसका रंग सफेद ना हो, दान करें।

शनि तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मनोवृत्ति एकाग्र, गंभीर और विचारशील होगी। आपके मन में परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। हालांकि, यह परोपकार आपके व्यवसाय के लिए ठीक नहीं होगा। लोहे के मशीनों का व्यापार लाभदायक होगा। वाहन सुख उत्तम होगा। आप इस वर्ष किसी जोखिम भरे व्यापार में हाथ आजमा सकते हैं। इस वर्ष आपको व्यापार इत्यादि में बहुत सोच-समझकर पैसा लगाना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— शराब और मछली का सेवन ना करें।
- 2— घर की छत पर दरवाजे का चौखट ना रखें।
- 3— घर में बबुल या बेर का पेड़ लगायें।
- 4— घर के अंत में एक अंधेरी कोठरी छोड़ें।

राहु दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष जुआ, लॉटरी और शेयर इत्यादि से धन हानि हो सकती है। अपने ससुराल पक्ष के लोगों से मधुर संबंध बनाए रखें। किसी धार्मिक स्थान में चोरी के इल्जाम में आपको फंसाया जा सकता है। दान या मुत में कोई भी वस्तु ना लें। अपना व्यवहार संयमित रखें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— गले में चांदी की गोली धारण करें।
- 2— किसी धार्मिक स्थान में ना रहें।
- 3— केसर या हल्दी का सेवन करें।

केतु तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष चारों तरफ से आपको हर्षदायक समाचार प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो पदोन्नति या किसी बढ़िया जगह पर स्थानान्तरण हो सकता है। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष आपके जीवन में कोई बड़ा और शुभ बदलाव हो सकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

- 1— शरीर पर शुद्ध सोना धारण करें।
- 2— अपने भाईयों के साथ विवाद से बचें।
- 3— व्यर्थ में ना घूमें।
- 4— चने की दाल या केसर बहते पानी में बहायें।
- 5— दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।

लाल किताब उपाय से संबंधित सावधानियाँ और सामान्य नियम

- 1— एक दिन में केवल एक ही उपाय करें।
- 2— सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।
- 3— सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए।
- 4— लंबे चलने वाले उपाय लगातार करें।
- 5— मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।
- 6— जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिमा आदि का विचार न करें। एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।
- 7— कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे। यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।
- 8— यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ—साथ एक—एक करके दूसरे उपाय करें।
- 9— जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबे चलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।
- 10— जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।
- 11— उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।